जबलपुर शुक्रवार 28 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष 32 अंक 61 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण
⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 27.9°C
न्यूनतम तापमान 24.4°C
सूर्योदय - 5.51 | सूर्यास्त - 6.31

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

शासकीय महाविद्यालयों की दुर्दशा पर ... ⏩ 4

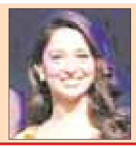

द वन' का टीजर रिलीज, रहस्यमयी ... ⏩ 7

9 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी.. ⏩ 9

डिफेंस हब बनेगा मध्य प्रदेश जबलपुर से बढ़ेगी टैंकों की ताकत

80 टी सीरीज टैंकों की होगी सालाना ओवरहालिंग, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रखी आधारशिला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जबलपुर स्थित व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (वीएफजे) में टी-72 और टी-90 युद्धक टैंकों के ओवरहाल के लिए 472 करोड़ की नई सुविधा की आधारशिला रखी। इस परियोजना से हर साल 80 टैंकों की ओवरहालिंग की क्षमता विकसित होगी। भारतीय सेना को प्रतिवर्ष करीब 230 टैंकों के ओवरहालिंग की जरूरत होती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ड्रोन, मिसाइल, आर्टिलरी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर जैसी तकनीकों के बढ़ते इस्तेमाल के बावजूद जमीनी युद्ध में टैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने टी-72 और टी-90 टैंकों को सीमा पर 'आयरन वॉल' बताते हुए कहा कि ये सैनिकों का मनोबल भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध में किसी एक हथियार पर निर्भर रहने के बजाय सभी प्रणालियों के बेहतर समन्वय की जरूरत है।

हर साल 80 टैंकों की होगी ओवरहालिंग

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले चार-पांच वर्षों में हेवी व्हीकल्स फैक्ट्री ने भारतीय सेना को करीब 4,400 टैंक उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में संचालन के कारण टैंकों की नियमित मरम्मत और ओवरहालिंग जरूरी है। आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सत्यव्रत मुखर्जी ने बताया कि जबलपुर में नई परियोजना के माध्यम से प्रतिवर्ष 80 टी-72 और टी-90 टैंकों की ओवरहालिंग की जा सकेगी। वर्तमान में सेना को हर साल करीब 230 टैंकों की ओवरहालिंग की जरूरत होती है, जबकि अवाडी में 150 टैंकों की क्षमता है। जबलपुर में विकसित होने वाली नई क्षमता इस 80 टैंकों के अंतर को पूरा करेगी।

स्थानीय युवाओं और छोटे उद्यमियों को मिलेंगे नए अवसर

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार रक्षा मंत्रालय को पूरा सहयोग दे रही है। उद्योग अनुकूल नीतियों और निवेश के लिए बेहतर वातावरण से मध्यप्रदेश में रक्षा क्षेत्र की नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं। रक्षा मंत्री ने जबलपुर में टी-सीरीज टैंक ओवरहाल परियोजना को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और साइबर तकनीक की भूमिका बढ़ी है, लेकिन टैंकों की उपयोगिता अब भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भविष्य की सैन्य रणनीति में ड्रोन और आधुनिक टैंकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

ग्वालियर-चंबल में बड़े निवेश की तैयारी

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025, इन्वेस्ट एमपी 3.0 और उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण प्रदेश निवेश के आकर्षक केंद्र के रूप में उभर रहा है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 373 हैक्टेयर भूमि पर रक्षा विनिर्माण की संभावनाएं और 16,960 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावित निवेश प्रदेश की महत्वाकांक्षी सोच को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख डिफेंस एवं एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की मजबूत नींव रखी जा रही है। उन्होंने प्रोजेक्ट को तत्परता से पूरा करने की दृढ़ इच्छा शक्ति के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव और मध्य प्रदेश सरकार की सराहना की।

दुनिया में बढ रही भारत की प्रतिष्ठा

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में किए जा रहे निवेश की सराहना की, जिससे रक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और मध्य प्रदेश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने विश्व मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का श्रेय प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को देते हुए कहा कि देश हर तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा एमपी : डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जबलपुर में रक्षा क्षेत्र से जुड़ी करीब पौने पांच सौ करोड़ रुपये की टैंक ओवरहॉल परियोजना मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात है। इससे रक्षा उत्पादन को नई गति मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि जबलपुर की रक्षा उत्पादन इकाइयां लंबे समय से देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं। जबलपुर की रक्षा फैक्ट्रियों को आधुनिक तकनीक और बदलती सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। गन कैरिज फैक्ट्री सहित विभिन्न इकाइयों ने देश की सुरक्षा में अपनी अलग पहचान बनाई। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश बढ़ाने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मालनपुर में 450 करोड़ रुपये से अधिक की गोदरेज फैक्ट्री के बाद अब रक्षा क्षेत्र में नई परियोजना से निवेश की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शिक्षा, चिकित्सा, अधोसंरचना और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश से 74 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात इसकी प्रगति का उदाहरण है। आज मध्यप्रदेश विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विदेशी सप्लाई चेन कम करना लक्ष्य

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध में तकनीक, सूचना, सायबर डोमेन और सप्लाई चेन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए भारत अपने सैनिकों को महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी सप्लाई चेन पर निर्भर नहीं रखना चाहता। उन्होंने कहा कि देश में ही हथियारों का निर्माण, उनकी रिपेयर और मेंटेनेंस, आधुनिक तकनीक से अपग्रेडेशन तथा नई क्षमताओं का विकास किया जाएगा।

हमें अभी से ही ओलंपिक 2036 खेलों तैयारी शुरु करनी होगी : मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ाने और ओलंपिक 2036 के लिए तैयारी अभी से शुरू करने का आह्वान करते हुए कहा कि देश का खेल विजन केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत के निर्माण में खेल और युवाओं की ताकत का उपयोग करने के एक बड़े मिशन का हिस्सा है। श्री मोदी ने यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए खेलो इंडिया डायलॉग को संबोधित करते हुए खेल, युवा नेतृत्व, फिटनेस, नागरिक जिम्मेदारी और राष्ट्र-निर्माण पर देशव्यापी चर्चा के तहत देशभर के युवाओं से बातचीत की। मेरा युवा भारत द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जुड़ने, अपनी उम्मीदें साझा करने और देश के युवा और खेल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विचार देने का मंच प्रदान करना है। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भागीदारी हो रही है, जिसमें प्रत्येक जिले के दो कॉलेजों के छात्र हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान लाल किले की प्राचीर से भारत के व्यापक खेल विजन की रूपरेखा बताई थी। उन्होंने कहा, जब मैं खेल की बात करता हूं, तो यह केवल पदक जीतने के बारे में नहीं है। यह एक विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेल शक्ति और युवा शक्ति को एक साथ लाने का अभियान है। भारत के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने ऐतिहासिक रूप से ओलंपिक में शामिल लगभग आधी प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लिया है। ऐसा दशकों से चला आ रहा है। उन्होंने कहा, दूसरे देश उन खेलों में पदक जीतते हैं जिनमें हम भाग भी नहीं लेते। अगर हम अपनी पदक तालिका को बढ़ाना चाहते हैं, तो हमें उन खेलों में भी महारत हासिल करनी होगी। ओलंपिक में शामिल कई अलग-अलग खेलों में से, भारतीय टीमें लगभग आधे खेलों में भाग नहीं लेती हैं। इसका मतलब है कि हम पदक तालिका के एक बहुत बड़े हिस्से के लिए प्रतिस्पर्धा भी नहीं करते हैं। यह दशकों से चला आ रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि 2036 ओलंपिक की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स के मंच पर अपनी मजबूत छाप छोड़नी है, तो लंबी अवधि की योजना, शुरुआती दौर में ही प्रतिभा की पहचान और खिलाड़ियों को लगातार सहयोग देना जरूरी है। उन्होंने कहा, जब हम 2036 ओलंपिक की बात करते हैं, तो हमें अभी से खिलाड़ियों को तैयार करना शुरू करना होगा। खेलो इंडिया देश भर में स्पोर्ट्स प्रतिभा को निखारने का एक शानदार मंच बन गया है। यह युवा खिलाड़ियों को उनके सपने पूरे करने के लिए मौके और सपोर्ट दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्पोर्ट्स का महत्व केवल चैंपियन बनाने से कहीं अधिक है, क्योंकि स्पोर्ट्स प्रतिस्पर्धा युवाओं को मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और हार के बाद फिर से उठने की क्षमता सिखाते हैं। उन्होंने कहा, खेल हमें केवल चैंपियन बनना ही नहीं सिखाता, बल्कि बेहतर प्रतियोगी बनना भी सिखाता है।

उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की चार दिन की यात्रा पर जायेंगे मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की चार दिन की यात्रा पर जायेंगे जहां वह बिश्केक में 26 वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जार्ज ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री की यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्री मोदी 29 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान में तथा 31 अगस्त से एक सितम्बर तक किर्गिज गणराज्य में रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर ताशकंद जाएंगे

खड़गे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है।

अवकाश सूचना

28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर दैनिक स्वतंत्र मत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 30 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

संपादक

राहुल गांधी जाएंगे कर्नाटक

बंगलूरू

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जल्द कर्नाटक का दौरा कर सकते हैं। शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की और राज्य, देश तथा कांग्रेस से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के दौरे के दौरान कर्नाटक सरकार गिग वर्कर्स से जुड़े एक सम्मेलन का आयोजन करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए श्रम विभाग के साथ मिलकर तारीख तय की जाएगी। शिवकुमार के अनुसार, कर्नाटक सरकार गिग वर्कर्स के हित में कानून बनाने की तैयारी कर चुकी है। राहुल गांधी ने इस विषय पर कुछ सुझाव भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर भी उठाएंगे। सरकार का कहना है कि गिग वर्कर्स से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सम्मेलन महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, सम्मेलन की तारीख अभी तय नहीं हुई है। मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे के सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर चर्चा के बाद फैसला करेगी। उन्होंने नागेंद्र को पार्टी का वफादार नेता और पार्टी के लिए संपत्ति बताया। शिवकुमार के अनुसार, नागेंद्र चार बार विधायक रह चुके हैं और पार्टी के लिए त्याग करने को तैयार रहे हैं। उन्होंने कथित आदिवासी कल्याण घोटाले में नागेंद्र पर लगे आरोपों को भी खारिज किया और कहा कि उनके खिलाफ कोई मामला नहीं है।

नागेंद्र के इस्तीफे पर पार्टी लेगी फैसला

निवेश दोगुना करने का झांसा देकर 2 करोड़ की ठगी, 14 आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़। निवेश की रकम दोगुनी करने का लालच देकर करीब 2 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का राजगढ़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। 'ऑपरेशन मनी ट्रैप' के तहत करीब 35 दिनों तक चली कार्रवाई में पुलिस ने 10 राज्यों में करीब 30 हजार किलोमीटर तक आरोपितों का पीछा करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपितों से 1 करोड़ 73 लाख 16 हजार रुपये नकद, चार लग्जरी वाहन और 19 एंड्रॉयड मोबाइल सहित कुल 2 करोड़ 92 लाख 91 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई। एसपी अमित तोलानी के अनुसार ब्यावरा निवासी देवेंद्र पालीवाल ने 24 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपित प्रफुल्ल गजभिये ने खुद को बड़ी कंपनी से जुड़े लोगों का परिचित बताते हुए निवेश की रकम दोगुनी करने का झांसा दिया। गिरोह ने फर्जी ई-मेल, दस्तावेज और स्वीकृति-पत्र दिखाकर फरियादी का भरोसा जीता। इसके बाद 22 जुलाई को भोपाल के जहांगीराबाद स्थित एक कोरियर कार्यालय में 2 करोड़ रुपये नकद लिए गए। आरोपितों ने रकम हवाला और आंगड़िया नेटवर्क के जरिए भेजने की बात कही।

आरएसएस प्रमुख के कार्यक्रम से पहले विवाद

आयोजक समूह का एक्स अकाउंट हुआ निलंबित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद और बढ़ गया है। कार्यक्रम के आयोजक अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एहेड) का सोशल मीडिया मंच एक्स अकाउंट निलंबित कर दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी कार्यक्रम और आरएसएस के प्रति अपना विरोध जता चुके हैं। वहीं, अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने भी भागवत का वीजा रद्द करने की मांग की है। एक्स पर एहेड का अकाउंट अब उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है। संगठन ने कहा है कि यह निलंबन गलती से हुआ हो सकता है। संगठन के अनुसार, उसके संचार में शांति, एकता, सद्भाव और अलग-अलग धर्मों व संस्कृतियों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया गया है और उसने एक्स की नीतियों का पालन किया है। मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इंफोसिस थिएटर में 'यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता होंगे। भागवत इस समय अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की तीन देशों की यात्रा पर हैं। इसी कार्यक्रम को लेकर न्यूयॉर्क में राजनीतिक विवाद भी सामने आया है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि वह आरएसएस या प्रस्तावित कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार शहर प्रशासन के पास है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है।

चीन ने नेपाल को दी एक और बाढ़ की चेतावनी

बॉर्डर से 18 किमी ऊपर बनी झील : अब तक 359 शव बरामद, 288 भारतीय समेत 1500 लापता

काठमांडू (वार्ता)

नेपाल में बुधवार की भीषण बाढ़ के बाद चीन ने भोटेकोशी नदी में फिर बड़ी बाढ़ की चेतावनी दी है। चीन से मिली जानकारी के मुताबिक, रसुवागढ़ी बॉर्डर से करीब 18 किमी ऊपर ल्हेंदे नदी में पानी रुकने से झील बन गई है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को नदी किनारे से दूर सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी है। करीब 0.11 वर्ग किमी में बनी इस झील के टूटने पर भोटेकोशी में फिर तेज बाढ़ आ सकती है। नेपाल पुलिस के गुरुवार शाम 5 बजे तक के मुताबिक, बाढ़ में 359 लोगों की मौत हो चुकी है। 8 जिलों से शव मिले हैं, इनमें सबसे ज्यादा चितवन में 132 हैं। बाढ़ के बाद करीब 1,500 लोग लापता हैं। इनमें 288 भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, 21 भारतीयों को बचाया गया है, जिनमें 11 की पहचान हो चुकी है। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के कारण हुई तबाही के बाद 288 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, इनमें वे 73 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं जो त्रिशूली-1 ऊर्जा परियोजना पर काम कर रहे हैं जबकि 21 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है जो तमिलनाडु के हैं। इसके अलावा मानसरोवर यात्रा पर गए करीब 200 भारतीय नागरिकों के चीन के क्षेत्र में फंसे होने की आशंका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को यहां नेपाल पर विशेष ब्रीफिंग में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को नेपाल के प्रधानमंत्री से बात कर इस त्रासदी पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और कहा है कि भारत नेपाल की जनता के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। उन्होंने भारत की ओर से हर संभव सहायता तथा मानवीय सहायता की पेशकश की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेपाल में हुई त्रासदी को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि इस त्रासदी में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक लापता हुए हैं और कई लोगों की मृत्यु भी हुई है। श्री खड़गे ने कहा कि ऐसी दुखद घड़ी में सभी को मिलकर प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे उन परिवारों की सहायता करें, जिनके रिश्तेदार नेपाल त्रासदी के बाद लापता हैं या जिनकी मौत हो गयी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से लापता भारतीयों की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास करने और उन्हें सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद और सहयोग मिलना चाहिए।

विदेश मंत्रालय में विशेष नियंत्रण कक्ष की स्थापना

नेपाल में भीषण बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में सप्ताह के सातों दिन चौबीस घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि नियंत्रण कक्ष से निम्न माध्यमों से निर्धारित नम्बरों पर संपर्क किया जा सकता है।

ये टेलीफोन नंबर हैं - 91-11 2308 8718, 91-11 2308 8719

व्हाट्सएप कॉल/संदेश - 91-9968291988

छात्राओं के लिए शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं रचनात्मक कौशल का विकास भी आवश्यक

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राखी मेकिंग कार्यशाला एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में छात्राओं की रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फेविक्रिल द्वारा राखी मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान फेविक्रिल से प्रशिक्षिका के रूप में पधारी अंशु अग्रवाल द्वारा छात्राओं को राखी निर्माण की विभिन्न तकनीकों एवं डिजाइन तैयार करने के बारे में जानकारी दी गई । महाविद्यालय में राखी मेकिंग एवं मेहंदी मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय त्यौहार हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं से जुड़े हुए हैं । उन्होंने कहा कि एक भावी शिक्षक के रूप में छात्राओं के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि रचनात्मक एवं व्यावहारिक कौशल का विकास भी आवश्यक है। राखी मेकिंग प्रतियोगिता एवं मेहंदी मेकिंग में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा, कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

भव्यता के साथ हुआ श्रावण संकीर्तन अनुष्ठान का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबालीपुरम के द्वारा श्रावणमास में आयोजित घर-घर संकीर्तन अनुष्ठान के अंतिम दिवस का विश्राम हुआ। मूर्ति महावीर ट्रस्ट के सौजन्य से श्रीराम-हनुमान मंदिर, शास्त्री ब्रिज में संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे के सानिध्य में घंटा, शंख, मृदंग की सुमधुर संकीर्तन धुन पर भक्तजन भाव-विभोर होकर खूब थिरके। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि 30 दिवसीय प्रात: संकीर्तन माला का आयोजन पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मंगल आरती के साथ श्रावण महोत्सव संकीर्तन सोल्लासपूर्वक धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंडल द्वारा नियमित समर्पित भक्तजनों का अभिनंदन-पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही, मूर्ति महावीर ट्रस्ट एवं मंडल द्वारा इस भक्तिमय कार्यक्रम को गरिमामय बनाने के लिए सूत्रधार देवेंद्र नेमा को साल श्रीफल माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित कर सभी ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर देवेंद्र त्रिपाठी, नीतू-सुधीर, हरिवल्लभ जेठा, कमलेश जेठा, कृष्ण कांत गुप्ता, कमलेश मिश्रा, मुकेश मालवीय, सुरेंद्र गिरी गोस्वामी सत्य प्रकाश नामदेव, मोहित तिवारी सत्यनारायण दुबे,प्रभाकर चतुर्वेदी, विशाल पंड्या आदि उपस्थित रहे।

501 लीटर दूध से किया गुप्तेश्वर महादेव का दुग्धाभिषेक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

श्रावण मास के शुभ अवसर पर प्रतिवर्षानुसार हिन्दू सेवा परिषद के द्वारा गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में पीठाधीश्वर डॉ स्वामी मुकुंददास जी महाराज के सानिध्य में भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर 501 लीटर दूध से महादुग्धाभिषेक कीया गया। 21 लीटर दूध से अभिषेक कर शेष प्रसाद रूपी वितरित किया। हिन्दू सेवा परिषद ने महादुग्धाभिषेक इसलिए किया की जिससे भारत देश में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहे तथा भारत देश जल्द ही अखंड हिन्दू राष्ट्र बने। संगठन से प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी, गौरव साहू, धीरज ज्ञानचंदानी,अभिषेक अहिरवार, अंकित राजपूत एवं अन्य शामिल हुए।

छात्रों ने सुनी रक्षाबंधन से जुड़ी प्रेरणादायी कहानियां, धूमधाम से मनाया पर्व

हितकारणी चिल्ड्रन्स एकेडमी देवताल में उत्साह के साथ मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह, प्रेम और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता समझाने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रप्रेम से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम की विशेष पहल के अंतर्गत प्री-प्राइमरी कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन का पर्व देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों को समर्पित किया। बच्चों ने देश के सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राखी के माध्यम से यह संदेश दिया कि देश की रक्षा करने वाले जवान भी हमारे अपने परिवार का हिस्सा हैं। इसी क्रम में विद्यालय के एनसीसी विद्यार्थियों को राखी बांधकर उनके अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का सम्मान किया गया। प्राइमरी स्तर के विद्यार्थियों ने भी रक्षाबंधन समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

बच्चों ने राखियां बनाई, सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया तथा रक्षाबंधन के महत्व से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम को और अधिक भावपूर्ण एवं पारिवारिक बनाने के लिए विद्यालय के विद्यार्थियों के दादा-दादी एवं नाना-नानी को भी आमंत्रित किया गया। उन्होंने बच्चों को रक्षाबंधन से जुड़ी पारंपरिक एवं प्रेरणादायी कहानियां सुनाईं तथा अपने अनुभव साझा किए। बुजुर्गों के स्नेह और अनुभवों ने

कार्यक्रम में पारिवारिक मूल्यों की सुंदर अनुभूति कराई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या तृप्ति नारंग की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सम्मान, संस्कार और राष्ट्रप्रेम को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया।

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी महिला महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में गुरूवार को महाविद्यालय परिसर में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उपस्थित अतिथियों, वरिष्ठ छात्रों एवं कर्मचारियों को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा और रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। छात्राओं ने अतिथियों को राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास की भावना को मजबूत किया। राखी बंधवाने के बाद एडवो अंकुश चौधरी सहित अन्य छात्रों ने छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए जीवनभर हरसंभव सहयोग करने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलेश पांडे ने कहा कि संस्थान में हर वर्ष रक्षाबंधन का आयोजन पारंपरिक रूप से किया जाता है। उन्होंने आयोजन को विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का अवसर बताया। कार्यक्रम में सहप्राचार्य डॉ. पूर्णिमा तिवारी, महाकौशल विधि छात्र संगठन के अध्यक्ष एडवोकेट अंकुश चौधरी, उपाध्यक्ष एडवोकेट मोहित प्यासी सहित संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्राएं, अतिथिगण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश सिंह ठाकुर ने किया।

रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए नि:शुल्क रहेगी मेट्रो बस सेवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रक्षाबंधन का त्यौहार भारतीय संस्कृति और पंचाग के अनुसार कल धूम-धाम से मनाया जायेगा। भाई-बहन के पवित्र पर्व रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शहर के प्रथम नागरिक एवं प्रथम सेवक महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने विशेष पहल करते हुए माताओं, बहनों और मातृ शक्तियों को अनूठा उपहार दिया है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के आग्रह पर शहरी परिवहन सेवा के अंतर्गत संचालित मेट्रो बसें चलेंगी जिसमें माताओं बहनों एवं मातृ शक्तियों को किसी भी प्रकार का किराया नहीं देना पड़ेगा। महापौर ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए उन्होंने जबलपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के अधिकारियों से चर्चा की एवं अपनी भावनाओं से अवगत कराया जिसे स्वीकार करते हुए अधिकारियों ने रक्षाबंधन के अवसर पर शहरी परिवहन सेवा के अंतर्गत मेट्रो बसें नि:शुल्क चलाने पर अपनी खुशी से सहमति दे दी है। रक्षाबंधन के अवसर पर माताओं बहनों एवं मातृ शक्तियों को मेट्रो बस में सफर के लिए किसी भी प्रकार का किराया नहीं देना पड़ेगा। महापौर श्री अन्नू ने बताया कि माताओं बहनों एवं मातृ शक्तियों की सेवा के लिए वे सदैव संकल्पित रहे हैं और आगे भी उनकी सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर शहर की माताओं बहनों एवं मातृ शक्तियों के लिए उनकी ओर से उपहार है। महापौर ने बताया कि आज दिनांक 28 अगस्त को अपरान्ह 12:00 बजे रेल्वे स्टेषन प्लेटफार्म क्रमांक 6 से मातृषक्तियों बहनों के साथ मेट्रो बस की सवारी करेगें।

चरने गई 4 भैंसे हुई चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर थाने में जितेश यादव उम्र 36 वर्ष निवासी छोटी देवन दीक्षितपुरा कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह वर्तमान में डिफेंश कॉलोनी साउथ सिविल लाईन में रहता है। उसकी छोटी बड़ी भैंसें चरने के लिये पाठबाबा विद्यानगर तरफ जाती थीं जो चरकर शाम तक वापस आ जाती थीं। विगत दिवस उसकी 10 छोटी बड़ी भैंसे चरने के लिये पाठबाबा विद्यानगर तरफ गयीं थीं। जिनमें से 4 भैंसे अभी तक वापस नहीं आयीं। जांच में पाया गया कि लापता मवेशी जांच से पाया गया कि कोई अज्ञात चोर 4 भैंसें कीमती लगभग 65 हजार रूपये की चोरी कर ले जाना पाया जाने से अज्ञात के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

29 अगस्त को होगा संस्कारधानी समरसता कजलिया महोत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आपसी सद्भाव और समरसता के प्रतीक कजलियां महापर्व के अवसर अवसर पर समरसता सेवा संगठन के संयोजन में सर्व समाज की सहभागिता से संस्कारधानी समरसता कजलिया महोत्सव का चौथा आयोजन शनिवार 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे से हनुमान सरोवर में किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री पवन ने बताया इस भव्य-दिव्य एवं गरिमामय समारोह की संयोजना पर संतों-महंतों सहित प्रबुद्धजनों का आशीर्वाद और सबका साथ और आशीर्वाद एक मंच पर होगा। श्री पांडे ने बताया कि आयोजन में कजलियों की पारंपरिकता के साथ ही साहित्यिक और सांस्कृतिक छटा भी रहेगी। इस अवसर पर 'सनातन संस्कृति में समरसता के प्रतीक पर्व कजलियों का महत्व' विषय पर तीन वर्गों , माधमिक, उच्चतर माध्यमिक और महाविद्यालयीन वर्गों के लिए समरसता एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक क़ज़ालियां, विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही बच्चों के लिए विविध वेशभूषा प्रतियोगिता, महिलाओं की सहभागिता के लिए भी पूजा की थाली सजाओ और हस्त निर्मित राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। वहीं सर्व समाज की सहभागिता से पारंपरिक स्वादिष्ट और खान-पान जायकेदार व्यंजनों का लुत्फ भी रहेगा। समरसता सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष संदीप जैन, अध्यक्ष पवन पांडे, सचिव मनोज सेठ ने सब सबको जाने, सब सबको मानें के ध्येय वाक्य को आत्मसात करते हुए समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित संस्कारधानी समरसता कजलियां महोत्सव के आयोजन में संस्कारधानी के सभी जनों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

सैनिकों को कलाई में छात्राओं ने बांधी राखी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रतिवर्ष अनुसार इस 11वें वर्ष भी शास्त्री ब्रिज स्थित सरस्वती शिक्षा परिषद विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर की बहनों ने हाथों से तैयार करी स्वदेशी राखियां सैनिक भाइयों की कलाइयों में सजाई एवं आरती कर आशीर्वाद लिया। बहनों ने कहा सैनिक भैया हमें भारत देश की सुरक्षा तोहफे में दें हमें पैसा रुपया नहीं चाहिए । जम्मू कश्मीर की सुरक्षा कारगिल जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा में विशेष योगदान इन सैनिकों का रहा है। कार्यक्रम संयोजक डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया कई सैनिकों को 15 साल 10 साल 5 साल बाद राखियां उनके हाथों की कलाई में बांधी गई सेना में होने के कारण समय पर छुट्टी ना मिलने पर अपने परिवार में नहीं जा पाए उनके उत्साह वर्धन के लिए यह आयोजन रहा बहनों एवं सैनिकों के खुशी के आंसू बह रहे थे लोग भारत माता की जयकारे के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे ने कहा सैनिकों के कारण ही हम देश में रह पा रहे हैं देश की सुरक्षा के साथ ही हमारा मनोबल बढ़ाते हैं।

कार्यक्रम का संचालन प्रादेशिक सचिव डॉ सुधीर अग्रवाल और आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष विष्णुकांत ठाकुर ने किया। इस अवसर पर कमलेश अग्रहरि, राजेंद्र मिश्रा, मनीषा ठाकुर, विनीता यादव उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में विभाग स्तरीय प्राचार्य बैठक संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर राम मंदिर जीसीएफ में आयोजित दो दिवसीय विभाग स्तरीय प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य बैठक गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 25 और 26 अगस्तको आयोजित इस विस्तृत बैठक में जबलपुर विभाग के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों एवं प्रधानाचार्यों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जीसीएफ फैक्ट्री के चीफ जनरल मैनेजर ऋतुराज द्विवेदी उपस्थित रहे, जबकि महाकौशल प्रांत के कोषाध्यक्ष विष्णु कांत ठाकुर, विशिष्ट अतिथि डब्लू डब्लू ए जीसीएफ की प्रेसिडेंट रेशमा द्विवेदी, जिला सचिव श्री विवेक चौधरी, समिति अध्यक्ष डॉ. आलोक उदैनिया एवं जबलपुर विभाग समन्वयक कमलेश अग्रहरि मंचस्थ रहे। प्रथम दिवस प्रांत कोषाध्यक्ष श्री विष्णुकांत ठाकुर जी ने वर्तमान में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की बारीकियों से अवगत कराया, जबकि अखिल भारतीय नैतिक एवं आध्यात्मिक प्रमुख रवि शंकर शुक्ला ने शिक्षण पद्धति में पंचपदी के महत्व और नैतिक शिक्षा के प्रभावी अनुप्रयोग पर बल दिया। विभाग समन्वयक कमलेश अग्रहरि ने विद्या भारती की आगामी योजनाओं पर चर्चा करते हुए सभी विद्यालयों में वंदे मातरम के पूर्ण गायन को अनिवार्य रूप से लागू करने का आह्वान किया। द्वितीय दिवस प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल ने संस्था में ग्रुप ग्रेच्युटी के सुचारू व व्यवस्थित संचालन तथा विद्यालयों में छात्र संख्या वृद्धि के व्यावहारिक उपायों पर मार्गदर्शन दिया। इस दौरान रांझी विद्यालय के व्यवस्थापक रोहित सिंह चौधरी, पुष्पराज सेंगर, राम मंदिर समिति के उपाध्यक्ष तरुण झा आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए जबलपुर रेल मंडल ने चलाया विशेष अभियान

सीसीटीवी कैमरों से रखी जा रही निगरानी तैनात हुई आरपीएफ और जीआरपी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुगम आवागमन एवं सुरक्षित यात्रा के लिए मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के निर्देशानुसार शुक्रवार से रविवार तक सभी स्टेशनों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पर्व के दौरान स्टेशन परिसरों, प्रवेश एवं निकास द्वारों, प्लेटफार्मों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी एवं भीड़ नियंत्रण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए सर्कुलेटिंग एरिया का समुचित उपयोग सुनिश्चित करते हुए अनावश्यक भीड़ एवं जमाव को नियंत्रित किया जाएगा। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

डॉग स्क्वाड की मदद से की जा रही चैकिंग

यात्रियों एवं उनके सामान की सुरक्षा के दृष्टिगत रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म, प्रवेश एवं निकास द्वार, प्रतीक्षालय, सर्कुलेटिंग एरिया एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर संदिग्ध यात्रियों एवं लावारिस सामान की जांच की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार डॉग स्क्वॉड की सहायता से भी विशेष जांच एवं निगरानी की जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर की गई पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था

सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है, जिनके द्वारा स्टेशनों एवं ट्रेनों में गहन निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के निर्देशानुसार ट्रेनों के निर्धारित प्लेटफार्म में अनावश्यक परिवर्तन की स्थिति न आने देने तथा ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान की जानकारी यात्रियों को निरंतर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोच इंडिकेटर बोर्ड चालू रखने तथा ट्रेन के आगमन से पूर्व निर्धारित कोचों की जानकारी प्रदर्शित करने के लिए भी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

यात्री सुविधाओं के अंतर्गत स्टेशनों पर स्वच्छता एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। खान-पान स्टॉलों पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने तथा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यात्रियों को त्वरित एवं सुविधाजनक टिकट सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मशीनों पर फेसिलिटेटर की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, रेलवे कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान निर्धारित यूनिफॉर्म में उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया गया है।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है रक्षाबंधन

भारतीय संस्कृति में पर्वों और त्योहारों का विशेष स्थान है। ये त्योहार समाज को आपसी प्रेम, सौहार्द और रिश्तों की डोर में बांधते हैं। इन्हीं पवित्र त्योहारों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के बीच अगाध स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के वचन का प्रतीक है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल एक धागा बांधने का अवसर नहीं, बल्कि दो दिलों के बीच मौजूद उस पवित्र भावना का उत्सव है, जो हर परिस्थिति में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की प्रेरणा देती है।

ऐतिहासिक-पौराणिक महत्व

रक्षाबंधन की परंपरा सदियों पुरानी मानी जाती है। इससे जुड़े अनेक ऐतिहासिक और पौराणिक प्रसंग इस पर्व के महत्व को और अधिक बढ़ाते हैं।

1 इंद्र और इंद्राणी की कथा - भविष्य पुराण के अनुसार, देवताओं और दानवों के युद्ध के दौरान जब असुरों का प्रभाव बढ़ने लगा, तब देवगुरु बृहस्पति ने इंद्र की रक्षा के लिए इंद्राणी को श्रावण पूर्णिमा के दिन रक्षा सूत्र बांधने का विधान बताया था।

2 राजा बलि और माता लक्ष्मी - पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को राजा बलि के वचन से मुक्त कराने के लिए राजा बलि की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उन्हें अपना भाई बनाया। यह प्रसंग रक्षाबंधन में भाई-बहन के रिश्ते की भावना को दर्शाता है।

3 ऐतिहासिक प्रसंग - मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती द्वारा मुगल बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर सहायता की गुहार लगाने का प्रसंग भी रक्षाबंधन से जोड़ा जाता है। यह कथा इस पर्व को जाति, धर्म और सीमाओं से परे स्नेह और मानवीय संबंधों का प्रतीक बनाती है।

आधुनिक समय में बदलता स्वरूप और सामाजिक संदेश

समय के साथ रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी उतनी ही प्रगाढ़ है। अब यह पर्व केवल एक परिवार के भाई-बहन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में प्रेम, सुरक्षा और जिम्मेदारी का संदेश देने वाला अवसर भी बन गया है।

1 महिला सुरक्षा और सम्मान - रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेने की भावना को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। यह पर्व हमें महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता का व्यवहार करने की प्रेरणा देता है।

2 वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण - आज कई लोग पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं। यह पहल मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंध को मजबूत करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देती है।

3 देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान - सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों के लिए देशभर की बहनें राखियां भेजती हैं और उनके दीर्घायु एवं सुरक्षित जीवन की कामना करती हैं। यह परंपरा देश के सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को दर्शाती है।

रक्षाबंधन हमें याद दिलाता है कि जीवन की भागदौड़ में हम कितने ही व्यस्त क्यों न हो जाएं, अपने लोगों के साथ और रिश्तों की मिठास ही हमारी वास्तविक पूंजी है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम को मजबूत करने के साथ समाज में प्रेम, भाईचारे, आत्मीयता और परस्पर सम्मान की भावना को भी गहरा करता है।

मोहित अग्रवाल

शिक्षक
हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदगंज, जबलपुर।

राखी का धागा

कलाई पर बंधता है धागा,
पर रिश्ता दिल में बंध जाता है।
बहन की एक छोटी-सी राखी से,
भाई का बचपन लौट आता है।
वो बचपन की मीठी लड़ाई,
वो रूठना और मनाना,
चुपके से मेरी चीजें लेकर,
फिर हँसते हुए वापस लौटाना।
आज न वो आँगन वैसा है,
न वैसी बचपन की बातें हैं,
फिर भी राखी के इस धागे में,
वो सारी पुरानी यादें हैं।
भैया, चाहे जहाँ रहो तुम,
मेरी दुआ साथ जाएगी।
मेरी कलाई की इस राखी में,
मेरी हर खुशी बंधी जाएगी।
तुमने हर मुश्किल में थामा,
जब दुनिया ने साथ छोड़ दिया।
मैंने भी हर राह में तुमको,
खुशियों का संसार दिया।
न चाहूँ मैं कोई महँगा तोहफा,
न चाहूँ कोई उपहार,
बस यूँ ही बना रहे हमेशा,
हम दोनों का यह प्यार।
राखी केवल धागा नहीं है,
यह विश्वास की पहचान है।
भाई-बहन के इस पावन रिश्ते में,
पूरी दुनिया की मुस्कान है।
कलाई से उतर जाएगी राखी,
पर दिल से कभी न जाएगी।
भाई-बहन के प्यार की यह डोर,
हर जन्म हमें फिर मिलाएगी।

संगीत पवार

शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

इतिहास के पन्नों में रक्षाबंधन

रक्षाबंधन भारत का एक प्राचीन और पवित्र त्योहार है। यह भाई-बहन के बीच प्रेम, स्नेह, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई उसकी सुरक्षा, सम्मान तथा सुख-दुख में साथ निभाने का वचन देता है।

पौराणिक प्रसंग

रक्षाबंधन से जुड़ी अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। महाभारत से जुड़ी लोकप्रचलित कथा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण की उंगली में चोट लगने पर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का कपड़ा फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया था। माना जाता है कि श्रीकृष्ण ने भी द्रौपदी की रक्षा का वचन निभाया। यह प्रसंग भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम और संरक्षण की भावना को दर्शाता है।

रानी कर्णावती और हुमायूं

रक्षाबंधन की परंपरा को मेवाड़ की रानी कर्णावती और मुगल सम्राट हुमायूं से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा से भी जोड़ा जाता है। प्रचलित कथा के अनुसार, संकट के समय रानी कर्णावती ने हुमायूं को राखी भेजकर सहायता की अपील की थी। हालांकि इस प्रसंग के ऐतिहासिक प्रमाणों को लेकर इतिहासकारों में मतभेद हैं, फिर भी यह कथा भारतीय लोकस्मृति में भाईचारे और मानवीय संबंधों के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय है।

परंपरा से आधुनिकता तक

समय के साथ रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों में बदलाव आया है, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी कायम है। आज यह त्योहार केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी का संदेश देने वाला पर्व बन गया है। दूर रहने वाले भाई-बहन भी ऑनलाइन राखी, वीडियो कॉल और डिजिटल शुभकामनाओं के माध्यम से इस पर्व की आत्मीयता को बनाए रखते हैं।

रक्षाबंधन का सामाजिक संदेश

रक्षाबंधन हमें यह संदेश देता है कि रिश्तों की मजबूती केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी से होती है। बहनों और बेटियों को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षित वातावरण देना ही इस पर्व की भावना का वास्तविक सम्मान है।

प्रेम और विश्वास का पर्व

रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह पर्व हमें अपने रिश्तों के प्रति संवेदनशील रहने और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहने की प्रेरणा देता है। वास्तव में, राखी का छोटा-सा धागा प्रेम, विश्वास और अपनत्व की उस मजबूत डोर का प्रतीक है, जो जीवनभर रिश्तों को जोड़े रखती है।

कुंज बिहारी हनवत

शिक्षक, हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला
बी.टी. तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

रक्षाबंधन त्योहार नहीं, एक अटूट बंधन

भारत त्योहारों का देश है, जहाँ हर पर्व अपने साथ प्रेम, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का संदेश लेकर आता है। रक्षाबंधन भी ऐसा ही एक पवित्र पर्व है, जो केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सम्मान का बंधन है। यह हमें सिखाता है कि सच्चे रिश्ते केवल खून के नहीं, बल्कि भावनाओं और अपनत्व से बनते हैं।

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक

रक्षाबंधन के दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसके सुख, स्वास्थ्य तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है। भाई भी बहन के सम्मान, सुरक्षा और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है। राखी का यह छोटा-सा धागा अपने भीतर जीवनभर के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता को समेटे रहता है।

रिश्तों में समानता और सम्मान

आज रक्षाबंधन का अर्थ केवल भाई द्वारा बहन की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। आधुनिक समय में भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सम्मान, सपनों और आत्मविश्वास की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। इस बदलते स्वरूप ने रक्षाबंधन को समानता, सहयोग और परस्पर सम्मान का प्रतीक बना दिया है।

दूरियों को मिटाती तकनीक

आज लोग अलग-अलग शहरों और देशों में रहते हैं, फिर भी तकनीक ने दूरियों को काफी कम कर दिया है। ऑनलाइन राखी, वीडियो कॉल और डिजिटल शुभकामनाओं के माध्यम से भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहती है। इससे स्पष्ट होता है कि सच्चा बंधन दूरी से नहीं, बल्कि दिलों से जुड़ा होता है।

प्रकृति की रक्षा का संदेश

रक्षाबंधन अब पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहा है। लोग पर्यावरण-अनुकूल राखियों को अपनाकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कई स्थानों पर पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प भी लिया जाता है। इस तरह राखी का धागा मनुष्य और प्रकृति के बीच जिम्मेदारी का संबंध मजबूत करने का माध्यम बन रहा है।

समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन तक सीमित नहीं है। यह हमें महिलाओं के सम्मान, परिवार की एकता तथा समाज में प्रेम और सहयोग की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। कई लोग इस अवसर पर सैनिकों, गुरुओं और समाज की सुरक्षा में योगदान देने वाले लोगों को राखी बांधकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

जीवनभर निभाने का संकल्प

रक्षाबंधन एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाले प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का संकल्प है। यह हमें याद दिलाता है कि स्नेह, सम्मान और विश्वास से जुड़े रिश्ते ही सबसे मजबूत होते हैं। सचमुच, रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम और अपनत्व का एक अटूट बंधन है।

प्रज्ञा शर्मा

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रेंस एकेडमी, गोविंदगंज

रक्षाबंधन

राखी का त्योहार आया है,
खुशियों की सौगात लाया है।
भाई-बहन के पावन रिश्ते में,
प्रेम का रंग सजाया है।
बहना थाली सजाती है,
रोली-अक्षत संग लाती है।
भाई की कलाई पर राखी,
प्यार से जाकर बांधती है।
भाई देता प्यारा वचन,
रखूंगा बहना का हर क्षण।
सुख-दुख में साथ निभाऊँगा,
हर मुश्किल से उसे बचाऊँगा।
बचपन की वो मीठी बातें,
हँसी-खुशी और प्यारी यादें।
कभी लड़ाई, कभी मनाना,
फिर मिलकर खुशियाँ मनाना।
कभी छोटी-छोटी नोकझोंक,
कभी हँसी की प्यारी फुहार।
बचपन की उन यादों में,
छिपा है रिश्तों का संसार।
राखी केवल धागा नहीं,
यह प्रेम की भाषा है।
भाई-बहन के पावन रिश्ते की,
सबसे सुंदर परिभाषा है।

इस धागे में स्नेह बंधा है,
इसमें विश्वास समाया है।
भाई-बहन के अटूट प्रेम ने,
रिश्तों को और सजाया है।
आओ मिलकर आज मनाएँ,
प्रेम के दीप सभी जलाएँ।
भाई-बहन का स्नेह यूँ ही,
जीवनभर मुस्काता जाए।
रक्षाबंधन पर्व सुहाना,
भाई-बहन का रिश्ता पुराना।
प्यार, विश्वास और अपनापन,
यही है इस पर्व का नजराना।

मुकेश तिवारी

शिक्षक
हितकारिणी उ. मा. शाला,
गोरखपुर, जबलपुर

प्रेम, सुरक्षा और भारतीय संस्कृति की अनूठी पहचान रक्षाबंधन का त्योहार

भारतीय संस्कृति में भाई-बहन का रिश्ता बेहद पवित्र, भावनात्मक और आत्मिक माना जाता है। इस रिश्ते की गहराई और स्नेह को समर्पित है रक्षा बंधन का पर्व। यह पर्व न केवल पारिवारिक प्रेम का प्रतीक है, बल्कि भारतीय समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को पड़ने वाले इस पर्व के लिए बहनें सप्ताह भर पहले से ही तैयारियों में जुट जाती हैं। यदि भाई दूर रहता है तो उसे महीने भर पहले ही राखी भेज दी जाती है। भाइयों को भी रक्षाबंधन पर बहन के आने का या उसकी भेजी हुई राखी के आने का बेसब्री से इंतजार होता है। छोटे बच्चों को तो यह त्यौहार इसलिए भी पसंद होता है क्योंकि उन्हें अपने मनपसंद कार्टून कैरेक्टरों की राखी पहनने को मिलती है। रक्षाबंधन पर पूरा बाजार रंग बिरंगी राखियों से भर जाता है इसमें अधिकतर चीन में बनी राखियां होती हैं यह आकर्षक तो लगती हैं लेकिन जो भगवा अथवा लाल, पीले धागे की सुंदरता के आगे यह फीकी नजर आती हैं।

इस दिन बहनें अपने भाई के हाथ पर राखी बांधकर जहां उनकी उन्नति और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं वहीं भाई भी सदैव अपनी बहन की रक्षा की प्रतिज्ञा लेता है और उपहार स्वरूप बहन की मनपसंद वस्तु देकर उसे प्रसन्न करता है। इस दिन बहनों को चाहिए कि वह सुबह हनुमानजी और पितरों की पूजा करें और उनके ऊपर जल, रोली, मोली, चावल, फूल, प्रसाद, नारियल, राखी, दक्षिणा, धूपबत्ती, दीपक जलाकर पूजा करें यदि घर में ठाकुर जी का मंदिर हो तो उसकी पूजा भी करें।

इस दिन सुबह बहनें तैयार होकर पूजा की थाली सजाती हैं। इस थाली में राखी, रोली, हल्दी, चावल और मिठाई रखी जाती है। भाई की आरती उतारने के लिए थाली में दीपक भी रखा जाता है। इस पर्व के दिन बहनें व्रत भी रखती हैं और भाई को राखी बांधने के बाद ही कुछ खाती हैं। इस पर्व की एक और खासियत यह है कि यह धर्म, जाति और देश की सीमाओं से परे है। राखी के रूप में बहन द्वारा बांधा गया धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में समर्थ माना जाता है।

भाई-बहन के प्रेम का त्योहार

सावन की फुहारें आईं,
खुशियों की सौगातें लाई,
सज गई राखी की प्यारी थाली,
बहना लगती सबसे निराली।
रेशम की डोरी, प्यार अपार,
भाई-बहन का सुंदर संसार।
छोटे-छोटे मीठे झगड़े,
फिर भी दिल से कभी न बिछड़े।
बहना राखी लेकर आती है,
भाई के माथे तिलक लगाती है।
रोली, चावल और मिठाई,
साथ लिए खुशियाँ मुस्काई।
कलाई पर जब राखी सजती,
भाई की आँखों में
खुशियाँ बसतीं।
बहना करती मंगल की कामना,
भाई देता रक्षा का वचन अपना।
हर मुश्किल में साथ निभाऊँगा,
तेरे दुख को दूर भगाऊँगा।
तू हँसती रहे सदा मुस्काए,
कोई दुख तुझ तक न आए।
बचपन की मीठी यादें
गुड़िया, खिलौने और बरसातें,
बचपन की वो प्यारी बातें।
कभी रूठना, कभी मनाना,
कभी साथ बैठकर खाना।
कभी लड़ना छोटी-सी बात पर,
कभी हँसना सारी रात भर।
माँ की डाँट से दोनों डरते,
फिर भी एक-दूजे की
शरारतें करते।
समय बदलता, साल गुजरते,
बचपन के दिन पीछे छूटते।
पर रिश्ते की मिठास वही रहती,
दिल में बचपन की यादें रहतीं।
भाई चाहे दूर कहीं हो जाए,
बहना की याद उसे पास बुलाए।
राखी का धागा संदेश सुनाए,
प्रेम और विश्वास की डोर
बहना भाई की खुशियाँ चाहे,
भाई बहना की राह सजाए।
सच्चे प्रेम का यही तो सार,
हर जन्म रहे यह पावन प्यार।
न धन चाहिए, न कोई उपहार,
बस बना रहे स्नेह अपार।
एक-दूसरे का मान बढ़ाएँ,
हर मुश्किल में साथ निभाएँ।
राखी केवल धागा नहीं है,
यह रिश्तों की परिभाषा सही है।
इसमें छिपा है प्यार और विश्वास,
इसमें बसता रिश्तों का एहसास।

साक्षी यादव

शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. शाला,
गोरखपुर, जबलपुर।

भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का पर्व

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और भावनात्मक पर्व है। यह त्योहार भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन के सम्मान, सुरक्षा और खुशियों के लिए सदैव उसके साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है।

प्रेम और विश्वास की मजबूत डोर

रक्षाबंधन केवल राखी बांधने और मिठाई खिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रिश्तों की भावनात्मक मजबूती का संदेश देता है। राखी का छोटा-सा धागा भाई-बहन के बीच विश्वास, अपनत्व और स्नेह की मजबूत डोर का प्रतीक है। समय के साथ त्योहार मनाने के तरीके भले ही बदले हों, लेकिन इसके पीछे छिपी प्रेम और सम्मान की भावना आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

बदलते समय में रिश्ते का व्यापक अर्थ

आधुनिक समय में रक्षाबंधन का अर्थ और भी व्यापक हो गया है। आज भाई की जिम्मेदारी केवल बहन की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके सम्मान, स्वतंत्रता, शिक्षा और सपनों का समर्थन करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार बहन भी भाई के जीवन में विश्वास, सहयोग और प्रेरणा का महत्वपूर्ण आधार बनती है। दोनों एक-दूसरे की सफलता और खुशियों में सहभागी बनकर रिश्ते को और मजबूत करते हैं।

समानता और सम्मान का संदेश

रक्षाबंधन हमें यह भी सिखाता है कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को एक-दूसरे के सम्मान और सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार होना चाहिए। यदि हम बहनों और बेटियों को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षित वातावरण प्रदान करें, तो यही रक्षाबंधन की भावना का सच्चा सम्मान होगा।

किसी भी रिश्ते की मजबूती केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि समानता और जिम्मेदारी से होती है।

परंपरा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी

आज आवश्यकता है कि हम राखी के इस पवित्र धागे को केवल एक रस्म न मानें, बल्कि इसे प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी का संकल्प बनाएं। रक्षाबंधन का संदेश परिवार से निकलकर पूरे समाज तक पहुंचना चाहिए। महिलाओं की गरिमा, बच्चों की सुरक्षा और सभी के समान अधिकारों के प्रति जागरूकता ही इस पर्व को वास्तविक अर्थ प्रदान कर सकती है।

रिश्तों को जोड़ने वाला धागा

रक्षाबंधन हमें याद दिलाता है कि रिश्ते केवल खून के संबंधों से नहीं, बल्कि विश्वास, संवेदना और जिम्मेदारी से मजबूत होते हैं। राखी का धागा भले ही कलाई पर बंधता है, लेकिन उसका वास्तविक अर्थ दिलों को जोड़ने में है। यही इस पर्व की सबसे सुंदर विशेषता है।

निरंजन श्रीवास्तव

शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. शाला, देवताल,
गढ़ा, जबलपुर।

शिकार की तलाश में घर में घुसा तेंदुआ

वन विभाग ने पिंजरा लगाकर किया रेस्क्यू, उपचार बाद जंगल में छोड़ा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

वन विकास निगम लामता परियोजना के अंतर्गत ग्राम मोहगांव पंचायत के बकवाड़ा गांव स्थित मडकाटोला में 27 अगस्त की अलसुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक तेंदुआ बकरी का शिकार करने के लिए किसान के घर में घुस गया। तेंदुए के घर में घुसने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण ने सूझबूझ का परिचय देते हुए घर का दरवाजा बाहर से बंद कर उसे अंदर ही कैद कर दिया। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। करीब आठ घंटे तक तेंदुआ घर के अंदर रहा, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, मडकाटोला निवासी किसान तेजलाल मरकाम के घर में गुरुवार सुबह करीब 4 बजे तेंदुआ बकरियों का शिकार करने की नीयत से घुस आया। बकरियों की आवाज सुनकर तेजलाल की नींद खुली तो उसने घर में तेंदुए को देखा। स्थिति को समझते हुए उसने तत्काल घर का दरवाजा बंद कर दिया, जिससे तेंदुआ बाहर नहीं निकल सका। इसके बाद उसने घटना की सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सुबह करीब 5:30 बजे घटना की सूचना वन विकास निगम लामता के परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे को मिली। उन्होंने तत्काल अपने उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। जिसके बाद वन अमला मौके के लिए रवाना हुआ। सुबह होते-होते घर में तेंदुआ होने की खबर आसपास के गांवों में फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। भीड़ को देखते हुए वन विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक इंतजाम किए। घटना की सूचना मिलने पर उत्तर सामान्य वन मंडल के वन अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा चंगोटोला और लामता पुलिस का अमला भी घटनास्थल पर पहुंच गया। चूंकि घर के अंदर वन्यप्राणी तेंदुआ बंद था, इसलिए रेस्क्यू अभियान को पूरी सावधानी के साथ संचालित किया गया। वन विभाग द्वारा रेस्क्यू से पहले कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से डॉक्टर को भी मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों और वन अमले की मौजूदगी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। टीम ने काफी सावधानी से तेंदुए को सुरक्षित तरीके से काबू में लिया। रेस्क्यू के बाद डॉक्टर ने तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें उसे स्वस्थ पाया गया।

वन विभाग के अनुसार रेस्क्यू किया गया। तेंदुआ करीब डेढ़ से दो वर्ष की उम्र का बताया गया है। वह संभवतः भोजन की तलाश में बकरी का शिकार करने के लिए आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचा और किसान के घर में घुस गया था। रेस्क्यू के बाद तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया गया रेस्क्यू अभियान के दौरान परियोजना अधिकारी राजेंद्र जरगे, सहायक परियोजना अधिकारी सतीश कुमारे, जितेंद्र बांगरे, वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

इनका कहना हैं

सुबह करीब 5:30 बजे सूचना मिली थी कि मडकाटोला में एक ग्रामीण के घर में तेंदुआ घुस गया है। तत्काल वरिष्ठ संभागीय प्रबंधक सुंदर निवेदन एम. को जानकारी देकर उनके मार्गदर्शन में वन अमला मौके पर पहुंचा। क्षेत्रीय वन विभाग की टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में रेस्क्यू अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि तेंदुआ करीब डेढ़ से दो वर्ष का है और स्वास्थ्य परीक्षण में पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेस्क्यू के बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है। प्रथम दृष्टया लगता हैं कि तेंदुआ बकरी का शिकार के लिए घर में घुसा होंगा, तभी ग्रामीण ने दरवाजा बंद कर दिया और वह घर के अंदर बंद हो गया।

राजेंद्र जरगे
परियोजना अधिकारी लामता

रक्षाबंधन को लेकर कटंगी बाजार में रौनक

कटंगी(स्वतंत्र मत)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक के पर्व रक्षाबंधन को लेकर कटंगी शहर में उत्साह चरम पर है। त्योहार के एक दिन पहले यानी गुरूवार 27 अगस्त को बाजार पूरी तरह से गुलजार दिखाई दिया। 28 अगस्त को रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाएगा। नगर के गांधी चौक, बस स्टेण्ड, सिनेमा चौक सहित अन्य स्थानों पर लगी दुकानों में रंग-बिरंगी राखियों की भरमार देखने को मिल रही है। इस वर्ष बाजार में 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक की राखियां उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखी, लाइट वाली राखी, भाइयों के लिए रुद्राक्ष, चंदन और स्टोन वर्क वाली राखी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार महंगाई का भी असर बाजार में देखने को मिल रहा है बावजूद इसके बहनें अपने भाइयों के लिए दिल खोलकर खरीदारी कर रही हैं। राखी के साथ-साथ मिठाई की दुकानों पर भी भीड़ है। कपड़ा व्यापारियों के यहां भी बहनों के लिए सूट, साड़ी और गिफ्ट आइटम की खरीदी जोरों पर है। रक्षाबंधन पर बहनें अपने मायके और ससुराल जाने के लिए सफर करती हैं, जिसके चलते सार्वजनिक परिवहन में भारी भीड़ देखी जा रही है। कटंगी से बालाघाट, सिवनी, जबलपुर और नागपुर जाने वाली बसों में यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है। बस स्टैंड पर सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं। कई बसें ओवरलोड होकर चल रही हैं। वहीं रेलवे स्टेशन पर भी यही हाल है। हिंदू पंचांग के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र यानी राखी बांधती है और उसकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन को जीवन भर उसकी रक्षा करने का वचन देता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सबसे पहले मां लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी थी। वहीं महाभारत काल में द्रौपदी ने भगवान श्रीकृष्ण को राखी बांधी थी, जिसके बाद श्रीकृष्ण ने चीरहरण के समय उनकी रक्षा की थी।

रात का सन्नाटा और मंदिरो में चोरी की वारदाते

24 घंटे में पुलिस ने किया चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। थाना भरवेली पुलिस ने मंदिरों में हुई चोरी की दो घटनाओं का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 6 हजार रुपये नगद, चांदी की चैन, चांदी का सिक्का और चांदी का मुकुट सहित करीब 40 हजार रुपये का चोरी गया मशरुका बरामद किया है। इसके अलावा चोरी की वारदात में इस्तेमाल की गई करीब 15 हजार रुपये कीमत की रेंजर साइकिल भी पुलिस ने जब्त की है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार पहली घटना पुरानी बस्ती भरवेली स्थित पुराने हनुमान मंदिर की है। जहां फरियादी ज्ञानी लिल्हारे ने पुलिस को बताया कि 25 अगस्त की शाम मंदिर में भजन-कीर्तन, आरती और पूजा-पाठ के बाद रात करीब 8.30 बजे मंदिर में ताला लगाकर सभी लोग अपने घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 7 बजे जब वह पूजा करने मंदिर पहुंचे तो मंदिर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। गर्भगृह का दरवाजा टूटा हुआ था और हनुमान जी की प्रतिमा के सिर पर लगा चांदी का मुकुट गायब था। मंदिर में रखी तीनों दानपेटियों के ताले भी टूटे मिले। पुलिस के मुताबिक अज्ञात आरोपी दानपेटियों में रखी करीब 10 हजार रुपये की दान-दक्षिणा और करीब 20 हजार रुपये कीमत का चांदी का मुकुट चोरी कर ले गया था। इस मामले में अपराध क्रमांक 249/2026 के तहत धारा 305(f), 331(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया गया। वही दूसरी घटना ग्राम बघोली स्थित साईं मंदिर की है। जहां फरियादी विवेक पाण्डे ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 अगस्त की रात करीब 9 बजे पूजा-अर्चना के बाद मंदिर में ताला लगाकर वे घर चले गए थे। 26 अगस्त की सुबह ग्राम बघोली निवासी पप्पू बाहेश्वर ने मोबाइल पर सूचना दी कि मंदिर की खिड़की की ग्रील टूटी हुई है और दानपेटी का ताला भी टूटा है। मौके पर पहुंचने पर मंदिर की खिड़की की ग्रील टूटी मिली। जांच में सामने आया कि अज्ञात आरोपी दानपेटी से करीब 1,500 रुपये नगद, एक छोटी चांदी की चैन और एक चांदी का सिक्का चोरी कर ले गया। इस मामले में अपराध क्रमांक 250/2026 के तहत धारा 305(f), 331(4) बीएनएस में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

प्रज्ञादीप बौद्ध विहार कटंगी में धम्मदेशना हुई संपन्न

भंते विनय रखित्ता जी ने दिया करुणा-मैत्री का संदेश

कटंगी(स्वतंत्र मत)

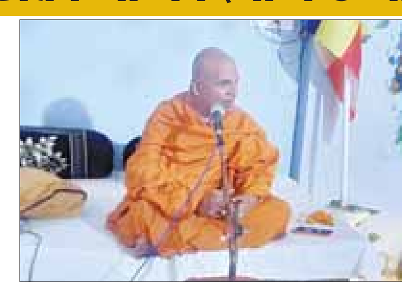

वर्षावास के पावन अवसर पर प्रज्ञादीप बौद्ध विहार, बुद्ध भूमि कटंगी में धम्मदेशना और धम्म जागरण का मंगलमय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम पूज्य भंते विनय रखित्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाओं ने उपस्थित होकर धम्म श्रवण का पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तथागत गौतम बुद्ध के करुणा, मैत्री, प्रज्ञा, समानता और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना और समाज को बुद्ध धम्म से जोड़ना रहा। पूरे दिन बौद्ध विहार परिसर बुद्ध वंदना और धम्म की मंगल ध्वनि से गूंजता रहा। धम्मदेशना के दौरान पूज्य भंते विनय रखित्ता ने कहा कि बुद्ध का धम्म केवल सुनने का विषय नहीं है, बल्कि उसे अपने आचरण और दैनिक जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तथागत बुद्ध ने मनुष्य को अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और भेदभाव से ऊपर उठकर प्रज्ञा, शील और करुणा के साथ जीवन जीने का मार्ग दिखाया। भंते ने कहा कि आज समाज में अशांति और द्वेष का कारण मन का विकार है। यदि मन शांत और करुणामय होगा तो समाज में भी शांति स्थापित होगी। जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना विवेक और धैर्य से करना चाहिए। दूसरों के प्रति मैत्रीपूर्ण व्यवहार, मानव समानता का सम्मान और सदाचारी जीवन ही सच्चे धम्म का आचरण है। इस अवसर पर आगामी 21वें अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक पाठ समारोह, बोधगया के संबंध में भी जानकारी दी गई। भंते ने बताया कि त्रिपिटक में संरक्षित भगवान बुद्ध की मूल शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित उपासक-उपासिकाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं तो धम्म से जुड़ें ही, साथ ही अपने परिवार, बच्चों और युवाओं को भी बुद्ध की शिक्षाओं से परिचित कराएं। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति बुद्ध के विचारों को नहीं समझेगा, तब तक धम्म की ज्योति व्यापक रूप से प्रकाशित नहीं हो सकती। कार्यक्रम में आए उपासक-उपासिकाओं में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में सचिन मेश्राम, प्रशांत मेश्राम, आरती प्रशांत हुमनेकर, रत्नमा प्रदीप वारके, नीलिमा कुलदीप मेश्राम, चेतना राहुल मासुलकर, मंजु प्रभु मंडाले, निरूपमा राकेश वारके, प्रीति संदीप हुमनेकर, पंचशीला प्रदीप वारके, मीना विनय डोंगरे, कविता अहिंगारे, श्रद्धा नोनाहरकर सहित बड़ी संख्या में धम्म अनुयायी उपस्थित रहे। सभी ने शांतिपूर्वक धम्म श्रवण किया और तथागत के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक जागृति और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बना। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मैत्री, करुणा, प्रज्ञा और समानता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए बुद्ध के संदेश को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

शासकीय महाविद्यालयों की दुर्दशा पर अभाविप का प्रदेशव्यापी विद्यार्थी हुंकार अभियान

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा गुरुवार 27 अगस्त को विद्यार्थी हुंकार अभियान के अंतर्गत प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अभाविप के कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और शासकीय महाविद्यालयों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। उसी क्रम में जिले में भी सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा । अभाविप ने कहा कि प्रदेश के अनेक शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थी स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, व्यवस्थित कक्षाओं, पर्याप्त फर्नीचर, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं, छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाओं, इंटरनेट, पार्किंग, सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए इन समस्याओं का तत्काल समाधान आवश्यक है। अभाविप ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि सरकार प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का तत्काल सर्वे कराते हुए ठोस आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे एवं उन व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए तथा जिन कार्यों के लिए बजट की आवश्यकता है, उनके लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक बजट उपलब्ध कराया जाए।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का हल्ला बोल

गांधी चौक में धरना प्रदर्शन और रैली कर जताया विरोध

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन में जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजी. विजय कोल के कुशल मार्गदर्शन एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष मिथलेश राय के नेतृत्व में गुरुवार 27 अगस्त को सुबह 11 बजे से नगर के गांधी चौक में बढ़ती महंगाई के विरोध में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए आम जनता पर बढ़ते महंगाई के बोझ के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथलेश राय ने एक किलो शक्कर लेकर प्रतीकात्मक रूप से उसमें से केवल एक चुटकी शक्कर निकालकर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आम आदमी की थाली से मिठास गायब होती जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि शक्कर सहित दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों से आम नागरिकों का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। वहीं पेट्रोल में इथेनॉल डाल कर वाहनों को होने वाले नुकसान एवं एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर अब आम जन पर हो रहा है जिसमें किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब परिवार बढ़ती महंगाई में पिस रहा है। वही प्याज भी 60 रुपये किलो हो गई है जो आम जन के लिये चारो ओर से मुसीबत खड़ी कर रही है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथलेश राय ने कहा कि सरकार को महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी और जनता की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी।

तीन उचित मूल्य दुकानें तत्काल प्रभाव से निलंबित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। साप्ताह जनसुनवाई में महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित तामन्नारा द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों से विगत तीन माह से हितग्राहियों को राशन वितरण नहीं किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए थे। निर्देशों के पालन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बांधवगढ़ सुजीत परस्ते द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान कोहका-47, माली एवं धवईझर की विस्तृत जांच की गई। जांच में पाया गया कि मई, जून एवं जुलाई 2026 में पीओएस मशीन में हितग्राहियों के अंगूठे लगवाकर गेहूं, चावल एवं नमक का वितरण दर्शाया गया, जबकि भौतिक रूप से हितग्राहियों को खाद्यान्न सामग्री प्राप्त नहीं हुई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ द्वारा महिला बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित तामन्नारा द्वारा संचालित तीनों शासकीय उचित मूल्य दुकानों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित दुकानों में कोहका-47 (दुकान कोड 4501040), माली (4501045) एवं धवईझर (4501110) शामिल हैं। कोहका-47 दुकान को समीपस्थ बी-पैक्स आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित डोंगरगवां तथा माली एवं धवईझर दुकानों को बी-पैक्स आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बड़खेरा से आगामी आदेश तक संलग्न किया गया है। संबंधित विक्रेताओं एवं समिति प्रबंधक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई प्रचलित है। साथ ही संबंधित हितग्राहियों को राशन सामग्री का नियमित वितरण सुनिश्चित कराने की व्यवस्था की जा रही है।

मिलावट पर प्रशासन हुआ सख्त..!

एसडीएम,तहसीलदार और खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा दर्जनों दुकानों में कार्यवाही से मचा हड़कंप

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए जिले में संचालित मिष्ठान दुकानों का औचक निरीक्षण करते हुए खाद्य पदार्थो की जांच करनें के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बांधवगढ़ दिलीप कुमार सोनी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा की टीम के साथ गुरुवार 27 अगस्त को क्षेत्र के विभिन्न होटल एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तहसीलदार बांधवगढ ने राजा कैंटीन उमरिया का निरीक्षण किया तथा कैंटीन में साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखनें के निर्देश दिए। इसके साथ ही पांच नग घरेलू सिलेंडर , भटटी के साथ जप्त किए गए। कैंटीन से खोवे से बनी मिठाई के सेंपल लिए गए। इसी तरह घंघरी स्थित काशी विश्वनाथ होटल का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान तहसीलदार बांधवगढ व्दारा दुकान का लाइसेंस बनवानें के निर्देश दिए गए । होटल में गंदगी पाये जाने पर साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखनें की हिदायत दी गई। संजू होटल के निरीक्षण के दौरान दुकान संचालक को एक्सपायरी डेट की सामग्री नही बेचने, जिस स्थान पर खाद्य सामग्री बन रही है, उसे तीनो तरफ से ढंककर रखने, सूखे एवं गीले कचरे के निपटान के लिए पृथक पृथक नीले एवं हरे डस्टबीन को रखनें के निर्देश दिए,इसी प्रकार तहसीलदार बांधवगढ ने श्रेयांश किराना स्टोर घंघरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान से सोनपापड़ी, ब्रेड एवं कोल्डड्रिंक एक्सपायरी डेट की पाई गई ,जिसे नष्ट करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह यादव होटल घंघरी का निरीक्षण करते हुए एक सप्ताह में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। गांधी चौक उमरिया में ज्ञान चंद गुप्ता व्दारा संचालित खोवे की दुकान का निरीक्षण किया। मनमौजी स्वीटस की दुकान के निरीक्षण के दौरान उन्होने कर्मचारियों का हेल्थ चेकअप कराने, ग्लब्स पहनकर मिठाईयां बनाने, साफ सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखनें के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा सहित उनकी टीम उपस्थित रही। इसी तरह तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बांधवगढ़ दिलीप कुमार सोनी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा सहित राजस्व अमले की संयुक्त टीम ने गत दिवस होटल शिवालय, गांधी चौक का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए तथा गोडाउन का पंचनामा तैयार कर उसे सील किया। इसके बाद राजा स्वीट्स, संजय मार्केट का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए एवं साफ-सफाई व स्वच्छता बनाए रखने के आवश्यक निर्देश दिए गए। त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानदारों एवं आमजन को खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता की जांच करने तथा उपयुक्त पाए जाने पर ही सामग्री खरीदने के लिए जागरूक किया। इसी तरह अजय जलपान एवं मिष्ठान ग्रह एवं बीकानेर मिष्ठान भंडार चंदिया में भ्रमण कर निरीक्षण एवं नमूना कारवाई की गई साथ ही दुकानदारों एवं उपस्थित जनसमुदाय को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा त्योहारों को देखते हुए दुकानों में खाद्य पदार्थ को प्राथमिक रूप से सुंग कर देख कर एवं चखकर उपयुक्त पाए जाने पर खरीदी करने के लिए जागरूक किया गया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा द्वारा आमजन से यह अपील की गई है कि यदि ऐसी कोई परिस्थितियों में मिलावट यह एक्सपायरी या खराब खाद्य सामग्री आपके संज्ञान में आती है तो खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग धावड़ा कॉलोनी उमरिया में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में बोले जि.पं. अध्यक्ष
अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाना सरकार का लक्ष्य

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विकासखंड बीजाडांडी में गुरुवार को शिविर आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत बीजाडांडी के मंगल भवन में आयोजित इस शिविर को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि सरकार ने लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके बीच पहुंचकर किस प्रकार किया जाए इसी सोच के साथ यह अभियान प्रारंभ किया है। सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे। अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाना हमारा लक्ष्य है और शासन-प्रशासन लगातार इस दिशा में कार्य कर रहा है। योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ उनकी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी भी हमारी है इसी मंशा के साथ खंड स्तर पर शिविरों के माध्यम से शासन-प्रशासन आपके बीच पहुंच रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार लगातार प्रदेशवासियों के हित में नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें धरातल पर उतार रही है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत विकासखंड बीजाडाण्डी में गुरुवार को आयोजित शिविर से पूर्व सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने विकासखंड

क्षेत्र का सघन भ्रमण किया। यहां उन्होंने स्वास्थ्य शिक्षा खाद्यान्न वितरण और आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण की शुरुआत धनवाही में निर्माणाधीन आईटीआई भवन से हुई। सीईओ श्री मीना ने निर्देश दिए कि कैंपस में बन रहे आईटीआई भवन के साथ-साथ बालिका बालक छात्रावास और आवास भवनों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। भवन में मुख्य द्वार की ओर से एप्रोच रोड का निर्माण करें। ईई पीआईयू पारस सिंह ने बताया कि सभी बिल्डिंग दिसंबर 2026 तक पूर्ण की जानी हैं। प्राचार्य श्रीमती मनीषा भूरिया ने बताया कि भवन पूर्ण होने पर अगले सत्र से 6 ट्रेड्स में प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। ग्राम धनवाही की उचित मूल्य दुकान पर सीईओ ने राशन की उपलब्धता और वितरण की जानकारी ली।

विधायक ने योजनाओं पर की चर्चा

कार्यक्रम में निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े ने कहा कि शिविर में शासन के अलग-अलग विभागों की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिले में कृषकों को परंपरागत फसलों के साथ-साथ नकदी फसलों की खेती से जोडऩे का नवाचार प्रारंभ किया गया है। पांच प्रकार की नई फसलों से किसानों को जोडऩे से वैकल्पिक कृषि से आय का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने काली तुलसी, अश्वगंधा, चिया सीड, मशरूम और मुनगा की खेती से जुडक़र अतिरिक्त आय प्राप्त करने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि ये योजनाएं तभी फलीभूत होंगी जब कृषक स्वेच्छा से इनसे जुड़ेंगे थोपने वाली गतिविधियों में सफलता नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को उनकी पात्रता के अनुसार खाद्यान्न समय पर मिलना चाहिए। खाद्यान्न वितरण को लेकर शिकायतें आती हैं। विकासखंड में बहुत से विद्यालय भवन जर्जर हैं इनके स्थान पर नवीन भवन का निर्माण अथवा मरम्मत कराई जानी चाहिए। आजीविका मिशन की बहनों के लिए उदयपुर में हमने विधायक निधि से शेड निर्माण के लिए राशि दी है। विकासखंड में ऐसे बहुत से महिला ग्राम संगठन हैं उनके लिए भी वर्किंग शेड बनने से बहनों को लाभ होगा।

विभागीय समीक्षा के बाद जनसंवाद

शिविर में जनसंवाद के साथ-साथ क्षेत्र के उद्यमियों और व्यापारियों से भी चर्चा की गई। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कृषि उद्यानिकी एनआरएलएम स्वास्थ्य, वित्त श्रम जनजातीय कार्य पशुपालन सहित अन्य विभागीय जिला अधिकारियों ने योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उद्यम क्रांति योजना किसान क्रेडिट कार्ड फार्मर आईडी ई-टोकन उर्वरक उपलब्धता घर तक उर्वरक पहुंचाना, मुद्रा योजना, संबल योजना, श्रमयोगी मानधन योजना अनुग्रह सहायता डेयरी प्लस योजना, आचार्य विद्यासागर योजना बकरी पालन सूकर पालन, कुक्कुट पालन, अश्वगंधा, चिया सीड, मशरूम काली तुलसी तथा मुनगा की खेती के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। समापन अवसर पर विभिन्न योजनाओं के हितलाभ मंचासीन अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। आम नागरिकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समुचित निराकरण के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन पर समीक्षा

जनसंवाद शिविर से पूर्व कलेक्टर ने विभागीय समीक्षा बैठक ली। पंचायतवार और योजनावार समीक्षा कर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। पीडीएस दुकानों आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। सभी पटवारियों को नामांतरण, बंटवारा सीमांकन अभिलेख दुरुस्ती और फार्मर आईडी बनाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। जिला स्तरीय समाधान ऑनलाइन में चयनित 10 शिकायतों की सघन समीक्षा भी की गई। शिविर में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, वनमंडलाधिकारीएम.एस. मौर्य, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम निवास सी.एल. वर्मा सहित सभी जिलाधिकारी व खंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

साइबर सुरक्षा पर चर्चा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। वित्तीय साक्षरता केंद्र मंडला के अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी ने विकासखंड मोहगांव के ग्राम चाबी में आयोजित स्व-सहायता समूह की बैठक में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने समूह की महिलाओं को विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा चाबी के शाखा प्रबंधक शशांक कुड़ापे, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के फैकल्टी आशीष अग्रवाल तथा आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक राजकुमार यादव उपस्थित रहे।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्र मत)। तहसील एवं जिला मंडला के ग्राम हिरदेनगर निवासी मोहित सरौते की सर्पदंश से हुई मृत्यु के प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मंडला द्वारा उनके निकटतम वारसान को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहित सरौते की मृत्यु 1 जुलाई 2026 को ग्राम हिरदेनगर में सर्पदंश के कारण हुई थी।

गोंझीरैयत में पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत गोंझीरैयत में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गोंझीरैयत एवं नवांकुर संस्था के संयुक्त तत्वाधान में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन अभियान परिषद के सलाहकार शिवनारायण पटेल रहे। इस दौरान सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

किसान समस्या पर बैठक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। ग्राम करिया गांव में किसानों की समस्या पराली जलाने को लेकर उपज का समर्थन कम खाद बीज एवं राष्ट्रीय जनगणना में पिछड़ा वर्ग का कॉलम ना होने के विरोध में बैठक संपन्न हुई जिसमें 2 सितंबर से आंदोलन की रुपरेखा तैयार की गई उक्त बैठक में अंजनिया झिगराघाट नारा हिरदेनगर धुतका मरारटोला से जागरूक लोगो ने अपने-अपने विचार रखे।

बम्हनी-बंजर में ट्रैफिक जाम

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्र मत)। रक्षाबंधन के त्योहार के चलते गुरुवार को नगर बम्हनी-बंजर में दोपहर करीब 2 बजे से अचानक यातायात का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब 15 से 20 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा। मुख्य मार्ग पर बड़े वाहनों के साथ फोर व्हीलर और दोपहिया वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आई। सड़क पर वाहनों की बेतरतीब आवाजाही के कारण लोगों को जाम से निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नपा का जन संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 4 एवं 5 के नागरिकों के लिए गाड़ीखाना सामुदायिक भवन में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े, नोडल अधिकारी प्रवीण ठाकुर सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जीते पदक

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जबलपुर में 21 से 23 अगस्त तक आयोजित 62वीं मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 52 जिलों के खिलाड़ियों ने विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लिया। जिले से कुल 12 खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 6 पदक अर्जित किए। जिला एथलेटिक्स संघ के कार्यकारिणी सचिव देवेन्द्र सरोते ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मंडला के खिलाड़ियों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी प्रतिभा परिश्रम और खेल कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने दौड़ कूद और थ्रो सहित विभिन्न स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अंजली ने 5000 मीटर दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं भजन कुर्राम ने हाई जंप स्पर्धा में रजत पदक

जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। थ्रो स्पर्धाओं में ईरम मंसूरी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शॉट पुट और डिस्कस थ्रो, दोनों में रजत पदक हासिल किए। हिमांशु नंदा ने शॉट पुट में कांस्य पदक प्राप्त किया जबकि देवांश परस्ते ने 80 मीटर हर्डल रेस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इस प्रकार मंडला के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव डॉ. रमेश शुक्ला, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. आकाश खत्री, सोना दुबे, पंकज उसराठे, त्रिलोक डोंगरे, संतु खण्डाते, देवेन्द्र सरोते, लोकश्याम मरावी, संदीप बर्मन, यश गौर, कमलेश भांवरें और आशीष देशाही सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने सभी पदक विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी।

मनाया गया भीमानवा का पर्व

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)। मवई विकासखंड के नयेगांव में आदिवासी परंपरा का अनोखा पर्व भीमा नवा पूरे उत्साह और प्राकृतिक विधि-विधान के साथ मनाया गया। ग्रामीण समाजसेवी एवं गोंडवाना गीतकार धन सिंह परते के परिवार सहित पूरे गांव के लोगों ने पुरखों से चली आ रही इस परंपरा को जीवंत रखा जिले की आदिवासी संस्कृति में भीमा नवा का विशेष महत्व है। यह पर्व किसी निश्चित कैलेंडर तिथि के अनुसार नहीं बल्कि गांव के बुजुर्गों की बैठक में तय किया जाता है। ग्रामीण खेत और अन्य काम छोड़कर परिवार के साथ समय बिताते हैं तथा एक-दूसरे के घर जाकर मेल-मुलाकात करते हैं हर घर में पारंपरिक पकवान बनाए जाते हैं उड़द दाल के कुरकुरे बड़े, चावल के आटे और गुड़-शक्कर से तैयार चीला-उल्टा गेहूं के आटे में गुड़-शक्कर मिलाकर बनाए जाने वाले बबरा और गुलगुले इस पर्व की खास पहचान हैं।

प्रखर का अमेजन प्रबंधक पद में चयन

मण्डला(स्वतंत्र मत)। क्षेत्र के लिए गौरव की बात सामने आई है। प्रखर का प्रतिष्ठित कंपनी अमेजन में संचालन प्रबंधक (स्तर-6) के पद के लिए चयन हुआ है। परिजनों के अनुसार भारत से इस पद के लिए केवल प्रखर का ही अंतिम चयन हुआ है। प्रखर वर्तमान में व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमबीए) की पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी पदस्थापना देश के किस शहर या स्थान पर होगी इसका निर्णय शीघ्र होगा। प्रखर के चयन की खबर सामने आने के बाद परिवार मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। परिजनों ने इस उपलब्धि का श्रेय सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं को दिया है। प्रखर की इस उपलब्धि पर लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य कामना की है। बता दें नौगांव में जन्मे प्रखर चतुर्वेदी पाऊ महाराज के पोते और इंजी. प्रवीण चतुर्वेदी व समाजसेवी श्रद्धा चतुर्वेदी के पुत्र है जिन्होंने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस में एमबीए में प्रवेश पाया है। यह विश्वविद्यालय एमबीए फाइनेंस प्रोग्राम में विश्व में 5वें स्थान पर है। उनकी बहन प्रकृति चतुर्वेदी भारतीय स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) से एमबीए पूरी कर चुकी हैं। प्रखर की इस उपलब्धि ने क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल बना दिया है।

एसडीएम ने किया निरीक्षण दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्र मत)

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शैलेन्द्र चौधरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बंजर माध्यमिक शाला ग्वारा एवं ग्वारा हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार अजय श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने दवा वितरण के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन रिकॉर्ड का विधिवत संधारण करने के निर्देश दिए। भंडार कक्ष के निरीक्षण के दौरान निकटतम एक्सपायरी वाली दवाओं को अलग रखने तथा रिक्त पदों की पूर्ति के लिए वरिष्ठ कार्यालय को मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बंजर के निरीक्षण के दौरान विकासखंड

चिकित्सा अधिकारी लक्ष्मण उइके मौजूद रहे। निरीक्षण में विद्यालय की साफ-सफाई एवं शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी ली गई। छात्रों की उपस्थिति में सुधार के निर्देश देते हुए लंबे समय से अनुपस्थित विद्यार्थियों के संबंध में नियमित फॉलोअप करने को कहा गया। साथ ही छात्रों के साथ मध्यान्ह भोजन में शामिल होकर भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई तथा गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन वितरण के निर्देश दिए गए। माध्यमिक शाला ग्वारा के निरीक्षण के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य सोमदत्त शुक्ला उपस्थित रहे। इसके बाद एसडीएम मंडला ने ग्वारा हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। उन्होंने हवाई पट्टी से संबंधित सामान्य जानकारी एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जवानों को बांधी राखी,उतारी आरती

मण्डला(स्वतंत्र मत)

आदर्श चौरसिया महिला मंच के द्वारा 148 वीं बटालियन सीआरपीएफ के जवानों को बटालियन मुख्यालय में रक्षाबंधन पर्व मनाया। सुरक्षा बलों के सदस्यों के प्रति आत्मिक सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करते हुए महिलाओं ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए हमारे जवान भाई अपने परिवार से दूर रहते हैं ताकि हम अपने परिवार के साथ त्यौहार मना सके। सीआरपीएफ के वीर जवानों ने बहुत ही आत्मीयता से बहनों का स्वागत किया तत्पश्चात द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव को राखी मंगल तिलक लगाकर राखी बांधी गई। उपस्थित सभी जवानों को आदर्श मंच से पहुंची महिलाओं द्वारा राखी बांधी गई प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया ने कहा कि ये हमारे लिए बहुत ही गौरान्वित पल है आपके समर्पण को हम बहनों का नमन है। राष्ट्रीय मंत्री अंजना चौरसिया, अध्यक्ष रिंकू चौरसिया, प्रदेश मंत्री संजू चौरसिया ने कहा कि हम दिल

से आपके लिए ईश्वर से प्रार्थना करते है। भावना चौरसिया ने खुशी जाहिर करते हुए कहा मेरे भाई नहीं पर मेरे इतने सारे भाई बन गए। वर्षा चौरसिया, राखी चौरसिया, पूजा चौरसिया,मोनिका चौरसिया, किरण मोदी, ज्योत्सना चौरसिया,शिवानी चौरसिया,अनुशी ने भी राखी बांधकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। रेवा फाउंडेशन की बबीता चौकसे भी उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव, डिप्टी कमांडेंट मनोरंजन कुमार, उप कमांडेंट मनोरमा सिंह तथा सूबेदार मेजर लाल बहादुर थापा एवं अधीनस्थ सभी अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम : मंत्री

मण्डला(स्वतंत्र मत)

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन सुना और उपस्थित खिलाड़ियों व युवाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं हैं बल्कि ये अनुशासन नेतृत्व आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में खेलों को लेकर एक नई सोच का निर्माण हुआ है जिसने ग्रामीण व

शहरी युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का नया अवसर मंच और अटूट विश्वास दिया है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने भी उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए जीवन में खेलों के महत्व और केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया। कार्यक्रम में खेल जगत से जुड़े तीन खिलाड़ी भी युवा प्रतिनिधि के रूप मां उपस्थित रहे। इनमें अंतर्राष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी तुषार चौधरी, राष्ट्रीय स्तर के खो-खो खिलाड़ी रघुवेंद्र सैय्याम और तनु यादव शामिल रहे। खिलाड़ियों ने युवाओं के बीच अपनी उपस्थिति से खेल और युवा शक्ति के प्रति प्रेरणा का संदेश दिया।

इनर व्हील की चेयरमैन पहुंची मंडला

मण्डला(स्वतंत्र मत)। इनर व्हील क्लब में डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन डीसी मंजूषा वैषम पायन के विशेष विजिट के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान इनर व्हील क्लब द्वारा एकीकृत शाला में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई डेस्क-बेंच वाली कक्षा का उद्घाटन डीसी मंजूषा वैषम पायन के हाथों कराया गया।

ग्राम वासियों ने नशामुक्त ग्राम रखने लिया निर्णय

शराब ठेकेदार और आबकारी अधिकारियों की मिली भगत से जगह-जगह विक्रय हो रही शराब

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

विकास खंड नैनपुर की ग्राम पंचायत रेवाड़ा में नशा मुक्ति को लेकर सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों युवाओं महिलाओं की सहभागिता रही। समस्त ग्राम वासियों ने एक मतेन ग्राम में किसी भी प्रकार का नशा जैसे गांजा , शराब , सट्टा, जुआं आदि नशा के क्रय विक्रय व उपयोग को पूर्णतया बंद करने का निर्णय लिया। निर्णय अनुसार पालन न करने बालो पर आर्थिक दण्ड का प्रावधान के साथ सामाजिक बहिष्कार करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा चुनाव के दोरान शराब बांटने को लेकर भी आवाज उठाई गई जिसमें सामूहिक रूप से अर्थदंड एवं उम्मीदवार को चुनाव में अपना मत न देकर बहिष्कार करते बाहर का रास्ता दिखाने का निर्णय लेना

सुनिश्चित किया गया। आबकारी अधिकारियों के संरक्षण में शराब ठेकेदार के गुर्गों द्वारा हर एक गांव देहात नगर के वार्डो में एक नहीं अनेक स्थानों में अवैध शराब पहुंचाकर विक्रय कराया जा रहा है जिससे गांव देहात सहित नगर में शरावियो की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। इस कार्य मे आबकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली उजागर हो रही है।

संपादकीय

ट्रंप का रणनीतिक खेल

यह महज एक सवाल या चौंकाऊ खबर नहीं है कि अमरीका ईरान पर परमाणु हमला करेगा या नहीं! मानवीय और युद्धों के इतिहास में सिर्फ एक ही परमाणु हमला दर्ज है, जब अमरीका ने 6 और 9 अगस्त 1945 को जापान के दो शहरों-हिरोशिमा और नागासाकी पर एटम बम गिराए थे और शहरों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। क्रमश: करीब 1,40,000 और करीब 74,000 लोग मारे गए थे। महीनों और सालों बाद भी विकिरण के भयानक प्रभाव सामने आते रहे और बीमारियों से मरने वालों की संख्या अनगिनत है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के उस दौर में सिर्फ अमरीका ही परमाणु सम्पन्न देश था। सोवियत संघ ने 29 अगस्त, 1949 को सफल परमाणु परीक्षण किया और ब्रिटेन ने 1951 में परमाणु परीक्षण किया, लिहाजा अमरीका के लिए कोई तात्कालिक विध्वंसकारी चुनौती नहीं थी। आज स्थितियां और समीकरण बिल्कुल भिन्न हैं। आज रूस के पास सर्वाधिक परमाणु हथियार हैं। चीन के पास भी करीब 620 परमाणु हथियार बताए जाते हैं और वह रूस, अमरीका के बाद तीसरा सबसे बड़ा शस्त्रागार है। यहां रूस और चीन का उल्लेख इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि दोनों देश ईरान के 'अभिन्न मित्र' हैं और युद्ध के दौरान हथियारों, मिसाइलों, ड्रोन, वायु रक्षा प्रणालियां, सेटेलाइट रणनीतिक तस्वीरें आदि ईरान को मुहैया कराते रहे हैं। अमरीका इस यथार्थ को बखूबी जानता है।

बीते दिनों राष्ट्रपति ट्रंप, उनके कुछ मंत्री, सामरिक सलाहकार, जनरल आदि 'कैंप डेविड' गए थे और गोपनीय बैठकें हुई थीं। राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थक और करीबी रहे सांसदों के भी बयान सार्वजनिक हुए थे, लिहाजा परमाणु हमले की आशंकाएं उभरीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा है कि उन्हें युद्ध समाप्त करने की हड़बड़ी नहीं है। अभी तक अमरीका ने हल्की सैन्य ताकत का ही इस्तेमाल किया है। अब अमरीका-इजरायल मिल कर ईरान पर निर्णायक हमला करेंगे। इस बयान की व्याख्या की गई चूंकि पांच माह से भी लंबी जंग के बावजूद अमरीका ईरान को घुटनों पर नहीं ला सका है, लिहाजा अब 'निर्णायक हमला' परमाणु का ही किया जा सकता है। हालांकि इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप का कोई बयान अथवा आदेश सार्वजनिक नहीं हुआ है, फिर भी सवालिया आशंकाएं जताई जा रही हैं कि क्या अमरीका ईरान को 'जापान' बना सकता है? गौरतलब यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति के बयान के बिना ही ईरान ने पलटजवाब दिया है कि यदि अमरीका ने परमाणु हमला किया, तो उसे उसी तरह का जवाब दिया जाएगा।

सवाल है कि क्या ईरान ने 'परमाणु बम' बना लिया है? हालांकि ईरान अब भी 'परमाणु अप्रसार संधि' का सदस्य है, लेकिन एक साल से अधिक समय से 'अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी' ईरान के परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण नहीं कर पा रही है। उसे यह भी पुष्ट जानकारी नहीं है कि ईरान में कितना यूरेनियम संवर्धन किया जा रहा है! अमरीका-इजरायल के कई हमलों के बावजूद ईरान के परमाणु केंद्र-नतांज, बुशहर, इस्फहान, फोर्डो आदि-यथावत और सुरक्षित बताए जाते हैं। सवाल है कि क्या अमरीका अब उन केंद्रों पर सीमित परमाणु हमले अथवा परमाणु सम्मत मिसाइल या बम से हमले कर उन्हें बिल्कुल नष्ट कर देना चाहता है? यह अमरीका का युद्ध थोपने का एक बुनियादी मकसद भी था। लेकिन उस स्थिति में विकिरण फैलेगा, तो कितनी मौतें होंगी? कितना विनाश होगा? खाड़ी देश का अधिकांश हिस्सा उस परमाणु विकिरण की चपेट में आ सकता है! शायद अमरीका इन यथार्थों को भी जानता है! लिहाजा रक्षा विशेषज्ञों के आकलन हैं कि अमरीकी परमाणु हमले की संभावनाएं नगण्य हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ऐसे बयानों के जरिए ईरान को सिर्फ डराने और उसे दबाव में लाने की रणनीति खेल रहे हैं।

रक्षाबंधन 28 अगस्त 2026 पर विशेष

राखी कोरा रक्षा कवच नहीं, नारी-सम्मान का संकल्प बने

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

रक्षाबंधन केवल कलाई पर बंधा हुआ एक धागा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस विराट चेतना का प्रतीक है जिसमें प्रेम, विश्वास, दायित्व, आत्मीयता और संरक्षण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। लेकिन बदलते समय में इस पर्व के अर्थ को भी नए सिरे से समझने की जरूरत है। वह समय बीत चुका है जब स्त्री की सुरक्षा को केवल पुरुष की जिम्मेदारी मान लिया जाता था। आज की महिला स्वयं अपने जीवन की दिशा तय कर रही है, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, सेना, उद्योग, खेल और अंतरिक्ष तक अपनी पहचान बना रही है। इसलिए आज राखी का सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि भाई बहन की रक्षा करेगा या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि क्या हमारा समाज ऐसा बनेगा जिसमें हर महिला को अपनी सुरक्षा, स्वतंत्रता, गरिमा और सपनों के लिए किसी की कृपा पर निर्भर न रहना पड़े? रक्षाबंधन की भारतीय अवधारणा में 'रक्षा' का अर्थ बहुत व्यापक है। संस्कृत में कहा गया है- रक्षति इति रक्ष:, अर्थात जो रक्षा करे वही रक्षक है। परंतु किसकी रक्षा? केवल शरीर की नहीं, बल्कि सम्मान की, स्वतंत्रता की, संस्कारों की, विचारों की और जीवन-मूल्यों की भी। इसी व्यापक अर्थ में रक्षाबंधन आज एक पारिवारिक पर्व से आगे बढ़कर सामाजिक दर्शन का पर्व बन सकता है।

भारतीय परंपरा में रक्षासूत्र का उल्लेख अत्यंत प्राचीन है। वैदिक परंपरा में रक्षा-सूत्र को मंगल, संकल्प और संरक्षण का प्रतीक माना गया। इंद्र और इंद्राणी की कथा हो अथवा गुरु द्वारा शिष्य को रक्षासूत्र बांधने की परंपरा-इन सबमें एक गहरी भावना दिखाई देती है कि मनुष्य अपने से जुड़े व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार करे। इसका अर्थ किसी को कमजोर मानकर उसकी रक्षा करना नहीं, बल्कि संबंधों को जिम्मेदारी से निभाना है। यही बात आज के रक्षाबंधन को नई अर्थवत्ता देती है। भारतीय इतिहास में राखी ने कई बार रक्त और धर्म से परे मानवीय संबंधों का रूप लिया है। राजपूत परंपरा में युद्ध के लिए जाते योद्धाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने की परंपरा वीरता और विजय की मंगलकामना से जुड़ी रही। मध्यकालीन इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती और हुमायूँ से जुड़ी राखी की कथा भले ही इतिहास और लोकस्मृति के बीच अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत की जाती हो, लेकिन इसका सांस्कृतिक संदेश स्पष्ट है-राखी जैविक भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर विश्वास और संरक्षण का मानवीय अनुबंध बन सकती है।

महाभारत में द्रौपदी और श्रीकृष्ण का प्रसंग भी इसी भावभूमि को स्पर्श करता है। द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की घायल कलाई पर वस्त्र बांधने और श्रीकृष्ण द्वारा उसके सम्मान की रक्षा करने की कथा भारतीय मानस में भाई-बहन के रिश्ते की करुणा, आत्मीयता और दायित्व का प्रतीक बन गई। इस कथा का आधुनिक अर्थ यह है कि संबंध केवल लेने का नहीं, एक-दूसरे के लिए खड़े होने का नाम है। रक्षा एकतरफा नहीं होती, प्रेम में पारस्परिक उत्तरदायित्व होता है। आज की नारी ने इस पारंपरिक धारणा को एक नया आयाम दिया है। वह अब केवल 'रक्षा की अपेक्षा रखने वाली' नहीं, बल्कि स्वयं परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में सक्रिय भागीदार है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं में महिलाएं सीमाओं की सुरक्षा कर रही हैं, महिला पायलट आकाश में देश की शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वैज्ञानिक अंतरिक्ष अभियानों में योगदान दे रही हैं, महिला खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं और प्रशासनिक सेवाओं में महिलाएं नीति-निर्माण को दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में राखी का धागा हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि जिस नारी को हम 'अबला' कहकर उसकी रक्षा का दावा करते हैं, वही नारी राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर सकती है तो उसके सम्मान और अधिकारों की रक्षा में समाज पीछे क्यों रहे?

यही रक्षाबंधन का नया दर्शन है-नारी की रक्षा नहीं, नारी की सामर्थ्य का सम्मान। नारी को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि समाज की मानसिकता को बदलना है। बेटी को यह कहना कि 'सावधान रहना, क्योंकि दुनिया सुरक्षित नहीं है' पर्याप्त नहीं। उससे अधिक जरूरी है बेटे को यह सिखाना कि किसी महिला की स्वतंत्रता, गरिमा और इच्छा का सम्मान करना ही वास्तविक पुरुषार्थ है। राखी यदि भाई की कलाई पर बंधती है तो वह केवल बहन की रक्षा का वचन न बने, वह भाई को यह संकल्प भी दे कि वह किसी भी स्त्री के प्रति अन्याय, अपमान और हिंसा के विरुद्ध खड़ा होगा। आज नारी सुरक्षा का प्रश्न केवल सड़क, कार्यस्थल या सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग ने सुरक्षा की नई चुनौतियां पैदा की हैं। साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन बदनामी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक व्यवहार आधुनिक समाज के नए खतरे हैं। इसलिए आज की राखी में एक नया संकल्प जुड़ना चाहिए-हम नारी की डिजिटल गरिमा की भी रक्षा करेंगे। लेकिन रक्षा का एक और आयाम है, जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं-आर्थिक आत्मनिर्भरता। जिस महिला के पास शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता है, उसकी आत्मसम्मान की शक्ति कहीं अधिक होती है। इसलिए यदि रक्षाबंधन को सचमुच नारी-सशक्तीकरण का पर्व बनाना है तो भाई बहन को केवल उपहार न दे, बल्कि उसके सपनों में सहभागी बने। उसकी शिक्षा, व्यवसाय, शोध, कला, करियर अथवा सामाजिक कार्य में सहयोग करे। सबसे सुंदर राखी वही होगी जो बहन की कलाई पर बंधकर उसके सपनों को पंख दे।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए रक्षाबंधन को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। रक्षाबंधन का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक रक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से रक्षासूत्र हमारी कलाई पर नहीं, पहले हमारे विवेक पर बंधना चाहिए।

रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। राष्ट्र तब सुरक्षित होता है जब उसकी बेटियां सुरक्षित हों, जब परिवारों में विश्वास हो, जब समाज में संवेदना हो, जब युवाओं में चरित्र हो और जब नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझें। सीमा पर सैनिक राष्ट्र की भौगोलिक रक्षा करता है, लेकिन घर-परिवार में संस्कार, शिक्षा और संवेदना राष्ट्र की सामाजिक रक्षा करते हैं। माता-पिता संकल्प लें कि बेटा और बेटी दोनों को समान अवसर देंगे। रक्षाबंधन का भविष्य उस मानसिक परिवर्तन में है जहां रक्षा का अर्थ अधिकार छीनना नहीं, अधिकार सुरक्षित करना होगा, प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, स्वतंत्रता का सम्मान होगाय भाईचारे का अर्थ संरक्षण नहीं, साझेदारी होगा और संस्कृति का अर्थ अतीत में लौटना नहीं, अपने श्रेष्ठ मूल्यों को भविष्य में ले जाना होगा। कलाई पर बंधी राखी कुछ दिनों में पुरानी पड़ सकती है, लेकिन उससे जुड़ा संकल्प यदि जीवन में उतर जाए तो वह पीढ़ियों तक जीवित रहता है। इसलिए इस रक्षाबंधन पर एक नया संकल्प हो-नारी को सुरक्षित ही नहीं, सम्मानित बनाएंगे। उसे संरक्षित ही नहीं, समर्थ बनाएंगे। उसके रास्ते रोकेंगे नहीं, उसके सपनों के साथ चलेंगे। यही राखी का नया अर्थ है, यही भारतीय संस्कृति की आधुनिक व्याख्या है और यही उस धागे की वास्तविक शक्ति है, जो एक कलाई से शुरू होकर पूरे समाज को मानवीयता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभावना के सूत्र में बांध सकता है।

जबलपुर को फिर महान बनाएं, शेर जैसा दिल, पर उपेक्षा की जंजीरों में जकड़ा शहर

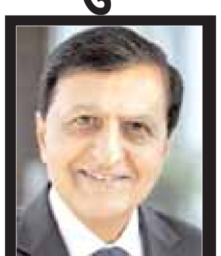

पवन शर्मा

जबलपुर कमजोर शहर नहीं है यह जख्मी शहर है। एक ऐसा शहर जिसे उसके अपने लोगों, नेताओं और प्रशासन ने सालों से उपेक्षा, लापरवाही और भावनात्मक दूरी की आग में झुलसने दिया।

कागज़ों पर जबलपुर चमकता है, ज़मीन पर बिखरा हुआ मिलता है। विकास की दौड़ में यह पीछे नहीं छूटा- इसे पीछे धकेला गया है। यह लेख कोई विनम्र अपील नहीं। यह एक कड़ा चेतावनी संदेश है। जबलपुर इससे कहीं बेहतर का हकदार है-और अब समय आ गया है कि हम इसे सच में बदलें।

जबलपुर- सब कुछ है, बस देखभाल नहीं- यह शहर वह सब कुछ रखता है जो किसी उभरते महानगर को चाहिए, रक्षा कारखाने, विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, मेट्रोपॉलिटन सिटी का दर्जा, स्मार्ट सिटी मिशन, ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल हब, पर्यटन के खजाने और प्राकृतिक सुंदरता।

लेकिन जनता क्या देखती है?- धूल भरी सड़कें। अधूरे प्रोजेक्ट। खेल मैदानों पर पार्किंग। मरते हुए तालाब। फाइलों में अटकी इंडस्ट्री और नेता जो सिर्फ फोटो खिंचवाने आते हैं। यह बदकिस्मती नहीं उपेक्षा है।

प्रशासन- योजनाएँ बनती हैं, पर शहर नहीं- जबलपुर का प्रशासन एक कला में माहिर है-मुँह फेर लेना। फाइलें चलती हैं, पर शहर नहीं। घोषणाएँ गूंजती हैं, पर नतीजे गायब। स्मार्ट सिटी सिर्फ होर्डिंग्स पर है। मेट्रोपॉलिटन सिटी सिर्फ नोटिफिकेशन में। इंडस्ट्रियल हब सिर्फ भाषणों में। शहर को ऐसे चलाया जाता है जैसे यह कोई अस्थायी जिम्मेदारी हो। और इसकी कीमत रोज़ जनता चुकाती है।

जनता की उदासीनता- दूसरा बड़ा दुश्मन- हम जबलपुरवासी भी पूरी तरह निर्दोष नहीं। हम शिकायत करते हैं, योगदान नहीं। हम नेताओं को कोसते हैं, पर खुद शहर की रक्षा नहीं करते। हम विकास चाहते हैं, पर शहर की इज्ज़त नहीं बचाते। हम जबलपुर को किराए के घर की तरह देखते हैं अपने घर की तरह नहीं। कोई शहर तब तक नहीं उठता जब तक उसके लोग उसके लिए खड़े न हों। नेतृत्व है, पर लगाव नहीं जबलपुर के पास नेता हैं। लेकिन क्या इसके पास संरक्षक हैं? क्या इसके पास दूरदर्शी हैं? क्या कोई ऐसा है जो इस शहर के लिए भावनात्मक रूप से जिम्मेदार महसूस करता हो?

विकास बजट से नहीं- लगाव, जिम्मेदारी और समर्पण से होता है। इनके बिना हर योजना सिर्फ प्रेस रिलीज़ बनकर रह जाती है। जबलपुर का हकदार भविष्य उपेक्षा के बावजूद जबलपुर आज भी एक महान शहर बनने की क्षमता रखता है। यह एक स्मार्ट इंडस्ट्रियल, एजुकेशन और स्पोर्ट्स पावरहाउस बन सकता है अगर हम सच में इसे बनाना चाहें।

स्पष्ट विज़न- आधुनिक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, स्किल-बेस्ड एजुकेशन हब, मल्टी-स्पोर्ट इंटरनेशनल कॉम्प्लेक्स, स्वच्छ और तकनीक-आधारित शहरी जीवन, नर्मदा रिवरफ्रंट और ऐसा शहर जो उद्योग, छात्र, खिलाड़ी और पर्यटकों को आकर्षित करे। सब कुछ संभव है। लेकिन कुछ भी नहीं होगा जब तक हम जबलपुर को भूली हुई फाइल की तरह देखते रहेंगे।

10 साल की आक्रामक, ज़मीन से जुड़ी योजना

1. इंडस्ट्रियल क्रांति (1-10 वर्ष) ग्रीनफील्ड टेक्सटाइल व लॉजिस्टिक्स सिटी का पूरा विकास, डिफेंस टेक पार्क, आईटी व स्टार्टअप पार्क, एग्रो-प्रोसेसिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर।

2. शिक्षा का पुनर्जागरण (1-7 वर्ष) स्किल यूनिवर्सिटी एआई, रोबोटिक्स व रिसर्च सेंटर

CM Rise स्कूलों को मॉडल संस्थान बनाना

3. खेलों का पुनर्जीवन (1ङ्क5 वर्ष) मल्टी-स्पोर्ट इंटरनेशनल स्टेडियम, शूटिंग, एथलेटिक्स, स्विमिंग अकादमियाँ हर वार्ड में खेल मैदान।

4. स्मार्ट शहरी सुधार (1-10 वर्ष)- मेट्रो/BRTS कॉरिडोर , रिंग रोड का पूरा निर्माण, नर्मदा रिवरफ्रंट EV चार्जिंग नेटवर्क। मियावाकी जंगल और तालाबों का पुनर्जीवन

5. प्रशासनिक रीसेट (तुरंत)- पब्लिक अकाउंटेबिलिटी डैशबोर्ड,मासिक सार्वजनिक ऑडिट, नागरिक भागीदारी परिषद यह महत्वाकांक्षा नहीं-न्यूनतम आवश्यकता है।

जबलपुर को फिर महान बनाएं

यह सिर्फ नारा नहीं। यह आंदोलन है। यह मांग है। यह घोषणा है। जबलपुर को फिर गर्व दिलाना। फिर साफ़-सुथरा बनाना। फिर औद्योगिक बनाना। फिर शिक्षित बनाना। फिर खेलों का केंद्र बनाना। फिर प्यार देना।

जबलपुर को सहानुभूति नहीं चाहिए। जबलपुर को जिम्मेदारी चाहिए। जबलपुर को गुस्सा चाहिए। जबलपुर को कार्रवाई चाहिए। जबलपुर को ऐसे नेता चाहिए जो सच में परवाह करें और ऐसे नागरिक जो अब चुप न रहें। शहर तैयार है। सवाल सिर्फ इतना है क्या हम तैयार हैं।

रक्षाबंधन : भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व

शुभा दुबे

श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला पर्व रक्षा बंधन भाई बहन के प्रेम के प्रतीक का त्योहार है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांध कर उसके माथे पर तिलक लगाकर सदैव उसकी विजय की कामना करती है। भाई प्रतिज्ञा करता है कि यथाशक्ति मैं अपनी बहन की रक्षा करूंगा। रक्षाबंधन में राखी या रक्षासूत्र का सबसे अधिक महत्व है। राखी कच्चे सूत जैसी सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चांदी जैसी महंगी वस्तु तक की हो सकती है।

इस दिन प्रात: स्नानादि से निवृत्त होकर लड़कियां और महिलाएं पूजा की थाली सजाती हैं। थाली में राखी के साथ रोली या हल्दी के अलावा चावल, दीपक और मिठाई भी होती है। लड़के और पुरुष तैयार होकर टीका करवाने के लिए पूजा या किसी उपयुक्त स्थान पर बैठते हैं। पहले अभीष्ट देवता की पूजा की जाती है, इसके बाद रोली या हल्दी से भाई का टीक करके चावल को टीके पर लगाया जाता है और सिर पर छिड़का जाता है, उसकी आरती उतारी जाती है, दाहिनी कलाई पर राखी बांधी जाती है। इसके बाद भाई बहन को उपहार या धन देता है। इस प्रकार रक्षाबंधन के अनुष्ठान के पूरा होने पर भोजन किया जाता है।

रक्षा बंधन का इतिहास हिंदू पुराण कथाओं में है। हिंदू पुराण कथाओं के अनुसार, महाभारत में पांडवों की पत्नी द्रौपदी ने भगवान श्रीकृष्ण की कलाई से बहते खून (श्रीकृष्ण ने भूल से खुद को जख्मी कर दिया था) को रोकने के लिए अपनी साड़ी का किनारा फाड़ कर बांधा था। इस प्रकार उन दोनों के बीच भाई और बहन का बंधन विकसित हुआ था, तथा श्रीकृष्ण ने उसकी रक्षा करने का वचन दिया था। इसी बंधन से ऋणी श्रीकृष्ण ने दुशासन द्वारा चीर हरण के समय द्रौपदी की लाज बचाई थी। मध्य कालीन इतिहास में एक ऐसी घटना दिल्ली में मिलती है जिसमें चित्तौड़ की रानी कर्मवती ने दिल्ली के मुगल बादशाह हुमायूं के पास राखी भेजकर अपना भाई बनाया था। हुमायूं ने राखी की इज्जत की और उसके सम्मान की रक्षा के लिए गुजरात के बादशाह से युद्ध किया।

विरोध प्रदर्शन करें पर ना हो सीमाओं का अतिक्रमण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। केई गलत हो रहा है तो उसका विरोध भी होना चाहिए पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही साथ दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बने और जयपुर में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किये गये और यह प्रदर्शन देखते देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्ठ घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वरन आयोग की सिफारिशें भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकतंत्र में विरोध अधिकार हो सकता है पर विरोध का एक तरीका होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का सबको अधिकार है पर अपने विरोध प्रदर्शन के चक्कर में अन्य और वह भी आमनागरिकों का जनजीवन प्रभावित करने का किसी को अधिकार नहीं हो सकता। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ती को नुकसान पहुंचाना या कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाएं तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोके नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड़ तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता हांलाकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए।

दरअसल तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांघी जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरें में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

अब जयपुर के स्कूल की घटना का विश्लेषण करें तो हालात की ओर ध्यान दिलाना एक उचित कदम हो सकता है पर स्कूल या किसी भी सरकारी-गैरसरकारी संस्थान का निरीक्षण का अधिकार किस कानून ने दे दिया है। एक सीमा तक प्रदर्शन आपका अधिकार हो सकता है पर प्रदर्शन से माहौल को तनावपूर्ण और द्वेषतापूर्ण बनाने की किसी भी व्यवस्था में अनुमति नहीं दी जा सकती और नहीं दी भी जानी चाहिए। प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुर्खियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्शन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है। नौकरीपेशा या धंधे पर जाने वाले रास्ते में ही अटक जाते है। दैनिक काम के आधार पर रोजी रोटी कमाने वालों की मजदूरी अटक जाती है। शहर की सभी तरह की सप्लाई चैन बाधित हो जाती है। पुलिस प्रशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यस्त हो जाता है तो लोगों में असुरक्षा की भावना बनती है और बाहर निकलने से पहले सोचने को मजबूर हो जाते हैं। और अब तो प्रशासन द्वारा ऐसे शहरों में इंटरनेट बंद करने तक का निर्णय कर लिया जाता है जिससे सामान्य गतिविधियां, बैंकिंग व्यवस्था, सूचनाओं का आदान-प्रदान और पढ़ाई-लिखाई तक पर असर पड़ता है। ऐसे में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी कि शहर को बेवजह बंधक बनाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है।

प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पहले तो प्रशासन को भी चाहिए कि प्रदर्शन आदि के लिए ऐसा स्थान निर्धारित हो जहां से सामान्य जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो सके। आम जन, शहरी यातायात, शहर का दैनिक जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो। ऐसी व्यवस्था हो जिससे प्रदर्शनकारियों की बात वे जहां पहुंचाना चाहते हैं वहां तक पहुंचाई जा सके। प्रदर्शनकारियों को भी प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। असामाजिक तत्वों को किसी तरह का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए।

जब किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा या गलत गतिविधियां होने लगती है और व्यवस्था हाथों से निकलने लगती है व प्रशासन द्वारा सख्ती होती है तो यह सामान्य जबाव होता है कि हिंसा या हालात बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व उनमें से नहीं थे पर ऐसा कहने मात्र से जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता। इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय व न्यायालयों द्वारा पूर्व में भी दी गई टिप्पणियों को गंभीरता से प्रदर्शनकर्ताओं और प्रशासन दोनों को समझना होगा व दोषारोपण के नाम पर जिम्मेदारी से भागने की इजाजत किसी भी हालत में नहीं दी जा सकती। अपनी बात कहने के अधिकार के साथ दूसरों के मौलिक अधिकारों का भी सम्मान करना होगा। कानून व्यवस्था को हाथ में लेने या सीमाओं को लांघने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता।

समय पर नहीं दी बाढ़ की चेतावनी? नेपाल के दावे पर आया चीन का बयान, कहा- आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा

बीजिंग

चीन ने गुरुवार को नेपाल के उस दावे को खारिज कर दिया कि उसकी तरफ एक भू-वैज्ञानिक आपदा वाले बांध के टूटने से नेपाल में भारी तबाही मची। नेपाल में चीनी दूतावास ने इस दावे को फर्जी खबर बताया। इसमें यह आरोप भी शामिल था कि चीन ने नेपाली पक्ष को समय रहते चेतावनी नहीं दी और भारी जान-माल का नुकसान हुआ।

फेसबुक पर जारी एक बयान में नेपाल में चीनी दूतावास ने कहा, 26 अगस्त की सुबह नेपाली इलाके में भूकंप या भूकंप जैसी घटना के कारण ग्लेशियर ढह गया, जिससे भारी मात्रा में कीचड़ और मलबा बहने लगा। इससे गियिरोंग-रासुवागढ़ी सीमा क्षेत्र के दोनों ओर (नेपाल और चीन) भारी जान-माल का नुकसान हुआ और कई लोग लापता हो गए।

चीन ने दिखाई नेपाल को आंख

चीन ने अपने बयान का समापन इन शब्दों के साथ किया, आरोप लगाने से कुछ हासिल नहीं होता और सहयोग से ही जानें बचती हैं। हिमालयी क्षेत्र में आई इस आपदा में पानी, गाद, चट्टान और बर्फ समेत मलबे के तेज बहाव के कारण कम से कम 175 लोगों की मौत हो गई और 1500 से अधिक लोग लापता हो गए।

यह आपदा तिब्बत के ल्हासा को नेपाल की राजधानी काठमांडू से जोड़ने वाले उस ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में आई थी, जहां ट्रेकर्स और तीर्थयात्री बड़ी संख्या में आते-जाते हैं।

नेपाली अधिकारियों की शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि इलाके में आए भूकंप के कारण ग्लेशियर का निचला हिस्सा ढह गया होगा और बाढ़ आ गई होगी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि शुरू में 4.4 तीव्रता का बताया गया भूकंप असल में ग्लेशियर की चट्टानें और बर्फ के ढहने से पैदा हुई भूकंपीय ऊर्जा थी, जिसके बाद मलबा बहने लगा।

बंगाल की खाड़ी में लापता पोत के चालक दल की तलाश तेज

नयी दिल्ली, (वार्ता)। भारतीय तटरक्षक बल ने भारतीय नौसेना और अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ मिलकर पनामा के झंडे वाले मालवाहक पोत एमवी ओशन विनर के लापता चालक दल की तलाश के लिए खोज एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। यह पोत 22 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में लापता हो गया था। विजयपुरम स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र को 22 अगस्त को विक्ट्री स्टार ग्रुप कंपनी लिमिटेड से संकट संदेश मिला था। इसमें बताया गया कि पोत से संपर्क टूट गया है। उस समय पोत पारादीप से करीब 230 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में था। 225 मीटर लंबे और 32 मीटर चौड़े इस मालवाहक पोत पर करीब 71 हजार टन लौह अयस्क लदा था और वह पारादीप से सिंगापुर जा रहा था। पोत पर चालक दल के 24 सदस्य सवार थे, जिनमें 20 चीनी, तीन म्यांमार और एक बंगलादेशी नागरिक शामिल थे।

सूचना मिलने के बाद भारतीय तटरक्षक बल ने भारतीय नौसेना और अन्य समुद्री एजेंसियों के समन्वय से व्यापक खोज अभियान शुरू किया।

ईसाई महिला के अधिकारों की रक्षा करे पाकिस्तान

11 अमेरिकी सांसदों ने लगाया अपहरण का आरोप

वॉशिंगटन

अमेरिका के 11 सांसदों ने इस्लामाबाद से एक पाकिस्तानी ईसाई महिला के बुनियादी अधिकारों की रक्षा करने की अपील की है। इसमें दोनों पार्टियों के सांसद शामिल हैं। इस महिला का अपहरण कर लिया गया था और उसका धर्म परिवर्तन कराकर इस्लाम कबूल करवाया गया था। टॉम लैंटोस मानवाधिकार आयोग के सह-अध्यक्ष कांग्रेस सदस्य क्रिस स्मिथ ने पाकिस्तान सरकार से नेहा फकीर की सुरक्षा और बुनियादी अधिकारों की रक्षा करने को कहा है। नेहा फकीर 18 साल की पाकिस्तानी ईसाई महिला हैं, जिनका मार्च में अपहरण कर लिया गया था और बाद में इस्लाम में धर्म परिवर्तन करा दिया गया था। पाकिस्तान की एक अदालत ने उनके परिवार की ओर से उनकी वापसी की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है।

बहुत ही चिंताजनक सवाल उठते हैं

स्मिथ ने कहा, नेहा फकीर के गायब होने और उसके बाद धर्म परिवर्तन की परिस्थितियों से उनकी सुरक्षा, धर्म की स्वतंत्रता और बिना किसी दबाव या डराए-धमकाए अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने की उनकी क्षमता को लेकर बहुत चिंताजनक सवाल उठते हैं।

पाकिस्तानी मंत्री को लिखा पत्र

स्मिथ और कांग्रेस के दस अन्य सदस्यों ने पाकिस्तान के कानून और न्याय मंत्री आजम नजीर तरार को एक पत्र लिखा है। इसमें मामले पर चिंता जताई गई है और पाकिस्तान सरकार से इस मामले का उचित समाधान सुनिश्चित करने के लिए सही कदम उठाने को कहा गया है।

झूठे और अप्रमाणित बयान बंद कर प्रदेश की असली समस्याओं पर ध्यान दें योगी: अजय राय

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुले पत्र के माध्यम से निशाना साधते हुए उनके धार्मिक और जातिगत बयानों पर सवाल उठाए हैं। श्री राय ने कहा है कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए व्यक्तिगत और राजनीतिक विरोधियों पर आरोप लगाने के बजाय उन्हें प्रदेश की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। राय ने पत्र में कहा कि अयोध्या में दर्शन के बाद उनके द्वारा मछली की दावत उड़ाने और माफिया के सामने थर-थर कांपने का आरोप लगाया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि वह मांसाहारी हैं और जिस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति का उल्लेख किया गया, वह निषाद समाज के निमंत्रण पर आयोजित कार्यक्रम था। कार्यक्रम के बाद भोजन किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि उन्हें इसमें कुछ गलत लगता है तो वे प्रमाण सामने लाएं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को पांच दिन पहले चुनौती दी थी कि आरोपों का प्रमाण जनता के सामने रखा जाए और प्रमाण नहीं दे पाने पर वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके मातृ संगठन की राजनीति जनता देख रही है कि आरोप लगाने के बाद प्रमाण मांगने पर चुप्पी साध ली जाती है।

अजय राय ने माफिया के सामने डरने के आरोप पर कहा कि उनके भाई स्वर्गीय अवधेश राय की हत्या के बाद उन्होंने किसी माफिया के सामने सिर नहीं झुकाया। वह करीब 32 वर्षों से न्याय के लिए अदालतों में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2021 और सितंबर 2025 में उनकी सुरक्षा वापस ली गई, लेकिन न तो वह डरे और न ही न्याय की लड़ाई से पीछे हटे।

उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि आखिर वह लगातार ऐसे उग्र और व्यक्तिगत बयान किस आधार पर देते हैं।

जेपीएनआईसी पर सपा बोल रही झूठ, इसे बेचा नहीं गया : भाजपा

लखनऊ, (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लखनऊ स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा जनता को गुमराह करने के लिए झूठ बोल रही है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि जेपीएनआईसी को बेचा नहीं गया है, बल्कि उसके रखरखाव और संचालन के लिए निर्धारित शर्तों पर लीज पर दिया गया है। संपत्ति का स्वामित्व लखनऊ विकास प्राधिकरण के पास ही रहेगा।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि जेपीएनआईसी समाजवादी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग करते हुए परियोजना की लागत लगातार बढ़ाई गई और इसके बावजूद काम लंबे समय तक अधूरा रहा। अब सरकार ने इसे बेहतर तरीके से संचालित और विकसित करने का रास्ता निकाला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को पहले यह बताना चाहिए कि उनकी सरकार के दौरान जेपीएनआईसी की लागत और निर्माण की स्थिति क्या थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में निजी समूह संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगा, जबकि संपत्ति सरकार के नियंत्रण में ही रहेगी।

राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश यादव के कांग्रेस के साथ राजनीतिक संबंधों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''जयप्रकाश नारायण जी ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, आज उसी कांग्रेस की गोद में समाजवादी पार्टी बैठी है।''

पाकिस्तान में अस्पताल की आग में 14 नवजातों की मौत, नेबुलाइजर फटने से लगी आग

इस्लामाबाद, (वार्ता)। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) के स्त्री रोग वार्ड में लगी भीषण आग की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि 14 नवजात शिशुओं की मौत आग में झुलसने और ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित होने के कारण हुई। पिम्स प्रशासन की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में हुई, जहां एक इनक्यूबेटर के पास ऑक्सीजन की मात्रा बताने वाला नेबुलाइजर फट गया। इसके बाद ऑक्सीजन में आग लग गयी और धुआं पाइपों के जरिये नवजातों के सांस लेने वाले सिस्टम तक पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आग शुरू में छोटी थी लेकिन तेजी से फैल गयी। ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद होने और आग में झुलसने के कारण नवजातों की मौत हुई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घटनास्थल की वीडियो फुटेज में एयर कंडीशनर से आग की लपटें निकलती दिखायी दे रही हैं। पिम्स अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय नर्सरी में 15 नवजात मौजूद थे। इनमें से केवल एक को बचाया जा सका, जबकि 14 की मौत हो गयी। जिला प्रशासन के अनुसार, सूचना मिलने के बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। राहत एवं बचाव अभियान में दमकल की छह गाड़ियां और चार एंबुलेंस लगायी गयीं।

दूसरी ओर, जियो न्यूज ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि दमकल और बचाव दल घटना के आधे घंटे से अधिक समय बाद पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गयी और लोगों को क्षेत्र खाली करने के निर्देश दिये गये। घटना के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय स्वास्थ्य सचिव असलम गोरी को तत्काल पद से निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने आग की घटना की जांच के लिए एक जांच समिति भी गठित की है। पूर्व गृह सचिव शाहिद खान को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समिति आग लगने के कारणों, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और हादसे के दौरान बचाव एवं आपात प्रतिक्रिया से जुड़े पहलुओं की जांच करेगी।

बंगाल में एल एंड टी की बंगाल में विस्तार योजना: शुभेंदु

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि लार्सन एंड टुब्रो राय में अपना विस्तार करना चाहती है और कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एस. एन. सुब्रह्मण्यन कोलकाता में 10 एकड़ और ज़मीन की मांग कर रहे हैं।

श्री अधिकारी ने यह जानकारी न्यू टाउन में बंगाल सिलिकॉन वैली टेक हब में एल एंड टी के आनंद निकेतन ग्लोबल डिलीवरी और एआई कॉम्पिटेंसी सेंटर के उद्घाटन के दौरान दी। उन्होंने कहा कि राय सरकार तैयार है और हिडको (आवास अवसंरचना विकास निगम) से उचित कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। प्रस्तावित विस्तार से राय में निवेशकों का बढ़ता हुआ भरोसा झलकता है। उन्होंने एल एंड टी को राय सरकार के सहयोग का भरोसा दिलाया। श्री अधिकारी ने कहा, एल एंड टी के अध्यक्ष ने दो महीने पहले हिडको को एक चिट्ठी भेजी थी कि उन्हें 10 एकड़ ज़मीन और चाहिए। हिडको के प्रबंध निदेशक इस पर ज़रूरी कार्रवाई करेंगे। हम तैयार हैं। उद्घाटन के दौरान मौजूद सुब्रह्मण्यन ने, वरिष्ठ अधिकारियों और एल एंड टी समूह के नेतृत्व के साथ, नये केंद्र के उद्घाटन में शामिल हुए। इस केंद्र में दो टावरों में लगभग 7.48 लाख वर्ग फुट का कार्यस्थल है और यहां करीब 5,800 लोगों के काम करने की क्षमता है। इस सुविधा को कोलकाता, पश्चिम बंगाल और यहां के युवा श्रमशक्ति में भरोसा जताने वाला कदम बताते हुए श्री अधिकारी ने कहा कि यह केंद्र राय से कुशल पेशेवरों के पलायन को रोकने में मददगार साबित हो सकता है।उन्होंने कहा, बंगाल में बहुत कुशल लोग हैं। युवा अब बंगाल और पश्चिम बंगाल छोड़कर दूसरे रायों और विदेशों में जा रहे हैं। मुझे लगता है कि एल एंड टी परियोजना के बाद वे फिर से अपने घर सिटी ऑफ़ जॉय कोलकाता और हमारे शानदार राय पश्चिम बंगाल लौट आयेंगे।

श्री अधिकारी ने कहा कि नया कैंपस दर्शाता है कि पश्चिम बंगाल अपनी सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा के साथ जोड़ सकता है। उन्होंने कहा, यह कैंपस एक सशक्त संदेश देता है। पश्चिम बंगाल अपनी संस्कृति से जुड़ा रहकर भी वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में सबसे ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि राय सरकार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एल एंड टी के साथ मिलकर काम करेगी और कंपनी से बंगाल में अपने कामकाज का विस्तार करने का आग्रह किया।

श्री अधिकारी ने कहा, एल एंड टी एक बहुत अछी और प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कंपनी है। हमें एल एंड टी पर पूरा भरोसा और सम्मान है। अब मुझे उम्मीद है कि एल एंड टी समूह बार-बार यहां आएगा और और ज़्यादा निवेश करेगा। राय सरकार आपकी टीम के साथ पूरे दिल से सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार पढ़े-लिखे युवाओं के लिए नौकरियां उत्पन्न करने और राय के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से बनाने पर ध्यान दे रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा, साइबर सुरक्षा, चिप डिज़ाइन, ऑटोमेशन और डिजिटल निर्माण जैसे उभरते हुए क्षेत्र के हिसाब से शिक्षा को ढालने के लिए उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी को मज़बूत किया जायेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना और पीएमईजीपी जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया, जो उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए ऋण तथा अवसरों तक पहुंच का विस्तार करने के साधन हैं। उन्होंने ऊर्जा दक्षता, स्मार्ट बिल्डिंग प्रबंधन, जल संरक्षण एवं हरित भवन प्रथाओं पर केंद्र के ध्यान का स्वागत किया और कहा कि आर्थिक विकास के साथ-साथ जिम्मेदार विकास को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, नागपुर और विदेशों में काम कर रहे बंगाली पेशेवरों से भी राय में वापस लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार एवं निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आने वाले रक्षाबंधन के उत्सव का उल्लेख करते हुए श्री अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 4,000 कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जो इस त्योहार को एकता और देशभक्ति के व्यापक संदेश से जोड़ेंगे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

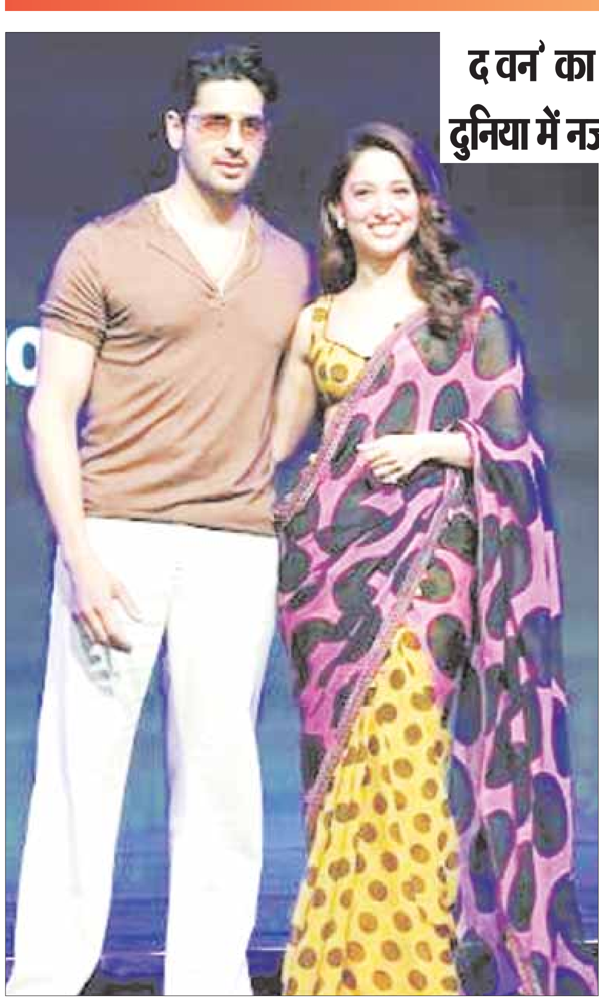

द वन' का टीजर रिलीज, रहस्यमयी फोकलोर की दुनिया में नजर आए सिद्धार्थ मल्होत्रा-तमन्ना भाटिया

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में दोनों कलाकार पहली बार साथ नजर आ रहे हैं और एक रहस्यमयी दुनिया में प्रवेश करते दिखाई देते हैं, जहां हर कदम पर नया रहस्य उनका इंतजार कर रहा है। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत 'द वन' भारतीय लोककथाओं और फैंटेसी की ऐसी दुनिया की झलक दिखाती है, जिसे बड़े पर्दे पर कम ही देखने को मिला है। प्राचीन मान्यताओं, रहस्यों और अलौकिक शक्तियों से जुड़ी फिल्म की कहानी का केंद्र एक रहस्यमयी जंगल है, जहां सूर्यास्त के बाद प्रवेश करना वर्जित है। टीजर में फिल्म के भव्य विजुअल्स और रहस्यमयी माहौल के साथ दमदार साउंडस्केप भी आकर्षित करता है। फिल्म के संगीत में रहस्य और रोमांच के साथ भारतीय परिवेश और भक्ति का स्पर्श नजर आता है। सिद्धार्थ और तमन्ना की जोड़ी भी टीजर का प्रमुख आकर्षण है। दोनों की स्क्रीन केमिस्ट्री फिल्म की रहस्यमयी दुनिया में भावनात्मक जुड़ाव जोड़ती है। 'द वन' के जरिए टीवीएफ के अरुणाभ कुमार, निर्देशक दीपक मिश्रा और एकता कपूर भारतीय फोकलोर को नए सिनेमाई अंदाज में पेश कर रहे हैं। फिल्म में रोमांच, रहस्य और हास्य का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की दुनिया पर आधारित 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी पहले ही जारी की जा चुकी है। फिल्म की कहानी अरुणाभ कुमार ने लिखी है और निर्देशन दीपक मिश्रा ने किया है। मनु आनंद डीओपी और विजुअल डायरेक्टर हैं। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अरुणाभ कुमार और नीरज कोठारी ने किया है।

हस्तिनापुर के वीर' में जरासंध की भूमिका निभाएंगे आभास मेहता

अभिनेता आभास मेहता सोनी सब के शो 'हस्तिनापुर के वीर' में मगध के शक्तिशाली राजा जरासंध की भूमिका निभाएंगे।शो की कहानी अब एक नए मोड़ पर पहुंचने वाली है। महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस शो में अभिनेता आभास मेहता की एंट्री होने जा रही है। वह मगध के शक्तिशाली राजा जरासंध की भूमिका निभाएंगे, जिसकी महत्वाकांक्षा आर्यवर्त पर अपना प्रभाव बढ़ाने की है। जरासंध जानता है कि भीष्म पितामह (मनीष वधवा) की मौजूदगी में हस्तिनापुर पर सीधे हमला करना आसान नहीं है। ऐसे में वह आमने-सामने की लड़ाई के बजाय अपनी रणनीति और कूटनीति के जरिए राज्य को कमजोर करने की योजना बनाता है। इस दौरान उसकी नजर धृतराष्ट्र (संदीप मोहन) पर भी है। अपने किरदार को लेकर आभास मेहता ने कहा, जरासंध बेहद दिलचस्प किरदार है, क्योंकि उसकी महत्वाकांक्षा सिर्फ युद्ध जीतने तक सीमित नहीं है। वह शक्ति और रणनीति से प्रेरित शासक है, जो हमेशा बड़े परिदृश्य को ध्यान में रखकर अपनी शक्ति बढ़ाने के अवसर तलाशता है। वह जानता है कि हस्तिनापुर पर सीधे हमला नहीं कर सकता, इसलिए अपने दिमाग का इस्तेमाल करते हुए सावधानी से योजनाएं बनाता है। इतनी महत्वाकांक्षा और भव्यता वाले किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा है।

दशहरे के मौके पर 16 अक्टूबर को रिलीज होगी विजय देवरकोंडा-रश्मिका मंदाना की 'राणाबाली'

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना अभिनीत बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा 'राणाबाली' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। राहुल संकृत्यायन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही 'राणाबाली' को बड़े पैमाने पर तैयार किया गया है। फिल्म के फर्स्ट लुक, किरदारों की झलक और संगीत से जुड़े अपडेट पहले ही दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा चुके हैं। अब मेकर्स ने नए पोस्टर के साथ फिल्म की ग्लोबल थिएट्रिकल रिलीज डेट की घोषणा की है। जारी पोस्टर में विजय देवरकोंडा इंटेंस और रॉ पीरियड लुक में नजर आ रहे हैं। आग और धुएं से भरे माहौल के बीच वह हाथ में भारी घुमावदार हथियार लिए दिखाई दे रहे हैं। मेकर्स ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, हमारे इतिहास का सबसे अंधकारमय अध्याय इस अक्टूबर में खुलेगा। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष को प्रमुखता से दिखाया गया है। दशहरे के आसपास फिल्म की रिलीज को देखते हुए इसके विषय और रिलीज का समय एक-दूसरे से जुड़ा नजर आता है। 'राणाबाली' में विजय देवरकोंडा के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। दोनों कलाकार एक बार फिर साथ पर्दे पर नजर आएंगे। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय अभिनेता अर्नोल्ड वॉस्लू भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगे। राहुल संकृत्यायन निर्देशित इस फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स के वाई. रवि शंकर और नवीन येरनेनी ने टी-सीरीज के साथ मिलकर किया है। अजय-अतुल ने फिल्म का संगीत तैयार किया है।

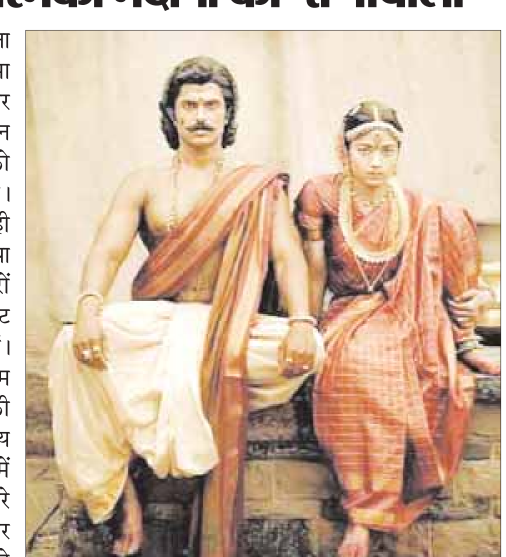

आई.जी.ओ.टी. पोर्टल के प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स होंगे तैयार

प्रत्येक विभाग से दो अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण शिविर में भेजने के निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। आई.जी.ओ.टी. पोर्टल के प्रभावी उपयोग एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने जिले के सभी जिला अधिकारियों, अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक विभाग से ऐसे दो अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाए, जिनका आई.जी.ओ.टी. पोर्टल पर लॉगिन हो रहा हो तथा जिन्हें कम्प्यूटर का यथोचित ज्ञान हो। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपने-अपने विभाग में मास्टर ट्रेनर के रूप में अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आई.जी.ओ.टी. पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को न्यूनतम 15 दिवस की अवधि में 15 से 20 कोर्स पूर्ण करना अनिवार्य है। इनमें से कम से कम एक कोर्स एआई विषय से संबंधित होगा। जिला पंचायत सीईओ ने निर्देश दिए हैं कि मास्टर ट्रेनर्स के नाम एवं विभाग की जानकारी डीपीएम (आरजीएसए) श्री विशाल श्रीवास्तव के मोबाइल नंबर 947994014 पर तीन दिवस के भीतर भेजना सुनिश्चित करें। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का आई.जी.ओ.टी. पोर्टल पर लॉगिन नहीं हो रहा है तथा परिचय एप के माध्यम से भी लॉगिन की सुविधा नहीं मिल पा रही है, उनकी जानकारी भी निर्धारित प्रारूप में भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

स्व. डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डीकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

स्व. डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डीकर की पुण्यतिथि के अवसर पर मुशरान भवन स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में ब्लॉक कांग्रेस सेवादल नरसिंहपुर कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. डॉ. नारायण सुब्बाराव हार्डीकर जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उनके जीवन, संघर्ष, समाजसेवा एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया।वक्ताओं ने कहा कि डॉ. हार्डीकर जी का जीवन त्याग, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी मिसाल है। उनके आदर्श आज भी कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं को समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।कार्यक्रम में जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अतुल चौरसिया ,जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस विवेक पटेल जिला उपाध्यक्ष रीतेश नामदेव , कोषाध्यक्ष अभिषेक जाट,जिला सचिव रक्षित चौरसिया , अभिषेक लेवी,जितेंद्र तिवारी,प्रशिक्षक रूपेश बरसैंया , प्रशिक्षक अमर सिंह सिलावट,ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल ॠषिराज मुस्करया एवम ब्लॉक सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संस्कृत केवल भाषा नहीं, हमारी संस्कृति और जीवन-मूल्यों की धारा है

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश शासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार तथा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृत सप्ताह के तृतीय दिवस जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. अनिल कुशवाहा के निर्देशन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा मार्गदर्शन में *शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में* संस्कृतम् किमर्थम् आवश्यक विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा 10 के छात्र अनिरुद्ध मिश्रा ने विषय पर प्रभावी एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में छात्र अनिरुद्ध मिश्रा ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा के रूप तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपरा, ज्ञान और जीवन-मूल्यों की एक सशक्त धारा है। संस्कृत भाषा का भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कृत भाषा के महत्व को समझने तथा अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि संस्कृत में भारतीय ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, साहित्य, चिकित्सा, गणित एवं विभिन्न विधाओं का विपुल ज्ञान समाहित है। संस्कृत के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा के ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार, नैतिकता, कर्तव्यबोध एवं जीवन-मूल्यों का विकास भी होता है। उन्होंने कहा कि अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक भाषा को जानना और उसका सम्मान करना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, कार्यक्रम प्रभारी कु. भारती यादव सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करने के साथ-साथ उन्हें भारतीय संस्कृति एवं समृद्ध विरासत के प्रति जागरूक करना रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस : 29 से 31 अगस्त तक स्कूलों में खेलों की धूम

एक घंटा, खेल के मैदान में' अभियान के तहत होंगे खेल, फिटनेस और मनोरंजक कार्यक्रम

नरसिंहपुर ।स्वतंत्रमत।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिले के शासकीय विद्यालयों में 29 से 31 अगस्त तक खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देश पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम में विद्यार्थियों को खेलों से जोड़ने के साथ स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित किया जाएगा ।राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाता है। इसी क्रम में विद्यालयों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, मनोरंजक गतिविधियां और फिटनेस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को खेलों के महत्व और नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

31 अगस्त को साइकिल से होगा समापन

तीन दिवसीय आयोजन का समापन 31 अगस्त को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को फिटनेस और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक करने का प्रयास होगा।

अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता पर जोर

गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तरीय नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी डॉ श्री अनिल कुशवाहा,जिला परियोजना समन्वयक ने सभी विद्यालयों को गतिविधियों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयोजन की गतिविधियों की जानकारीपर साझा की जाएगी।

खेल मैदान में एक घंटा बिताने का संदेश

अभियान का प्रमुख संदेश 'एक घंटा, खेल के मैदान में' है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल और शारीरिक गतिविधियों के लिए समय देने तथा फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। तीन दिनों तक जिले के विद्यालयों में खेल गतिविधियों के जरिए राष्ट्रीय खेल दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा।

जिले में अब तक दर्ज औसत 709.8 मिमी वर्षा

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 27 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 709.8 मिमी वर्षा दर्ज की गयी है। 27 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसत 13.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसी क्रम में जिले की तहसील नरसिंहपुर में एक मिमी, गोटेगांव में 45 मिमी, करेली में 10 मिमी और तेंदूखेड़ा में 10 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गाडरवारा में वर्षा शून्य दर्ज की गई है। तहसीलदार भू-संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 753 मिमी, गाडरवारा में 712, गोटेगांव में 752 मिमी, करेली में 641 मिमी और तेंदूखेड़ा में 691 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसत 1127.8 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 1077 मिमी, गाडरवारा में 1397 मिमी, गोटेगांव में 1025 मिमी दर्ज की गई।

ज्योत्सना महिला समिति ने सीनियर सिटीजन डे पर वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

श्रीमदभगवत् गीता भेंट कर जताया आभार

सिंगरौली।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) मुख्यालय के अंतर्गत आने वाली ज्योत्सना महिला समिति द्वारा च्सीनियर सिटीजन डेज् के अवसर पर गत बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान एनसीएल परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के समृद्ध अनुभवों और उच्च आदर्शों का सम्मान करते हुए उन्हें आदर अर्पित किया गया। यह कार्यक्रम ज्योत्सना महिला समिति की अध्यक्षा बी. के. दुर्गा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समिति की उपाध्यक्षा नम्रता कुमार, रूबी जायसवाल समेत अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं। महिला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ जनों के अनुभवों और नैतिक मूल्यों से समाज और नई पीढ़ी को प्रेरित करना था। समारोह के दौरान भावुक और प्रेरणादायक क्षण तब देखने को मिले, जब वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण संस्मरण और खट्टे-मीठे अनुभव उपस्थित लोगों के साथ साझा किए। उन्होंने नई पीढ़ी को जीवन में सफलता और सकारात्मकता बनाए रखने की सीख दी। साथ ही, सम्मानित हुए वरिष्ठ जनों ने इस आयोजन के लिए ज्योत्सना महिला समिति का हृदय से आभार प्रकट किया और सभी सदस्याओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक और आत्मीय माहौल बनाते हुए महिला समिति की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वरिष्ठ नागरिकों को श्रीमदभगवत् गीता की प्रतियां वितरित की गईं और आगामी रक्षा बंधन के पर्व को ध्यान में रखते हुए रक्षासूत्र भी बाँधा गया । इसके उपरांत समिति की सदस्याओं ने उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों को ससम्मान स्वादिष्ट व्यंजनों को अपने हाथों से परोसा।

गौरतलब है कि ज्योत्सना महिला समिति की अध्यक्षा बी. के. दुर्गा द्वारा पिछले वर्ष सीनियर सिटीजन डे के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने की इस अनूठी परंपरा की शुरुआत की गई थी, जिसे इस वर्ष भी पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाया गया।

टीईटी परीक्षा को लेकर 30 अगस्त को दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर देशभर के शिक्षकों का धरना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के एक घटक राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश पदाधिकारी नगेन्द्र त्रिपाठी ने आगामी 30 अगस्त को दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर टीईटी परीक्षा और अन्य मांगों को लेकर होने वाले शिक्षकों के धरना प्रदर्शन में सभी साथियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है, श्री त्रिपाठी ने बताया कि शिक्षाकर्मी से लेकर आजतक हम सबका समय संघर्षों से ही भरा रहा है और आज भी नौकरी के अंतिम पडाव पर भी संघर्ष करना पड रहा है माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के चलते शिक्षकों को टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है जो उचित नहीं है जब पूर्व में जो नियुक्तियां हुई है उस समय की जो अपहर्ताएं थी उन्हीं को पूरा करके हम सब सेवा में आये थे अब नौकरी के अंतिम पडाव में नये नियमों को बनाना न्यायसंगत नहीं है, उन्होंने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को केन्द्र सरकार अध्यादेश लाकर पुराने शिक्षकों को राहत प्रदान कर सकती है इसलिए केन्द्र सरकार पर दबाब बनाने पूरे देश से शिक्षकगण दिल्ली पहुंचेगें तथा अपनी बात रखेगें, प्रदेश से भी बड़ी संख्या में शिक्षक साथी दिल्ली पहुंच रहे हैं, श्री त्रिपाठी ने सभी साथियों से अधिक से अधिक संख्या में धरने में पहुंचकर अपनी बात रखने की अपील की है, उन्होने बताया कि परीक्षा एवं अन्य मुद्दों को लेकर प्रदेश में शिक्षक संगठनों ने एक साथ लड़ने का निर्णय लेते हुए संयुक्त मोर्चा बनाया है जो गत दिनों प्रदेश के स्कूल शिक्षामंत्री राव उदय प्रताप जी से मिला था उन्होंने शिक्षकों की बातों को गंभीरता से सुना तथा जितना उनसे सहयोग होगा वे करेगें ऐसा आश्वासन दिया साथ ही समस्याओं को लेकर शीघ्र ही संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ अधिकारीगणों की बैठक रखने की बात भी कही।

संयुक्त मोर्चा के सदस्य श्री त्रिपाठी ने आगामी 30 अगस्त को दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर आयोजित धरने में शामिल होने का सभी शिक्षक साथियों से आग्रह करते हुए कहा कि परिणाम जो भी हो पर हमें संघर्ष करना चाहिए जिससे मन में यह संतुष्टि तो रहेगी कि हम लड़े तो घर तो नहीं बैठे रहे यही प्रतिक्षा में कि लोग तो लडेगे हम बस घर बैठे टीवी और मोबाइल पर लगे रहे, श्री त्रिपाठी ने कहा कि घर बैठें संघर्ष नहीं होते न कुछ प्राप्त किया जा सकता है इसके लिए घरों से निकलना पडेगा तभी सफलता मिलेगी उन्होंने सभी साथियों से दिल्ली पहुंचने का आग्रह किया है।

मोहब्बत का पैगाम देते हुए निकला जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ हुआ स्वागत

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। मुस्लिम समाज द्वारा हजरत मोहम्मद साहब का जन्म दिवस जश्ने ईद मिलादुन्नबी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नए बस स्टैंड बाबली दरबार से मोहम्मदी जुलूस सानो शौकत के साथ जामा मस्जिद कमेटी द्वारा निकाला गया । जश्ने ईद मिलाद नबी के जुलूस में मस्जिद से हाफिज जुबेर आलम साहब शामिल हुए और यह जूलूस शिवालय चौक शक्ति चौक शिवालय चौक, शक्ति चौक, महावीर भवन होते हुए पानी की टंकी छोटी मस्जिद पहुँचा ओर वह से वापस चावड़ी चौकी, झंडा चौक ,सराफा, पुरानी गल्ला मंडी, पुराने बस पुराने बस स्टैंड के बाद जामा मस्जिद में जूलूस का समापन किया गया । शहर की सभी मस्जिदों सहित शक्तीचौक नौजवान कमेटी द्वारा , मुन्ना मिस्त्री के सामने मदीना दरबार, पानी टंकी के पास छोटी मस्जिद कमेटी, नए बस स्टैंड पर बावली दरबार कमेटी ने सुंदर साजसज्जा कर जुलूस का स्वागत किया । मोहम्मदी जुलूस में सरकार की आमद मरहबा के नारे लगाते हुए हाथों में परचम लेकर मुस्लिम भाई उत्साहित होकर चल रहे थे। जुलूस में मदीना शरीफ के रोजे के साथ गौस पाक, ख्वाजा गरीब नवाज के तुगरे की लोगो ने जियारत कर गुलाब की माला पेश की मलंग बाबाओं के हेरत अंगेज करतब देखने लोगों का हुजूम लगा रहा। नृत्य करते हुए घोड़े, ऊंट पर परचम लेकर बैठे बच्चे, शहनाई मुख्य आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। डी जे पर मजहबी कलाम बजते रहे। शक्तीचौक पर नौजवान कमेटी द्वारा ऐतिहासिक स्वागत किया गया यहा मंच पर मदीना शरीफ के रोजे की जियारत के लिए जनसमूह उमड़ता दिखाई दिया । शक्ति चौक पर स्वागत समारोह के दौरान अब्दुल फिरोज खान ने संचालन किया । जूलूस में लहराते हुए परचम एवं सादगी के साथ चल रहे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सांप्रदायिक सद्भावना का परिचय दिया ।

जुलूस के पीछे जामा मस्जिद, फैजाने मदीना के इमाम नातेपाक पढ़ने वालो के साथ चल रहे थे । पुरानी गल्ला मंडी में कांग्रेस नेता जिनेश जैन ने नए बस स्टैंड पर पूर्व विधायक साधना स्थापक, मिनेन्द्र डागा, नवनीत चाचा, विकास जैन, राजकुमार पालीवाल, राव संदीप सिंह, सत्तार खान रीतेश राय, कमल राजपूत, लखन साहू आदि जुलूस का भव्य स्वागत किया , श्याम टाकीज के पास मकसूद खान सहित फैजाने मदीना मस्जिद कमेटी द्वारा स्वागत किया गया।

जुलूस को कामयाब बनाने में जामा मस्जिद कमेटी अध्यक्ष अबरार खान, छोटी मस्जिद अध्यक्ष उवेश कुरैशी, मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान, महमूद पहलवान , मुस्लिम त्योहार कमेटी के मुजीब खान, जामा मस्जिद कमेटी के आशिक हुसैन, शेख सोहेल, शाहिद ठेकेदार, सलमान खान, आशिकअली, इसरार चंदू,सादाब खान, सादिक अली, अफजल खान, आशिक अली, फारुख खान, असबाब अली, आबिद खान, इमरान, राज, फिरोज फिजा सप्पू खान,इकबाल खान, सहित युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही । जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने स्थानीय प्रशासन पुलिस प्रशासन नगरपालिका के सहयोग के प्रति आभार जताया ।

एनटीपीसी विंध्याचल में नोसेट 2026 के माध्यम से नवाचार और रचनात्मकता को मिला मंच

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में दिनांक 26 अगस्त 2026 को एनटीपीसी में एग्जीक्यूटिव टैलेंट के लिए खुली प्रतियोगिता 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता मे अधिकारियों को अपने नवाचारपूर्ण विचारों, रचनात्मकता तथा संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रभावी व्यावसायिक समाधानों को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में एग्जीक्यूटिव ट्रेनी से लेकर अपर महाप्रबंधक स्तर तक के अधिकारियों की कुल 11 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन स्टेशन के वरिष्ठ नेतृत्व दल के प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएस एंड प्रोजेक्ट) तथा बाह्य निर्णायक श्री निशांत गुप्ता, हेड (एल एंड डी), रिलायंस पावर सासन शामिल रहे। प्रतियोगिता में श्री सुमन कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक(प्रचालन), श्री सौरभ बनौधा, अपर महाप्रबंधक(आईटी), श्री बलजीत यादव, उप महाप्रबंधक(प्रचालन) एवं श्रीमती स्वास्ति गरनायक, वरिष्ठ प्रबन्धक(आईटी) की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं श्री धीर सिंह चौहान, उप महाप्रबंधक(सी एंड आई) एवं श्री उत्कर्ष शुक्ला, इंजीनियर(सी एंड आई) ने द्वितीय स्थान हासिल किया तथा तृतीय स्थान पर श्री दीपक कुमार, वरिष्ठ प्रबन्धक(प्रचालन), श्री निलेश नयन, वरिष्ठ प्रबन्धक(पी एंड एस), श्री शिवम वर्मा, इंजीनियर (प्रचालन) एवं श्री साजिद नेजाम, वरिष्ठ सहायक इंजीनियर (प्रचालन) की टीम रही। नोसेट 2026 में अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और प्रस्तुत किए गए नवाचारपूर्ण विचारों ने एनटीपीसी विंध्याचल में सहयोग, रचनात्मक सोच एवं निरंतर सुधार की मजबूत संस्कृति को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को नए विचारों को व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तित कर संगठनात्मक उत्कृष्टता में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ धरना

मण्डला/मवई (स्वतंत्र मत)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई द्वारा बड़ चौराहा मवई में बढ़ती महंगाई एवं भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के माध्यम से लगातार बढ़ती महंगाई आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ और जनहित के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संतोष रानू हरदहा, मंडल अध्यक्ष इसाक बोरिया, मंडलम अध्यक्ष ठाकुर राम केराम, वरिष्ठ नेता एवं विधायक प्रतिनिधि एजाज खान अज्जू, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामस्वरूप वारेश्वर, नसीम खान, पंचायत अध्यक्ष राकेश श्याम, जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव शशिकांत साहू, युवा नेता संतोष करायत, छात्र नेता प्रमोद बघेल, हारुण खान, अरशु खान, किशन यादव, सेवक श्याम सहित कांग्रेस के अनेक साथी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कन्हवारा में लोग पहुंचे समस्याएं लेकर, लेकिन लौटे भरोसे के साथ

मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में कलेक्टर ने हर व्यक्ति से किया आत्मीय संवाद, 72 आवेदकों ने रखी अपनी बात

कलेक्टर ने किसानों से फार्मर आईडी बनवाने का किया आग्रह, टीबी मरीजों को दिया पोषण का संबल

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कन्हवारा में गुरुवार को लगे शिविर में कोई अपनी समस्या लेकर आया था, कोई उम्मीद लेकर और कोई इस भरोसे के साथ कि यहां उसकी बात जरूर सुनी जाएगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आयोजित जनसंवाद एवं समस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों और प्रशासन के बीच ऐसा ही आत्मीय संवाद यहां देखने को मिला। कलेक्टर आशीष तिवारी जब ग्रामीणों के बीच पहुंचे, तो लोगों ने बिना झिझक अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। कलेक्टर ने भी हर आवेदक की बात को गंभीरता से सुना। शिविर में 72 आवेदन प्राप्त हुए। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों को केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रखा जाए। प्रत्येक आवेदन के पीछे किसी व्यक्ति की जरूरत और उम्मीद जुड़ी होती है, इसलिए समस्या का वास्तविक समाधान ही शिविर की सफलता का पैमाना होना चाहिए। कन्हवारा में यही भावना पूरे शिविर में दिखाई दी। ग्रामीण अपनी बात कहते रहे और प्रशासन समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाता रहा।

किसानों को बताया- फार्मर आईडी है जरूरी

कलेक्टर ने शिविर में मौजूद किसानों से फार्मर आईडी बनवाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि फार्मर आईडी किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने किसानों से पीएम किसान योजना का लाभ लेने तथा शिविर में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण में अपनी जांच कराने की अपील भी की।

टीबी मरीजों को दिया पोषण आहार बैग

शिविर का सबसे संवेदनशील दृश्य तब सामने आया, जब कलेक्टर आशीष तिवारी ने डिठवारा और पिपरहटा गांव की टीबी से पीड़ित महिलाओं को पोषण आहार बैग प्रदान किए। टीबी से जूझ रहीं इन महिलाओं का शासन द्वारा निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। दवाओं के साथ शरीर को पोषण मिले और बीमारी से लड़ने की ताकत बनी रहे, इसी उद्देश्य से उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराया गया। पोषण आहार का वह बैग सिर्फ खाद्य सामग्री नहीं था, बल्कि बीमारी से लड़ रही महिलाओं के लिए यह संदेश था कि उनकी चिंता करने वाला प्रशासन उनके साथ खड़ा है।

एक पेड़ मां के नाम किया पौधारोपण

शिविर के उपरांत कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम कदम्ब का पौधा रोपा और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शिविर में जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल, तहसीलदार अजीत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनपद सदस्य, सरपंच, पंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

9 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

कलेक्टर ने अभियान चलाकर शत-प्रतिशत किसानों के फार्मर आईडी बनाने के दिए हैं निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

किसानों की शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा समय-सीमा बैठकों में लगातार दिये जा रहे निर्देशों के बावजूद फार्मर आईडी बनाने के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं पाये जाने पर तहसील स्लीमनाबाद के 9 हल्का पटवारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही सभी संबंधित पटवारियों से दो दिवस में जवाब मांगा है।

इन पटवारियों को जारी हुए नोटिस

तहसील स्लीमनाबाद के अंतर्गत हल्का भेड़ा की पटवारी नेहा मिश्रा, हल्का मवई एवं चरगवां के पटवारी अनंत गुप्ता, हल्का पौनिया एवं सैलारपुर के पटवारी शांतनु गोरे, हल्का सरसवाही के पटवारी दिलराज सिंह, हल्का पहरूआ के पटवारी महेन्द्र मिश्रा, हल्का बंधी एवं धूरी के पटवारी योगेन्द्र सिंह, हल्का सलैयाफाटक एवं भूला के पटवारी देवलाल पटेल, हल्का कनौजा की पटवारी सुकन्या पाण्डेय तथा हल्का गुदरी की पटवारी किरन सेन को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

कैंप में अपेक्षित प्रगति नहीं

तहसीलदार स्लीमनाबाद द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि फार्मर आईडी निर्माण के संबंध में संबंधित पटवारियों को बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं लाई जा रही है। एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान के तहत 25 अगस्त को आयोजित कैंप में फार्मर आईडी निर्माण में शून्य अथवा अपेक्षित प्रगति नहीं होने का उल्लेख किया गया है। नोटिस में पूर्व में भी कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने की बात भी कही गई है।

दो दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

तहसीलदार स्लीमनाबाद ने संबंधित पटवारियों को दो दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि

में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा जवाब समाधानकारक नहीं पाए जाने पर यह माना जाएगा कि संबंधित के पक्ष में कोई आधार नहीं है और नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की जा सकती है।

वेतन वृद्धि रोकने और विभागीय जांच की चेतावनी

नोटिस में संबंधित कृत्य को कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना का मामला बताते हुए मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम 3(1) के उपनियम एक दो एवं तीन के उल्लंघन का उल्लेख किया गया है। साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम, 1966 के तहत वेतन वृद्धि रोकने एवं विभागीय जांच की कार्रवाई प्रस्तावित किए जाने की चेतावनी दी गई है।

लमतरा में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया रिफ्रेक्टरीज, लमतरा में हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कंपनी में कर्मचारी एवं उनके बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं देश भक्ति नृत्य गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही जीते हुए प्रतिभागियों को इनाम वितरित किए गए। अंत में कंपनी के प्लांट हेड सुदीप पाल एवं पीएंडसी हेड जितेन्द्र मिश्रा के द्वारा कर्मचारियों के बेहतर भविष्य एवं कंपनी नित नई ऊंचाइयों को छुए इस हेतु संबोधित किया गया।

ऑटो में छूटा यात्री का बैग, दस्तावेजों समेत सकुशल लौटाया

कटनी (स्वतंत्रमत)। 27 अगस्त को फरियादी रतिराम पटेल निवासी पवई ग्राम इमलिया जिला पन्ना 25 अगस्त को अहमदाबाद गुजरात से नौकरी करके वापस आ रहा था कटनी मुरवारा स्टेशन से बस स्टैंड के लिए ऑटो पर बैठा जिस दौरान भूलवश फरियादी का बैग ऑटो में ही छूट गया, जिसमे फरियादी के महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं जरुरी सामान आदि थे। सीसीटीवी द्वारा उक्त ऑटो का ऑटो क्रमांक एमपी 21 आर 2460 खोजते हुए ऑटो चालक से बात कर फरियादी का बैग प्राप्त कर सकुशल फरियादी के सुपुर्द किया गया।

बीमार वृद्ध दंपति के पास बेटे की तरह साथ खड़े रहे कलेक्टर

अम्मा-दादा को खुद डॉक्टर के कमरे तक ले गए, जांच पूरी होने तक रहे साथ

कलेक्टर ने कोरी दंपति के इलाज और बीपीएल कार्ड बनवाने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। कभी-कभी किसी बड़ी व्यवस्था की पहचान बड़े फैसलों से नहीं, बल्कि किसी बुजुर्ग के कंधे के पास खड़े होकर पूछे गए एक छोटे-से सवाल से होती है- दादा, क्या तकलीफ है? कन्हवारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को ऐसा ही एक भावुक दृश्य देखने को मिला। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे कलेक्टर आशीष तिवारी की नजर इलाज के लिए आए वृद्ध कोरी दंपत्ति पर पड़ी। कलेक्टर उनके पास जा पहुंचे, आत्मीयता से हाल-चाल पूछा और स्वास्थ्य की परेशानी जानी। फिर जो हुआ, वह महज एक प्रशासनिक निरीक्षण नहीं था।

अम्मा-दादा को खुद डॉक्टर के कमरे तक ले गए

कन्हवारा निवासी 60 वर्षीय सोनाबाई कोरी और 65 वर्षीय हरिदास कोरी को कलेक्टर स्वयं डॉक्टर कक्ष तक लेकर गए। स्वास्थ्य परीक्षण शुरू हुआ तो कलेक्टर बेटे की तरह... वहीं खड़े रहे। उन्होंने चिकित्सकों से ऐसे सवाल किए, जैसे कोई बेटा अपने बुजुर्ग माता-पिता की बीमारी के बारे में पूछता है। अम्मा को क्या परेशानी है? फिर उन्होंने दादा हरिदास कोरी की तबीयत के बारे में भी जानकारी ली। चिकित्सकों ने बताया कि सोनाबाई कोरी को काफी समय से बुखार आने के कारण हड्डियों से संबंधित परेशानी है। हरिदास कोरी भी हड्डियों की समस्या से पीड़ित हैं। कलेक्टर ने दोनों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए। लेकिन उनकी चिंता इलाज तक ही सीमित नहीं रही।

बीपीएल कार्ड भी बनेगा, ताकि सहारा और मजबूत हो

कलेक्टर ने मौके पर मौजूद पटवारी को निर्देश दिए कि कोरी दंपत्ति का बीपीएल कार्ड बनवाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए, ताकि पात्रता के अनुसार उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

टीबी से जूझ रही महिला के लिए पोषण की चिंता

इसी स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए अपने डेढ़ वर्षीय बच्चे के पहुंची कन्हवारा की एक महिला टीबी रोग से पीड़ित थी। कलेक्टर ने उससे भी बात की और पूछा कि उसे शासन से मिलने वाली निःशुल्क दवाइयां नियमित रूप से मिल रही हैं या नहीं। महिला के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह को उसके लिए पोषण आहार किट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चे के टीकाकरण के भी निर्देश दिए।

क्योंकि बीमारी में लड़ाई केवल दवाइयों से नहीं, पोषण और हौसले से भी लड़ी जाती है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल, तहसीलदार अजीत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

गीतांजलि संगीत महाविद्यालय कटनी की छात्राओं ने लहराया परचम

कटनी (स्वतंत्रमत)। गीतांजलि संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने एक बार फिर अपनी शानदार नृत्य प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए इंदौर में आयोजित तांडव सीजन 5 रियलिटी शो में कटनी का नाम गौरवान्वित किया। इस प्रतिष्ठित आयोजन के आयोजक इंदौर के समाजसेवी महेश सेंगर सर रहे। इस प्रतियोगिता में लगभग 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें गीतांजलि संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया और एकल एवं समूह दोनों ही नृत्य विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। महाविद्यालय की नन्हीं कलाकार अन्या दुबे ने अपनी छोटी-सी उम्र में कथक नृत्य की बारीकियों, तकनीक और भाव-अभिनय का बेहद सुंदर प्रदर्शन करते हुए दर्शकों एवं निर्णायकों को आश्चर्यचकित कर दिया। उनकी शानदार एकल प्रस्तुति के लिए उन्हें विजेता का खिताब प्राप्त हुआ। वहीं महाविद्यालय की छात्राओं ने सूफी कथक नृत्य की भावपूर्ण एवं मनमोहक समूह प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में कथक की

शास्त्रीय तकनीक के साथ सूफी भावों का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिसकी सभी ने खूब सराहना की। छात्राओं ने समूह नृत्य में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब हासिल किया। तांडव सीजन 5 के निर्णायक मंडल में प्रसिद्ध नृत्यांगना रागिनी माखर, बच्चों के बीच कालू सर के नाम से प्रसिद्ध फेमस इन्फ्लुएंसर रोहित अमेरिया सर तथा प्रसिद्ध निर्देशक दिनेश परिहार सर उपस्थित रहे। नन्हीं कलाकार अन्या दुबे की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें ढेर सारा प्यार एवं आशीर्वाद दिया।

फोटो : विकास गुप्ता

पटवारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कटनी। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल प्रदेश के आह्वान पर कटनी जिले के भी समस्त पटवारी अपनी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में 3 अगस्त सोमवार से 6 अगस्त तक हडताल पर थे प्रमुख सचिव राजस्व एवं आयुक्त भू संशाधन प्रबंधन ग्वालियर तथा प्रदेश प्रतिनिधि मंडल के मध्य सौहार्दपूर्ण चर्चा के मध्य आश्वासन पर हडताल स्थगित कर कार्य पर लौटे थे तथा आश्वासन पर हडताल अवधि को कार्य अवधि मानते हुए वेतन जारी किए जाने का आश्वासन प्राप्त हुआ था। पटवारी संघ जिलाध्यक्ष दादूराम पटेल ने मांग की है माह अगस्त का वेतन हडताल अवधि को कार्य अवधि मानकर जारी किया जाय।

हाइवे में डीजल चोरी के आरोपी को माधवनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

225 लीटर डीजल जब्त, कई वारदातों का खुलासा होने की संभावना

कटनी (स्वतंत्रमत)। नेशनल हाइवे पर ट्रकों से डीजल चुराने वाले आरोपी को माधवनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पूर्व में भी तीन वारदातों को आजम दे चुका है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जिला न्यायालय में पेश करते हुए रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पत्रकारवार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने बताया कि विगत 26 अगस्त को ट्रक चालक सुरेश कुमार खरोल द्वारा रिपोर्ट लेख कराई गई कि 25-26 अगस्त की दरमियानी रात जायसवाल ढाबा पिपरौंध के सामने अपना ट्रेलर ट्रक क्रमांक आरजे 32 जीडी 5722 को खड़ा कर खाना पीना खाकर ट्रक में ही सो गया था, सुबह करीब 5 बजे जब सोकर उठा तो देखा ट्रक की टंकी का ढक्कन टूटा हुआ था अज्ञात चोरों के द्वारा ट्रक की टंकी का ढक्कन तोडकर डीजल चोरी किया गया है। साथ ही रात के समय सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार नंबर एमपी 21 से को ट्रक के पास घूमना बताया। उक्त रिपोर्ट पर थाना माधवनगर में अपराध क्रमांक 868/26 धारा 303 (2) बीएनएस का कायम किया गया। सुरागरसी के आधार पर मुखबिर सूचना एवं सायबर सेल से तुरंत संपर्क किया गया, जिस पर संदेही स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक एमपी 21 सीए 6181 नीलेश उर्फ अंकू जैन के गोदाम लखापतेरी में खड़ी मिली, जिसमें डीजल से भरे हुए कुल 9 डिब्बे जिसमें करीब 225 लीटर डीजल भरा हुआ एवं डीजल निकालने का पाइप मय इंस्ट्रूमेंट एवं डीजल भरने निकालने की 2 बड़ी चुंगी मिली उक्त सामग्री आरोपी नीलेश उर्फ अंकू जैन के कब्जे से जप्त की गई जप्तशुदा सामग्री की कुल कीमत 4,72,000 रुपये के करीब है। आरोपी नीलेश उर्फ अंकू जैन से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया एवं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है आरोपी नीलेश उर्फ अंकू जैन पूर्व में भी डीजल चोरी के 3 अपराधों में संलिप्त रहा है। विवेचना जारी है। जिले में हुए अन्य डीजल चोरी के अपराधों के संबंध में आरोपी से पूछताछ जारी है। आरोपी निलेश उर्फ अंकू जैन को न्याय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड लेकर जिले में हुई अन्य डीजल चोरी की घटना का खुलासा एवं डीजल चोर गैंग का पता किया जायेगा।

फोटो : विकास गुप्ता

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

शक्कर, पेट्रोल-गैस और बिजली के बढ़ते दामों को लेकर घंटाघर पर किया प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)। बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस गुरुवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया गया। इसी तारतम्य में जिला मुख्यालय सहित जिले सभी ब्लाक में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्कर की बढ़ती कीमत, पेट्रोल-गैस के दाम और बिजली की दरों को लेकर विरोध जताया है। आंदोलन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर किया गया था। जिला मुख्यालय के ऐतिहासिक घंटाघर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शक्कर बांटकर विरोध जताया। साथ ही इस मौके पर कांग्रेस द्वारा 10 रुपए प्रति किलो शक्कर बेचीं और घरेलू गैस सिलेंडर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे आम लोगों की बढ़ती महंगाई का प्रतीक बताया। कांग्रेस का कहना है कि शक्कर के बढ़ते दाम का असर त्योहारों के दौरान परिवारों के बजट पर पड़ेगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने दावा किया कि शक्कर के दाम में 30 से 35 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के बाद गणेश चतुर्थी, श्राद्ध पक्ष, नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार आने हैं। ऐसे में महंगी शक्कर का सीधा असर आम परिवारों की रसोई पर पड़ेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण और बिजली की बढ़ी दरों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। पार्टी का आरोप है कि एथेनॉल मिश्रण से वाहनों का माइलेज प्रभावित होता है और वाहन चालकों का खर्च बढ़ता है। वहीं बिजली की बढ़ी दरों और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर कांग्रेस का कहना है कि इससे आम परिवारों पर लगातार आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इस दौरान प्रभारी मनु मिश्रा, मिलकर विधानसभा प्रभारी ओमकार सिंह दुर्गेश पटेल, पूर्व विधायक बसंत सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष करण सिंह, विजय पटेल, जालिम यादव चोखे भाईजान, अजय जैसवानी, राजेश जाटव, सुशील जायसवाल, जाफ़र, अजय खटीक, इज़राइल, प्रेम बत्रा, नारायण निषाद, मजीद खान, रजनी वर्मा, मंगल सिंह, मनोज गुप्ता, बसंत द्विवेदी, मेवालाल पटेल, देवीदीन गुप्ता, जितेन्द्र गुप्ता, संजू गुप्ता, हर्षित मिश्रा राम था, श्याम यादव इश्तियाक अहमद, मंजू निषाद सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फोटो : विकास गुप्ता

भारत से फॉलोऑन खेलकर श्रीलंका ने पहली बार मैच बचाया

दिनूषा ने सीरीज में 3 शतक लगाए, संगकारा-कैलिस के क्लब में शामिल

कोलंबो।

सोनल दिनुशा (नाबाद 133) की जाबांज शतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन गुरुवार को भारत के खिलाफ नौ विकेट पर 429 रन पर पारी घोषित करने के बाद मैच को ड्रा करा लिया। इसी के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली।चौथे दिन श्रीलंका के पास सिर्फ़ 16 रन की लीड थी और चार विकेट बचे हुए थे।इसके बाद सोनल दिनुशा की अगुवाई में जिस तरह का फ़ाइटबैक किया गया, वह अदभुत था। भारत ने नौ बार श्रीलंका को फ़ॉलोऑन खिलाया लेकिन यह पहली बार है, जब उन्हें जीत नहीं मिली।सोनल जब धीमे कदमों के साथ पवेलियन की तरफ़ जा रहे थे तो सभी दर्शक और दोनों टीम ज़ोरदार तालियों के साथ उनका अभिवादन कर रही थीं।इससे पहले सुबह श्रीलंका ने कल के छह विकेट पर 229 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह पूरा सत्र

श्रीलंका के बल्लेबाजों के नाम रहा।भारतीय गेंदबाज विकेट के लिए तरस गये और उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। जहां कल तक ऐसा लग रहा था कि भारतीय गेंदबाज सुबह के सत्र में ही श्रीलंका की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर देंगे, लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हुए।वहीं श्रीलंका ने इस सत्र में 100 रन जोड़ कर भारत को हतप्रभ कर दिया। इस दौरान सोनल दिनुशा ने अपना अर्धशतक पूरा किया।केशरा नुवंता भी अर्धशतक के करीब थे।भोजनकाल तक श्रीलंका ने छह विकेट पर 329 रन बना लिये थे।भोजनकाल के बाद मानव सुथार ने केशरा नुवंता (46) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई।इसके बाद रवींद्र जडेजा ने प्रभात जयसूर्या (दो) रन का शिकार कर लिया।दिन की शुरुआत में भारत के पास 2-0 से सीरीज जीतने का मौका था, लेकिन वह सपना लगभग हाथ से निकल चुका था।

गेंदबाजों को दी कड़ी टक्कर

श्रीलंका के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को कड़ी टक्कर दी और अपने करियर के सबसे शानदार दौर से गुजर रहे सोनल दिनुशा ने कमाल का खेल दिखाया। वे पिछली पारियों में अच्छे रन बनाकर आए थे केशरा नुवंथा ने भी उनका अच्छा साथ दिया।दोनों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन जोड़े। भारत ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर उम्मीदें जगाई थीं, लेकिन लाहिरू कुमारा ने अपनी रक्षात्मक बल्लेबाजी से उन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रीलंका ने ऐसी पिच पर जो अभी भी बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, उन्होंने अपना सब कुछ झोंक दिया, लेकिन श्रीलंका के ठोस रक्षात्मक खेल और पिच से कोई मदद न मिलने के कारण भारतीय गेंदबाज बेअसर रहे।दिन का खेल खत्म होने में 38 ओवर बाकी थे, श्रीलंका की बढ़त 170 रनों की थी।

श्रीलंका का नौवां विकेट लाहिरू कुमारा 90 गेंदों में (12) रन के रूप में गिरा।उन्हें रवींद्र जडेजा ने आउट किया।श्रीलंका ने 154वें ओवर में नौ विकेट पर 429 रन पर पारी घोषित कर दी।जिसके बाद मुकाबला ड्रा घोषित कर दिया गया।सोनल दिनुशा (नाबाद 133) और असिता फर्नांडो ने इस दौरान 24 गेंदें खेली लेकिन कोई रन नहीं बनाया।

भारत 7-8वें स्थान के लिए प्ले-ऑफ मैच में बेल्जियम का करेगा सामना

बेल्जियम। भारतीय पुरुष टीम आज शुक्रवार यहां 7वें-8वें स्थान के लिए प्ले-ऑफ मैच में सह-मेजबान बेल्जियम का सामना करते हुए अपने हॉकी वर्ल्ड कप अभियान का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगी। नीदरलैंड (1-3) और अर्जेंटीना (3-5) से हारने के बाद भारतीय टीम दूसरे चरण में पूल ई में सबसे नीचे रही, जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं।इसलिए, यह क्लासिफिकेशन मैच भारत के लिए एक अच्छा प्रदर्शन करने और अगले महीने जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करने से पहले अपनी लय वापस पाने का मौका है।वहीं, बेल्जियम भी अपने घरेलू वर्ल्ड कप अभियान का सुखद अंत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद पूल में सबसे नीचे रहने और सेमीफाइनल में जगह न बना पाने के कारण सह-मेजबान टीम निराश थी।वावरे में अपने घरेलू समर्थकों के सामने खेलने से रेड लायंस (बेल्जियम टीम) का हौसला और बढ़ेगा, जिससे भारत के लिए यह मुकाबला चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। भारत के लिए प्राथमिकता अपनी लय और आत्मविश्वास को फिर से हासिल करना होगा।

हालांकि टीम ने आक्रामक इरादे और मौके बनाने की क्षमता दिखाई है, लेकिन बेल्जियम की टीम के खिलाफ - जो जीत के साथ अपना अभियान खत्म करने के लिए उतनी ही दृढ़ होगी - खेल के चारों क्वार्टर में निरंतरता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। भारत के लिए ध्यान देने वाली एक मुख्य बात डिफेंस, मिडफील्ड और अटैक के बीच तालमेल होगी। बेल्जियम के खिलाफ, टीम को पीछे से अधिक उद्देश्यपूर्ण तरीके से गेंद को आगे बढ़ाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आक्रामक खिलाड़ियों को मिडफील्ड से अच्छी सप्लाई मिले, और फिर फिनिशिंग टच देना स्ट्राइकरों का काम होगा।कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारत की पेनल्टी-कॉर्नर बैटरी फिर से एक महत्वपूर्ण हथियार होगी; लेकिन टीम ओपन प्ले से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। बेल्जियम के सर्कल के अंदर लगातार दबाव बनाना और सर्कल में प्रवेश को गोल करने के मौकों में बदलना जरूरी होगा।

सेरेना और वीनस विलियम्स को यूएस ओपन युगल के लिए मिला वाइल्ड कार्ड

वॉशिंगटन। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना और वीनस विलियम्स बहने यूएस ओपन टूर्नामेंट के महिला युगल मुकाबले में एक बार फिर से खेलती नजर आयेगी।इन दोनों खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है।यूएस ओपन की ओर से बुधवार को यह घोषणा की गई। दोनों बहनें, जिन्होंने साथ मिलकर 14 प्रमुख युगल खिताब जीते हैं, लगभग चार साल के अंतराल के बाद पिछले सप्ताह सिनसिनाटी ओपन में एक जोड़ी के रूप में वापसी की।यह यूएस ओपन में युगल मुकाबले में उनकी नौवीं संयुक्त उपस्थिति होगी और 2022 के बाद पहली बार।उन्होंने 1999 और 2009 में न्यूयॉर्क में खिताब जीता था। 44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने 2022 यूएस ओपन

के बाद टेनिस से कुछ समय के लिए दूरी बनाने के बाद जून में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की।मूल रूप से, सेरेना और 46 वर्षीय वीनस को जुलाई में विंबलडन में एक साथ खेलना था, लेकिन ऑल इंग्लैंड क्लब में पहले दौर के एकल मैच में घुटने में चोट लगने के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया।सेरेना यूएस ओपन में केवल युगल ही खेलेंगी।मंगलवार को उन्होंने कार्लोस अल्काराज के साथ मिश्रित युगल में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया।

अंगद चीमा की दो-शॉट की बढ़त बरकरार

विकाराबाद (तेलंगाना)।

अंगद चीमा ने वूटी गोल्फ काउंटी, विकाराबाद में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये इनामी राशि वाले तेलंगाना ओपन 2026 के तीसरे राउंड के बाद सात-अंडर 65 का स्कोर करके अपनी दो-शॉट की बढ़त बनाए रखी और अपने पांचवें डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई खिताब और कुल मिलाकर छठी जीत की ओर कदम बढ़ाए। चंडीगढ़ के 36 वर्षीय चीमा (70-61-65), जिन्होंने बुधवार को करियर का सर्वश्रेष्ठ 11-अंडर 61 का स्कोर करके दिन की शुरुआत दो शॉट की बढ़त के साथ की थी, अब 20-अंडर 196 के स्कोर पर पहुंच गए हैं।दिल्ली के राशिद खान (66-67-65) ने लीडर के साथ खेलते हुए चीमा के 65 के स्कोर की बराबरी की और 18-अंडर 198 के

स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर बने रहे।राशिद ने पूरे दिन दबाव बनाए रखा; उन्होंने आठ बर्डी लगाईं और केवल एक बोगी (पार-फोर 17वें होल पर) की।

चीमा के उतार-चढ़ाव भरे राउंड में पार-फाइव 16वें होल पर एक ईगल, आठ बर्डी और तीन बोगी शामिल थीं।जब राशिद लगातार अंतर कम कर रहे थे, तो चीमा ने भी पर्याप्त बर्डी लगाकर अपनी बढ़त बनाए रखी। जयराज सिंह संधू (71-68-63) ने दिन की सबसे बड़ी छलांग लगाई और टूर्नामेंट का अब तक का सबसे कम तीसरा राउंड स्कोर - नौ-अंडर 63 - बनाया। वह संयुक्त 20वें स्थान से 17 पायदान ऊपर चढ़कर 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जो चीमा से छह शॉट पीछे है।दिल्ली के हनी बैसोया (72-65-66) ने ग्रेटर नोएडा के अर्जुन शर्मा (70-66-67) के साथ 13-अंडर 203 के स्कोर पर संयुक्त रूप से चौथा स्थान हासिल किया।चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (65-70-69), जो पहले राउंड में संयुक्त रूप से लीडर थे, गुरुग्राम के वीर अहलावत (68-68-68) के साथ 12-अंडर 204 के स्कोर पर संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे।गुरुग्राम के मनु गंडास (65-71-69), जो ओपनिंग राउंड में संयुक्त रूप से लीडर थे, ने नेपाल के सुभाष तमांग (74-65-66), युगांडा के जोशुआ सील (70-66-69) और गुरुग्राम के ध्रुव श्योरण (68-67-70) के साथ 11-अंडर 205 के स्कोर पर संयुक्त रूप से आठवां स्थान हासिल किया।

किलियन एमबापे ने हैट्रिक से रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद को 4-1 से हराया

मैड्रिड। स्टार खिलाड़ी किलियन एमबापे की हैट्रिक की बदौलत रियल मैड्रिड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रियल सोसिएदाद के खिलाफ ला लीगा के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की।बुधवार को खेले गये मुकाबले में हाफ टाइम से पहले एमबापे ने पहला गोल किया, लेकिन सोसिएदाद के लुका सुसिक ने जल्द ही स्कोर 1-1 कर दिया, जिससे मैड्रिड ने सीजन के अपने पहले घरेलू मैच में हाफ टाइम तक बराबरी बनाए रखी।इस दौरान स्टेडियम में मौजूद दर्शक एमबापे को लेकर हूटिंग कर रहे थे।दूसरे हाफ में म्बाप्पे के दो गोल और विनीसियस जूनियर के एक गोल की बदौलत - जिसमें जूड बेलिंगहैम ने दो असिस्ट किए - मैड्रिड ने तीनों अंक हासिल कर लिए और स्पेन में वापसी के बाद

से मोरिन्हो ने लगातार दो मैच जीते हैं।मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में रियल मैड्रिड के कोच मोरिन्हो ने कहा, रियल मैड्रिड में इतिहास रचने के लिए बेताब हैं यह लड़का (एमबापे) अविश्वसनीय है।मुझे खुशी है कि उसने विश्व कप में इतिहास रचा (टूर्नामेंट का सर्वकालिक अग्रणी गोल स्कोरर बनकर) क्योंकि 25 विश्व चैंपियन खिलाड़ी थे, लेकिन फुटबॉल में केवल एक ही अमर रहता है।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के साथ भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करेगी वैकर

नयी दिल्ली। प्रमुख वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज की मदद से वैश्विक रसायन एवं जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी वैकर केमी ने महाराष्ट्र के पुणे में एक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित किया है।एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने गुरुवार को बताया कि यह जीसीसी वैकर की इंजीनियरिंग, आईटी और डिजिटल बदलावों से जुड़ी पहलों में सहयोग प्रदान करेगा तथा एक लचीला, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार आधार उपलब्ध करायेगा।वैकर एक्सिलेंस हब पुणे के निदेशक फैबियन सीबोल्ड ने कहा, वैश्विक क्षमता केंद्र हमारी वैश्विक डिलीवरी और डिजिटल क्रियान्वयन क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण

कदम है।ऐसे केंद्रों के निर्माण और उन्हें बड़े स्तर पर विकसित करने में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का अनुभव हमें ऐसे मॉडल के साथ आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है, जो चुस्ती, बेहतर प्रशासन और दीर्घकालिक विकास को समर्थन देता है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष और जर्मनी में कारोबार प्रमुख डॉ. फ्रैंक फेहलर ने कहा, यह विस्तारित सहयोग वैकर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाता है और वैकर के डिजिटल बदलाव में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में वैकर की दीर्घकालिक डिजिटल और अभियांत्रिकी परिवर्तन यात्रा में सहयोग करने पर गर्व है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज वित्तीय सेवाओं, मैन्युफैक्चरिंग, लाइफ साइंसेज एवं हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी एवं सर्विसेज, सेमीकंडक्टर, टेलीकॉम एवं मीडिया, रिटेल, मोबिलिटी और पब्लिक सर्विसेज सहित प्रमुख उद्योग क्षेत्रों के ग्राहकों के साथ काम करती है।जून 2026 को समाप्त 12 महीनों की अवधि में कंपनी का समेकित राजस्व 14.8 अरब डॉलर रहा।

त्यौहार से पहले सोने चांदी के दामों में गिरावट

सोना 2,951 सस्ता होकर 1.58 लाख पर आया

1 किलो चांदी की कीमत 3,459 कम हुई

नई दिल्ली। रक्षाबंधन से एक दिन पहले यानी आज 27 अगस्त को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,951 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 3,459 रुपए कम होकर 2.40 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव

देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कनाडाई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मिलीं सीतारमण

टोरंटो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कनाडा यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को टोरंटो में एक बिजनेस सम्मेलन में भाग लिया और वहां की विभिन्न कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से द्विपक्षीय मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि वित्त मंत्री ने कनाडा की प्रमुख कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ), अध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित एक उच्च स्तरीय बिजनेस राउंडटेबल में भाग लिया।इस राउंडटेबल का आयोजन कनाड-इंडिया बिजनेस काउंसिल और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।इसमें हरित प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, दुर्लभ

मृदा तत्व, ऊर्जा भंडारण, टिकाऊ बुनियादी ढांचा, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोटिव, कपड़ा, ग्रीन स्टील, एयरोस्पेस, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा, जैव प्रौद्योगिकी, एआई, परिसंपत्ति प्रबंधन, उच्च शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों के प्रमुख कारोबारी नेता शामिल हुए।इसके अलावा, श्रीमती सीतारमण ने कई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों तथा वित्तीय संस्थानों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। उन्होंने ओटैरियो टीचर्स पेंशन प्लान (ओटीपीपी) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जो टेलर से मुलाकात की और उसके दीर्घकालिक विश्वास और भारत के राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के साथ उसकी साझेदारी की सराहना की।

ब्लिंकिट-स्विगी, डीमार्ट से 5 किलो से ज्यादा शक्कर नहीं मिलेगी

रिटेल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने लिमिट तय की

नई दिल्ली। ब्लिंकिट, जेप्टो जैसे क्विक-कॉमर्स एप्स से अब ग्राहक एक बार में 2 से 5 किलो तक ही चीनी खरीद पाएंगे। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से ठीक पहले चीनी की सप्लाई घटने और कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद यह फैसला लिया गया है।

उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, 26 अगस्त को देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपए किलो पर पहुंच गई है। महज एक महीने पहले 26 जुलाई को यह 48 रुपए प्रति किलो थी। यानी 30 दिनों में चीनी 35.5 प्रतिशत से महंगी हुई है। ऑफलाइन बाजार में डीमार्ट और रिलायंस रिटेल जैसे सुपरमार्केट्स

ने प्रति ग्राहक 2 से 3 किलो चीनी खरीदने की सीमा तय की है। प्रमुख चीनी ब्रांड्स के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव के मुताबिक, रिटेलर्स यह कदम जमाखोरी रोकने और हर ग्राहक को स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए उठा रहे हैं।थोक बाजार में भी चीनी के दाम 45 रुपए किलो से बढ़कर 60.36 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं।

शेयर बाजारों में अंतिम समय में तेज बिकवाली

प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को अंतिम समय में बिकवाली तेज होने से प्रमुख सूचकांक एक सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए।बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 539.35 अंक (0.70 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,933.59 अंक पर आ गया।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 116.90 अंक यानी 0.48 प्रतिशत नीचे 24,090.85 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 19 अगस्त के बाद दिन का निचला स्तर है।बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही है।विशेषकर, बाजार बंद होने से ठीक पहले प्रमुख सूचकांक अचानक तेजी से गिर गये।सेंसेक्स करीब 104 अंक

की बढ़त में 77,576.76 अंक पर खुला, लेकिन कुछ ही देर में लाल निशान में चला गया।यह ऊपर 77,694.97 अंक और नीचे 76,933.59 अंक तक गया।वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.13 प्रतिशत फिसल गया।

सेक्टर आधारित सूचकांकों में बैंकिंग, एफएमसीजी, आईटी, धातु, मीडिया और तेल एवं गैस समूहों में गिरावट रही।फार्मा, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में तेजी देखी गयी। एनएसई में जिन 3,619 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,159 के शेयर लाल निशान में और 1,340 के हरे निशान में रहे।अन्य 120 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर नीचे बंद हुए। एचडीएफसी बैंक में 2.08 प्रतिशत और एनटीपीसी में 2.03 प्रतिशत की गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 1.77 प्रतिशत, भारती एयरटेल का 1.42, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.37, आईटीसी का 1.27, इंफोसिस का 1.26, इंडिगो का 1.23, ट्रेंट का 1.20, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.13, टाटा स्टील का 1.09 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का एक प्रतिशत तक टूट गया।बजाज फाइनेंस, इटरनल, भारतीय स्टेट बैंक, टीसीएस, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे।

यामाहा ने पेश की वाईजेडएफ-आर2 मोटरसाइकिल

चेन्नई। इंडिया यामाहा मोटर ने देश में अपनी आर-सीरीज मोटरसाइकिलों की रेंज को और मजबूत करते हुए गुरुवार को वाईजेडएफ-आर2 को बाजार में उतारने की घोषणा की।कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दिल्ली में इसकी एक्स-शोरूम कीमत 2,30,500 से शुरू है।यह यामाहा की प्रतिस्पर्धात्मक 200सीसी सेगमेंट में पहली पेशकश है।इसे नई पीढ़ी के उन राइडर्स के लिए विकसित किया गया है, जो शुद्ध सुपरस्पोर्ट परफॉर्मेंस, उन्नत तकनीक और रोजमर्रा के उपयोग में बहुमुखी क्षमता चाहते हैं।यह मोटरसाइकिल एक बिल्कुल नए प्लेटफॉर्म पर बनायी गयी है। इसमें जापान में निर्मित एवं इंजीनियर किया गया नया इंजन दिया गया है, जिसे यामाहा की भारतीय टीम के साथ सहयोग से विकसित किया गया है।वाईजेडएफ-आर2 को तीन संस्करणों और पांच अलग-अलग रंग विकल्पों में पेश किया जायेगा।बेस वेरिएंट मेटैलिक ब्लैक और डार्क ब्लुइश ग्रे रंगों में उपलब्ध होगा।इसमें आगे और पीछे पूरी तरह ब्लैक व्हील्स तथा मैट-फिनिश सीट दी गयी है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 2,30,500 रुपये है।दूसरे वेरिएंट (क्विक शिफ्टर) में थर्ड-जेनरेशन बाय-डायरेक्शनल क्विक शिफ्टर दिया गया है। यह मैट व्हाइट पर्ल और रेसिंग ब्लू रंगों में उपलब्ध होगा।इसमें बॉडी-कलर्ड अलॉय व्हील्स, मॉडल-स्पेसिफिक ग्राफिक्स और प्रीमियम मटेरियल फिनिश भी मिलती है, जो इसके स्पोर्टी चरित्र को और उभारती है।इसकी एक्स-शोरूम कीमत 2,39,500 रुपये होगी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शुक्रवार 28 अगस्त 2026

भारत की सनातन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का केंद्र बनेगा तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर का एकात्म धाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम में पंचायतन मंदिर का किया शिलान्यास

पूज्य संतों के कर-कमलों से हुआ मंदिर निर्माण का पावन शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार सुबह पवित्र तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के प्रतिनिधियों, षड्दर्शन संत मंडल के पूज्य संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ 45 पवित्र शिलाओं का पूजन कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया। श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम् धर्मगिरि, आंध्रप्रदेश के प्राचार्य के.एस.एस. अवधानी, दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम् कर्नाटक और श्री श्री गुरुकुल के आचार्यों द्वारा वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकात्म धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का केंद्र बनेगा। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने विभिन्न उपासना पद्धतियों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पंचायतन पूजन की परंपरा को पुनः प्रतिष्ठित किया था। पंचायतन मंदिर इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमने भगवान को प्रत्यक्ष नहीं देखा, लेकिन संतों के आशीर्वाद से परमात्मा का नाम और उनकी अनुभूति हमारे जीवन में उजागर होती है। पूज्य संतों के आशीर्वाद से ओंकारेश्वर में ऐसा दिव्य धाम आकार ले रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शुरू किए गए एकात्म धाम और मंदिर निर्माण के कार्य को हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। आज समाज के अंदर कई प्रकार के अंतर्विरोध और आसुरी शक्तियां विद्यमान हैं, जो कई प्रकार से हमारे मार्ग में अवरोध पैदा कर रही हैं। आदि गुरु शंकराचार्य और मां नर्मदा की कृपा से यह सारी शक्तियां पराजित होंगी। संतों के आशीर्वाद से मनुष्य का हर संकल्प पूर्ण होता है।

मांधाता पर्वत पर अलौकिक स्वरूप ले रहा एकात्म धाम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मांधाता पर्वत पर विकसित हो रहा एकात्म धाम आने वाले समय में अत्यंत अलौकिक और दिव्य दृश्य प्रस्तुत करेगा। हम सभी परमात्मा की लीला के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि हम इस यात्रा के पथिक हैं और सौभाग्य की बात है कि हमें ऐसे दिव्य धाम के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। यह स्थान आंतरिक चेतना के जागरण और आत्मिक शांति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि संतों के आशीर्वाद से रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यह शुभ कार्य हो रहा है। एकात्म धाम में निर्मित होने वाली आध्यात्मिक संरचनाएं समाज में समरसता, सद्भाव, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को मजबूत करेंगी।

ओंकारेश्वर और उज्जैन देश-दुनिया में आध्यात्मिक प्रेरणा के केंद्र के रूप में विकसित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के पूर्व भव्य एकात्म यात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन सिंहस्थ के दौरान होगा। यह यात्रा देश और दुनिया तक भारतीय ज्ञान परंपरा, संत परंपरा और एकात्म दर्शन का संदेश पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर और उज्जैन दोनों ही धाम आंतरिक चेतना के केंद्र बन रहे हैं। ये दोनों स्थान केवल मध्यप्रदेश के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत और दुनिया के लिए अप्रतिम आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचायतन मंदिर धार्मिक आस्था के साथ भारतीय प्राचीन वास्तुकला और मूर्तिकला के पुनरुत्थान का भी महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगा।

पंचायतन उपासना का मूल संदेश यही है कि विभिन्न देव स्वरूपों में उसी एक परम ब्रह्म की उपासना की जाती है। यही भारतीय संस्कृति की एकात्म दृष्टि है। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर की धरती पर संतों के आशीर्वाद से निर्मित यह दिव्य धाम आने वाले समय में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं और जिज्ञासुओं के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

पंचायतन मंदिर में पंचदेवों की उपासना

प्राचीन पंचायतन शैली पर आधारित मंदिर के केंद्र में भगवान शिव का मुख्य देवालय होगा। चारों कोनों पर भगवान विष्णु, भगवान सूर्य, भगवान गणेश और भगवती शक्ति के उप-देवालय होंगे। मुख्य देवालय का शिखर 'सोमतिलक' शैली में होगा तथा गर्भगृह सर्वतोभद्र शैली में निर्मित किया जाएगा। मंदिर में चारों दिशाओं से प्रवेश की व्यवस्था होगी। मंदिर परिसर में 100 कलात्मक नक्काशीदार स्तंभ और 8 लघु संवर्णा स्थापित किए जाएंगे। मुख्य मंडप में 26 फीट व्यास का विशाल कलात्मक गुंबद होगा। मंदिर 16 फीट ऊंचे आधारभूत अधिष्ठान 'जगति' पर निर्मित होगा। संपूर्ण मंदिर 121 कलशों से सुशोभित होगा तथा निर्माण में लगभग 80 हजार घन फीट नक्काशीदार गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'खेलो इंडिया संवाद में वर्चुअल माध्यम से की सहभागिता

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलो इण्डिया संवाद- खेल की बात पीएम मोदी के साथ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सहभागिता की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का युवाओं से संवाद का कार्यक्रम जबलपुर में सिविल लाइंस स्थित शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित किया गया था। समारोह में उपस्थित युवाओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशभर की लगभग 1600 संस्थाओं से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं के साथ वर्चुअली जुड़कर सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर युवाओं और खेल जगत से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति और खेल शक्ति को जोड़ने का माध्यम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एक खिलाड़ी की सफलता से उसके परिवार, स्कूल, कॉलेज, जिले और प्रदेश की पहचान मजबूत होती है। उन्होंने ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि कई ऐसे खेल हैं, जिनमें भारत अभी पर्याप्त भागीदारी नहीं कर रहा है। खेलों में नई संभावनाओं को तलाशकर अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष खेलों का इको-सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2036 ओलंपिक की तैयारियों का उल्लेख करते हुए 5 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों की पहचान के लिए बड़े टैलेंट हंट अभियान की बात कही। उन्होंने कहा कि केवल बच्चे की रुचि ही नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और उपयुक्त खेल को भी ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। सरकार आधुनिक स्पोर्ट्स इको-सिस्टम विकसित करने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र सहित आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित कर रही है।

खेल मंत्री ने खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में की सहभागिता

भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहभागिता कर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संवाद को सुना। संवाद कार्यक्रम बाद मंत्री श्री सारंग ने उपस्थित युवा साथियों से संवाद कर उनके विचार एवं सुझाव जाने तथा उन्हें नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत में खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा और पदक प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए इसे युवा सशक्तिकरण एवं विकसित भारत 2047 के विजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 21वीं सदी के अनुरूप आधुनिक एवं सुदृढ़ स्पोर्ट्स इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। प्रतिभाओं की पहचान से लेकर उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन, अवसर और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के मंच उपलब्ध कराने तक हर स्तर पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेलो इंडिया संवाद केवल खेलों पर चर्चा का कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह देश के युवाओं के विचारों, ऊर्जा, प्रतिभा और आकांक्षाओं को विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है। प्रधानमंत्री मोदी का युवाओं से सीधा संवाद उन्हें नई दिशा, नई प्रेरणा और अपने सामर्थ्य को राष्ट्रहित में लगाने का अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा निकाली गई कांवड़ यात्रा

दमोह (स्वतंत्र मत)। भगवान भोलेनाथ की भक्ति एवं धार्मिक आस्था से ओतप्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दमोह जिला के स्वयंसेवक कार्यकर्ता बंधुओं द्वारा पवित्र धाम श्री श्री 1008 दद्दा जी खोजाखेड़ी मंदिर से देवश्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर तक डाक कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक यात्रा में लगभग 100 स्वयंसेवक एवं कार्यकर्ता बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिवभक्तों ने पवित्र गंगाजल लेकर निर्धारित मार्ग से यात्रा करते हुए देवश्री जागेश्वरनाथ धामए बांदकपुर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। दमोह जिले के विभिन्न स्थानों एवं मार्ग में आने वाले गांवों में स्थानीय श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों द्वारा डाक कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षाए स्वागत एवं जलपान की व्यवस्था कर शिवभक्तों का उत्साहवर्धन किया गया। डाक कांवड़ यात्रा में शामिल स्वयंसेवकों ने पूरे मार्ग में अनुशासन, धार्मिक मर्यादा एवं सामाजिक सद्भाव का विशेष ध्यान रखा।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए मध्यप्रदेश के दो व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिकारियों का चयन

मंत्री श्री टेटवाल ने प्रशिक्षण अधिकारियों को दी बधाई, राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू 5 सितंबर को करेंगी पुरस्कृत

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए मध्यप्रदेश के दो व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिकारियों के चयन पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। दोनों प्रशिक्षण अधिकारियों का चयन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और इससे कौशल विकास तंत्र से जुड़े प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरणा मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास में उत्कृष्टता श्रेणी में देशभर से चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों की सूची में मध्यप्रदेश के दो अधिकारियों को स्थान मिला है। प्रदेश से श्रीमती रीना गुप्ता, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), उज्जैन तथा श्रीमती ज्योतिबाला राठौर, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), इंदौर ,का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए किया गया है। भारत सरकार द्वारा जारी सूची में दोनों अधिकारियों को मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है।

श्रीमती रीना गुप्ता का चयन दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। उन्होंने दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों को गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं श्रीमती ज्योतिबाला राठौर का चयन व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 का सम्मान समारोह 5 सितंबर 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति प्रमाण-पत्र, 50 हजार रुपये की नगद राशि एवं पदक प्रदान किया जाएगा।

शक्कर, प्याज और गैस सिलेंडर लेकर कांग्रेसियों ने जताया विरोध

पथरिया (स्वतंत्र मत)। देश में लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस के कद्दावर नेता एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेसियों ने शक्कर, प्याज और गैस सिलेंडर जैसी घरेलू जरूरत की वस्तुओं को प्रदर्शन का माध्यम बनाकर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की कथित तानाशाहीपूर्ण नीतियों के चलते महंगाई चरम पर पहुंच गई है। घरेलू रसोई का बजट लगातार बिगड़ रहा है और आम आदमी के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का सामान जुटाना मुश्किल होता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शक्कर, प्याज और रसोई गैस जैसी मूलभूत जरूरतों पर बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों की परेशानी बढ़ा दी है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन
भाजपा सरकार पर लगाए महंगाई बढ़ाने के आरोप

जनता की परेशानी समझे सरकार - पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को जनता की समस्याओं को गंभीरता से समझना चाहिए। कांग्रेस ने मांग की कि सत्ता के जिम्मेदार लोग अपनी कुर्सी छोड़कर किसी योग्य व्यक्ति को जिम्मेदारी सौंपें ताकि देश का विकास अवरुद्ध न हो। लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहाए शहमारे नेता राहुल गांधी ने जब जनता के हित और पेपर लीक के समय जो कृत्य मासूम बच्चो के साथ किए इन पर सवाल किया तो भाजपा के वरिष्ठ नेता दुम दबाकर भाग निकले।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार से महंगाई पर तत्काल नियंत्रण की मांग की और आम जनता को राहत देने की मांग उठाई। कांग्रेस के इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर किया। शक्कर, प्याज और गैस सिलेंडर के साथ किया गया। प्रदर्शन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

हटा में कांग्रेस नेताओं ने मंहगाई के खिलाफ आवाज की बुलंद

हटा (स्वतंत्र मत)। रनेह हटा में शक्कर, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और बिजली के बढ़ते दामों को लेकर गुरुवार को रनेह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस परिवार द्वारा जोरदार जनप्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने शामिल होकर महंगाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हटा के अध्यक्ष योगेश गोलू सराफ ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। रसोई का बजट बिगड़ चुका है, बिजली के बढ़ते बिलों ने उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों का असर सीधे आम आदमी, किसान, मजदूर एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने महंगी शक्कर को लेकर अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। आगामी त्योहारों को देखते हुए कार्यकर्ताओं ने लोगों को एक-एक चम्मच शक्कर वितरित कर बढ़ती कीमतों के प्रति विरोध जताया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिस शक्कर से त्योहारों और घरों की मिठास जुड़ी होती है, वह भी महंगाई की मार से आम जनता की पहुंच से दूर होती जा रही है। वहीं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर गैस टंकी के माध्यम से सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि बढ़ती गैस, पेट्रोल, डीजल, बिजली और खाद्य सामग्री की कीमतों ने आम जनता का जीवन मुश्किल बना दिया है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर आम जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता को बढ़ती कीमतों से तत्काल राहत दी जानी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हटा अध्यक्ष योगेश गोलू सराफ, खूबचंद तंतुवाय, राजेश यादव, विनोद बर्मन, मुराद खान, विजय व्यास, सुरेंद्र लोधी, हाकम सिंह, वीरेंद्र अग्रवाल एवं राम गोपाल राय सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, युवा कार्यकर्ता एवं आम नागरिक मौजूद रहे।

जयंत मलैया ने नगरीय ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों के कार्यों का दिया ब्यौरा

दमोह (स्वतंत्र मत)। पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया ने अपने निज निवास पर पत्रकार वार्ता एवं पत्रकार मिलन समारोह का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने दमोह विधानसभा क्षेत्र में कराए गए तथा स्वीकृत विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न विभागों के माध्यम से हुए करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की जानकारी दी। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमरिया, जिला महामंत्री महेश पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष विद्यासागर पांडेय, हेमंत छाबड़ा, प्रीतम सिंह लोधी, अखिलेश हजारी, रमन खत्री, जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, पार्षद कपिल सोनी एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती वर्षा रैकवार, जिला मीडिया प्रभारी प्रिंस जैन सहित वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगरपालिका चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने का दावा - दमोह विधायक जयंत मलैया ने आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव जनता के मतदान से होना है और भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव लड़कर नगरपालिका में अपनी सरकार बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में विकास कार्यों को लगातार गति मिली है। विधायक जयंत मलैया ने क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सड़कए पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में हुए कार्य इसका प्रमाण हैं। आगामी नगरपालिका चुनाव में भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताकत और एकजुटता के साथ जनता के बीच जाएंगे। हमें विश्वास है कि जनता के आशीर्वाद से नगरपालिका में भाजपा की सरकार बनेगी और दमोह के विकास को नई गति मिलेगी।

नगरीय क्षेत्र में करीब 10 करोड़ के विकास कार्य - विधायक मलैया ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद के तहत नगरीय क्षेत्र में हुए कार्यों का ब्यौरा रखते हुए बताया कि वर्ष 2024-25 में 22 कार्यों पर 4.76 करोड़ तथा वर्ष 2025-26 में 26 कार्यों पर 4.99 करोड़ खर्च किए गए। इस प्रकार दो वर्षों में 48 कार्यों पर करीब 9.76 करोड़ की राशि, वर्ष 2026-27 में 13 कार्यों के लिए करीब 8.85 करोड़ की स्वीकृति, नगरीय क्षेत्र में विधायक निधि के माध्यम से तीन वर्षों में 129 कार्यों पर करीब 2.76 करोड़ के कार्य। ग्रामीण क्षेत्र में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद के तहत वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कुल 109 कार्यों पर करीब 12.74 करोड़ की राशि, वर्ष 2026-27 में 35 कार्यों के लिए करीब 6.37 करोड़ की स्वीकृति।

संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 6 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग भोपाल द्वारा आयोजित संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता वर्ष 2026 के लिए आदर्श संगीत महाविद्यालय सागर को संभागीय आयोजक नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन 6 सितंबर को प्रातः 10 बजे आदर्श संगीत महाविद्यालय सागर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के प्रवेश फार्म एवं नियमावली जारी की गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। मूल निवासी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा कम से कम पांच वर्ष से मध्यप्रदेश में निवास करने वाले प्रतिभागी विधायकए पार्षद अथवा शैक्षणिक संस्था के प्राचार्य से प्रमाणित निवास संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रतियोगिता के लिए आयु निर्धारण की तिथि 1 जनवरी निर्धारित की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/ E-Tendering/PRO 519 — **निविदा सूचना** — Dated 27/8/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	27/8/2026 2026_UAD_ 532487_1	सं.क्र.03 रामपुर अंतर्गत डॉ.राजेन्द्र प्रसाद स्कूल के प्रथम फ्लोर में नवीन कमरे, हॉल, शौचालय व सीढ़ियों का निर्माण कार्य। (पंचम निविदा)	4 माह रु. 23.56 लाख	5,000/- रु. 17671/-	11/9/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
विभाग नगर निगम, जबलपुर

मंत्री राकेश सिंह के निवास पहुंचे केन्द्रीय रक्षा मंत्री

संभाग के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों से की भेंट

जबलपुर (स्वतंत मत)। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन जबलपुर प्रवास के दौरान प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के सिविल लाइन स्थित निवास पहुंचे, जहां जबलपुर के संभाग के जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने उनसे भेंट कर अभिनन्दन किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सम्पतिया उइके, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकी, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, सांसद आशीष दुबे, दमोह सांसद राहुल लोधी आदि उपस्थित रहे।

मदनमहल थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

खड़ी कार के चारों टायर खोलकर ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत मत)। मदनमहल थाने में परेश सिंह राठौर उम्र 41 वर्ष निवासी स्नेहनगर लिंक रोड मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह रात को अपनी गाड़ी अपने घर स्नेहनगर लिंक रोड मदनमहल के बाजू से खाली पड़े प्लाट में खड़ी कर दी थी। सुबह जब वापस आया तो देखा कि चारों टायर मय अलाय के नटबोल्ट खोलकर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा जैक व ईंटे लगाकर चोरी कर लिये। आसपास तलाश करने पर पता नहीं चला। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों की हुंकार जगह-जगह किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

केंद्र और राज्य सरकार का पुतला दहन कर जमकर लगाए नारे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कस्तूरबा गांधी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समर्थ अवस्थी एवं कमला नेहरू अध्यक्ष मेवालाल पटेल के नेतृत्व में मंहगाई खास कर शक्कर के अचानक से 70 रुपए के पार होने के विरोध में केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार का रानीताल में जोरदार विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया गया। कस्तूरबा गांधी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समर्थ अवस्थी के नेतृत्व में नगर कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार रानीताल चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा की केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया।

सरकार को जनता से कोई सरोकार नहीं - प्रदर्शन में बताया गया कि जिस प्रकार से चीनी के दाम, प्याज के दाम, डीजल पेट्रोल एवं अन्य सभी मुख्य उपभोग की वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं जिससे आम जनमानस को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है एवं आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। लेकिन इस गूंगी बहरी सरकार के कानून में जो तक नहीं रहेंगे रही ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार को इवेंट मैनेजमेंट के अलावा जनता से कोई सरोकार नहीं है। इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, दिनेश यादव, अयोध्या तिवारी, पार्षद संतोष पंडा, शिशिर नन्होरिया, अमित मिश्रा, राहुल यादव, अनुराग गढ़वाल, सतीश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

महंगाई के खिलाफ सिहोरा में हुआ जमकर प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। बढ़ती महंगाई के विरोध में गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्याज और टमाटर की माला पहनकर महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पैदल मार्च के रूप में बस स्टैंड पहुंचा। रास्ते में महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आम लोगों को चुटकी भर शक्कर, प्याज और टमाटर बांटकर महंगाई के मुद्दे पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'खा गए शक्कर, पी गए तेल, देखो भाजपा का खेल, शक्कर-तेल दे ना सके, वह सरकार निकम्मी है' और 'चंदा चोर कहां मिलेंगे, भाजपा के दफ्तर में' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम बढ़ने से आम परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। प्याज, टमाटर, तेल और शक्कर जैसी जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों का सीधा असर लोगों की रसोई पर पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ता बस स्टैंड पहुंचने के बाद वहां से पैदल मार्च करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। यहां कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण करने और आम लोगों को राहत देने की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, पूर्व विधायक नित्य निरंजन खम्परिया, प्रभारी फिरोज खान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिहारी पटेल, प्रकाश कुररिया, बाबा कुरेशी, अमूल चौरसिया, आलोक पांडे, मंजू मिश्रा आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

रिटायर्ड महिला सब इंस्पेक्टर के वेतन से वसूले 17 लाख रूपए हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

अवमानना याचिका से संबंधित मामला

4 सप्ताह में राशि वापस करने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने सेवानिवृत महिला सब इंस्पेक्टर के वेतन से काटी गई लगभग 17 लाख रुपये की राशि अब तक वापस नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को 4 सप्ताह के भीतर पूरी राशि वापस करने के निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं हुआ तो 28 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, तत्कालीन भोपाल एसपी ममतेश माली और पेंशन अधिकारी शोभा भाकरिया को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना पड़ेगा।

ये है पूरा मामला- दरअसल यह मामला भोपाल की रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर लजवर खानम की अवमानना याचिका से संबंधित है। याचिकाकर्ता 30 अप्रैल 2016 को पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुई थीं। याचिका के मुताबिक उनके वेतन से लगभग 17 लाख रुपये की वसूली की गई थी। उन्होंने इस कार्रवाई को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने 11 मई 2024 को मामले में आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता के वेतन से काटी गई पूरी राशि वापस करने के निर्देश दिए थे। याचिकाकर्ता का कहना है कि स्पष्ट आदेश के बावजूद उन्हें राशि अब तक नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने आदेश की अवहेलना को लेकर अवमानना याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील 12 फरवरी 2026 को खारिज हो चुकी है। हालांकि, फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका लंबित है। मप्र हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड देखने के बाद स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर कोई स्थगन नहीं दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल पुनर्विचार याचिका लंबित होने के आधार पर आदेश का पालन रोका नहीं जा सकता। संबंधित अधिकारियों को चार सप्ताह में आदेश का पालन सुनिश्चित करना होगा। इस मामले में राशि वापस नहीं होने पर 28 सितंबर को अधिकारियों की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

कार में रखा 3 लाख रूपयों से भरा बैग हुआ चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदनमहल थाने में आशीष चौईठवानी उम्र 39 वर्ष निवासी महानद्दा मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह महानद्दा में प्लाई बोर्ड की दुकान गंगाराम ट्रैडर्स के नाम से संचालित करता है । विगत दिवस उसका दोस्त देवेन्द्र टेकचंदानी अपनी कार से उसकी दुकान आया तथा उससे घर चलने के लिये कहने लगा। उसने दुकान के काउण्टर से बिक्री की रकम को काले रंग के बैग में रखकर देवेन्द्र की कार में बैग रखकर बैठ गया। इसी बीच दोनों पुराना बस स्टेण्ड साईड कुछ खाने के लिये जाने लगे। थोड़ी दूर जाने पर सेंट्रल बैंक के पास एक लड़का मिला बोला कि आपकी कार का टायर पंचर है। पंचर बनवाने के लिये मॉडल रोड ए टू जेड एलाईमेंट नेपियर टाउन में कार का पंचर बनवाने के लिए गाड़ी छोड़कर कहीं चले गए। लौटकर देखा तो कार में रखा 3 लाख रूपयों से भरा बैग गायब था। उसने एटूजेड एलाईमेंट की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो एक लड़का बैग निकालते हुए दिखा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश के 50 हजार डाटा एंट्री ऑपरेटरों को राहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत लगभग 50 हजार डाटा एंट्री ऑपरेटरों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। अदालत ने राज्य सरकार द्वारा दायर रिट अपील को खारिज करते हुए एकल पीठ के उस आदेश को पूरी तरह बरकरार रखा है, जिसमें डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 1900 के स्थान पर 2400 ग्रेड-पे देने के निर्देश दिए गए थे। इस न्यायिक निर्णय से पूरे प्रदेश के डाटा एंट्री ऑपरेटरों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मप्र संविदा कर्मचारी-अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने इस संबंध में बताया कि जब शासन में डाटा एंट्री ऑपरेटरों के पद सृजित किए गए थे, तब नियुक्ति के समय से ही उनका वेतनमान अपर डिवीजन क्लर्क यानी यूडीसी के समकक्ष निर्धारित किया गया था। चौथे, पांचवें और छठवें वेतनमान के लागू रहने तक इन कर्मचारियों को नियमित रूप से 2400 ग्रेड-पे का लाभ मिलता रहा। विसंगति तब उत्पन्न हुई जब सातवें वेतनमान के क्रियान्वयन के दौरान शासन ने बिना किसी ठोस आधार के डाटा एंट्री ऑपरेटरों का ग्रेड-पे 2400 से घटाकर 1900 करते हुए उन्हें लेवल-4 में शामिल कर दिया। शासन के इस एकतरफा निर्णय से कर्मचारियों के वेतन में भारी कटौती हो गई थी, जिसके विरोध में कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। पूर्व में हाई कोर्ट की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद शासन के 1900 ग्रेड-पे वाले आदेश को निरस्त कर दिया था और कर्मचारियों को 2400 ग्रेड-पे के अनुसार वेतन पुनर्निर्धारण करने का आदेश दिया था। इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने डिवीजन बेंच में रिट अपील दाखिल की थी। डिवीजन बेंच ने दोनों पक्षों के विधिक तर्कों को सुनने के बाद एकल पीठ के फैसले को न्यायसंगत माना और शासन की अपील को आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया।

जांच के लिए भेजे गए छेना, पेड़ा और कलाकंद के सैम्पल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों का विक्रय को सख्ती से रोकने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सामग्री की दुकानों की आकस्मिक निरीक्षण की गुरूवार को भी जारी रही। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा गुरूवार को बंगाली क्लब मढ़ाताल स्थित गुलमोहर स्वीट से खोवाए बेसन और दूध से बनी तथा तैयबअली चौक स्थित चन्द्रकला स्वीट से खोवा, छेना और दूध से बनी मिठाइयों के चार-चार सैंपल लिए गए। इसी प्रकार राइट टाउन स्थित हीरा स्वीट से पेड़ा और कलाकंद के गोल बाजार स्थित गुप्ता स्वीट से पेड़ा और छेना की मिठाइयों के सैंपल लिए गए। राजस्व और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की खाद्य सामग्री के विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण की कार्यवाही जारी है। जांच के दौरान सभी दुकानदारों को स्वच्छता से गुणवत्तापूर्ण मिठाइयां बनाने तथा खाद्य पदार्थों का विक्रय करने निर्देशित किया गया है।

पुलिस ने पकड़ी शातिर चोरों की गैंग 6 शहरों में कर चुके वारदात

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पलक झपकते बाइक एवं 2 पहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का हनुमानताल पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक किशोर को अभिरक्षा में लेने के साथ ही 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने सात दुपहिया वाहन बरामद किए हैं। इनमें मोपेड और बाइक शामिल हैं। बरामद वाहनों को लेकर पुलिस उनके वास्तविक मालिकों की जानकारी जुटा रही है। इस मामले में हनुमानताल थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने बताया कि पुलिस टीम ने झिन्ना मोहल्ला पहाड़ी के पास एक किशोर के साथ बेलबाग झंडा चौक निवासी मोहित कोरी, अधारताल सुराही बिल्डिंग निवासी रचित चौधरी उर्फ मयंक और भरतीपुर निवासी देवांश श्रीवास्तव को पकड़ा। चोरों के पास एक मोपेड और बाइक मिली। पुलिस ने दोनों वाहनों के दस्तावेज मांगे, लेकिन वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। संदेह होने पर पुलिस चारों को थाने लेकर पहुंची और पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने दोनों वाहन चोरी करना स्वीकार किया। इसके साथ ही उन्होंने कुछ अन्य चोरी के वाहन अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखना भी बताया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर कुल सात दुपहिया वाहन जब्त किए।

जबलपुर में बनाया जाए डिफेंस क्लस्टरः महाकौशल चेम्बर

रक्षा मंत्री से मिले चेम्बर के पदाधिकारी उठाई मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जबलपुर प्रवास के अवसर पर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व मंत्री राकेश सिंह के सानिध्य में चेम्बर प्रतिनिधियों से हुई सौजन्य भेंट में जबलपुर स्थित सुरक्षा संस्थानों व मध्य कमान सेना के मुख्यालय के परिपेक्ष्य में डिफेंस क्लस्टर की स्थापना की मांग की गई। रक्षा मंत्री द्वारा उठाई गई मांग हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्देश दिया गया।

बढ़ेगा औद्योगिक और आर्थिक विकास- चेम्बर मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र द्वारा दी गई जानकारी अनुसार केंद्रीय रक्षा मंत्री के जबलपुर प्रवास के अवसर पर जबलपुर के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में जबलपुर स्थित सुरक्षा संस्थानों की सकारात्मक भूमिका हेतु निवेदन पत्र प्रेषित करते हुए भारत सरकार की डैडम् नीति के तहत 20: से 25: खरीदी स्थानीय सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों द्वारा किये जाने का निर्देश प्रदान किये जाने का आग्रह किया गया है। सुरक्षा संस्थानों को मुख्यत: व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर द्वारा निर्मित वाहनों के कलपुर्जों की आपूर्ति सहायक एवं स्थानीय सूक्ष्म, लघु उद्योगों से किये जाने के संबंध में युक्तियुक्त कार्यवाही एवं निर्देश प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है। प्रतिनिधिमंडल में चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता, शंकर नागदेव, अखिल मिश्र एवं राजेन्द्र सूद उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**